सूर्योदय 5:23 सूर्यास्त 7:14

आज का तापमान

शिमला	20.5 न्यू	29.4 अधि
धर्मशाला	21.2 न्यू	35.1 अधि

बाजार

सेंसेक्स	75,318
निफ्टी	23,659
सोना	1,58,000
चांदी	2,65,000

www.anantgyaan.in

अनंत ज्ञान

आरएनआई नं. HPHIN/25/A0284 | कांगड़ा | वीरवार, 21 मई 2026 | 7 ज्येष्ठ, विक्रमी संवत 2083 | वर्ष 3, अंक 142, कुल पृष्ठ 12 | मूल्य : 5 रुपए | डाक पंजीकरण संख्या : HP/DO/DEHRA/01/2026-2028 follow us on: | 8894521702

न्यूज शॉर्ट्स

बेंगलुरु में 35 करोड़ की एमडीएमए ड्रग्स जब्त

◆ 3 विदेशी महिलाओं समेत 8 गिरफ्तार

एजेंसी, बेंगलुरु। बेंगलुरु पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 35 करोड़ रुपए कीमत की एमडीएमए ड्रग्स जब्त की है। इस मामले में तीन विदेशी नागरिकों समेत कुल आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस का दावा है कि आरोपियों के पास से 17.5 किलोग्राम एमडीएमए और दो कारें बरामद की गई हैं। यह ड्रग्स शहर के अलग-अलग हिस्सों में सप्लाई की जा रही थी। (अनंत ज्ञान)

साइप्रस के राष्ट्रपति चार दिवसीय भारत दौरे पर

एजेंसी, नई दिल्ली। निकोस क्रिस्टोडौलिडेस 20 से 23 मई तक भारत की राजकीय यात्रा पर रहेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर हो रहे इस दौरे में उनके साथ उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी आएगा। विदेश मंत्रालय के अनुसार राष्ट्रपति क्रिस्टोडौलिडेस का यह पहला भारत दौरा है। यात्रा के दौरान दोनों नेता व्यापार, निवेश, रक्षा, एआई, फिनटेक, शिक्षा और प्रौद्योगिकी समेत कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा करेंगे। दोनों देशों के बीच क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों सहित बहुपक्षीय सहयोग पर भी विचार-विमर्श होगा। (अनंत ज्ञान)

जातिगत जनगणना के विरुद्ध याचिका खारिज

एजेंसी, नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने जातिगत जनगणना के विरुद्ध दायर याचिका खारिज कर दी है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि यह सरकार का नीतिगत फैसला है और इसमें हस्तक्षेप करने का कोई कारण नहीं है। याचिका में मांग की गई थी कि आगामी जनगणना में जाति आधारित गणना को शामिल न किया जाए, क्योंकि इसका दुरुपयोग हो सकता है। सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि सरकार को यह जानना जरूरी है कि पिछड़ी जातियों में कितने लोग हैं, ताकि उनके कल्याण के लिए योजनाएं बनाई जा सकें। न्यायालय ने कहा कि जनगणना जाति आधारित हो या नहीं, यह पूरी तरह सरकार का नीतिगत मामला है। कोर्ट को इसमें दखल देने की जरूरत नहीं दिखती, इसलिए इस जनहित याचिका को खारिज किया जाता है। याचिका सुधाकर गुमुला ने दायर की थी।(अनंत ज्ञान)

पाकिस्तानी सीमा के पास हेरोइन की जब्त

एजेंसी, जम्मू। बिश्ना स्थित जम्मू मुख्यालय जोन पुलिस ने बुधवार सुबह सीमा क्षेत्र में ड्रोन से गिराई गई 1.5 से 2 किलोग्राम हेरोइन की एक बड़ी खेप बरामद की। पाकिस्तानी नेटवर्क व संपर्कों का पता लगाने के लिए एक व्यापक जांच जारी है। पिछले सप्ताह मिली सटीक खुफिया जानकारी के आधार पर पुलिस टीमें संदिग्ध क्षेत्रों में चौबीसों घंटे कड़ी निगरानी रख रही थीं। सावधानीपूर्वक योजना तब सफल हुई जब अवैध खेप को उसके लक्षित प्राप्तकर्ताओं तक पहुंचने से पहले ही रोक लिया गया और जब्त कर लिया गया। (अनंत ज्ञान)

अंदर के पन्नों पर पढ़ें

▶▶ शिमला में मेडिकल शॉप्स पर लटके ताले -पेज 2

▶▶ भरेड़ी कस्बे में लावारिस पशु बने 'स्पीड ब्रेकर' -पेज 4

▶▶ ग्रामीण क्षेत्रों में लोग लगा रहे काफल फल के चटकारे -पेज 9

ऑनलाइन दवा बिक्री के खिलाफ देशभर में 15 लाख मेडिकल स्टोर बंद

छोटे केमिस्टों ने कंपनियों पर लगाया नुकसान का आरोप

एजेंसी, नई दिल्ली

दवाओं की ऑनलाइन बिक्री और बड़ी कंपनियों के कॉम्पिटीशन के विरोध में बुधवार को देशभर के 15 लाख से ज्यादा मेडिकल स्टोर बंद हैं। ऑल इंडिया ऑर्गनाइजेशन ऑफ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स (एआईओसीडी) ने एक दिन की हड़ताल का ऐलान किया है।

बंद का मामूली असर दिख रहा है। पटना के आईजीआईएमएस के बाहर मरीज और उनके परिवार वाले दवाओं के लिए परेशान दिखे। वहीं, चंडीगढ़ के पीजीआई में इलाज कराने आए कश्मीर के एक परिवार को भी दवाई नहीं मिल सकी। उसने कहा, 'दवाएं नहीं मिल रही हैं।'

हालांकि, एआईओसीडी ने कहा था कि बंद के दौरान भी अस्पतालों से जुड़े मेडिकल स्टोर खुले रहेंगे। इमरजेंसी दवाओं की सप्लाई में कोई रुकावट नहीं आने दी जाएगी। (अनंत ज्ञान)

दवा दुकानदारों की 4 मांगें

बिना नियमों के चल रही ऑनलाइन दवाओं की बिक्री से मोहल्ले की छोटी दुकानों को नुकसान हो रहा है और लोगों की सेहत के लिए भी खतरा पैदा हो गया है। इसे रोका जाए। इस पूरे विवाद से जुड़े सरकार के दो नियम जीएसआर 220(ई) और जीएसआर 817(ई) हैं। संगठन के मुताबिक इन नियमों की कमियों का फायदा उठाकर ही ऑनलाइन दवा कंपनियां ऐसा कर रही हैं। इसे वापस लिया जाए। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर 'गलत या नकली पर्चियों' का इस्तेमाल किया जा सकता है। इसलिए ई-फार्मेसी के लिए नए सख्त नियम बनाए जाएं। लोकल दुकानदार ऑनलाइन कंपनियों के 20% से 50% तक के डिस्काउंट का मुकाबला नहीं कर सकते।

कोविड-19 के दौरान सरकार ने ई-फार्मा को दी थी छूट

कोविड-19 महामारी के दौरान, भारत सरकार ने लॉकडाउन में लोगों तक जरूरी दवाइयां पहुंचाने के लिए ई-फार्मा स्टोर्स (ऑनलाइन मेडिकल स्टोर्स) को कई बड़ी रियायतें दी थीं। सरकार ने ई-फार्मा को आवश्यक सेवा का दर्जा दिया, जिससे लॉकडाउन में भी उनकी डिलीवरी बिना रोक-टोक जारी रही। इसके अलावा, नियमों में ढील देते हुए डॉक्टरों के डिजिटल प्रिस्क्रिप्शन (व्हाट्सएप या ईमेल पर भेजी गई पर्ची) के आधार पर दवाइयां बेचने की मंजूरी दी गई। घर-घर जाकर दवाइयां पहुंचाने की प्रक्रियाओं को आसान बनाया गया ताकि लोग अस्पतालों या मेडिकल स्टोर पर भीड़ लगाने के बजाय सुरक्षित तरीके से घर बैठे ही अपनी रेगुलर और जरूरी दवाइयां मंगा सकें।

मुख्यमंत्री सुक्खू बोले-गुणात्मक शिक्षा से बदली हिमाचल की तस्वीर

भाजपा ने सिर्फ संस्थान खोले, मूलभूत सुविधाएं देना भूली

अनंत ज्ञान

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा है कि वर्तमान कांग्रेस सरकार प्रदेश में शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने और विद्यार्थियों को गुणात्मक शिक्षा उपलब्ध करवाने के लिए निरंतर काम कर रही है, जबकि पिछली भाजपा सरकार का पूरा जोर केवल बिना बजट और बिना स्टाफ के शिक्षण संस्थान खोलने तक सीमित रहा।

उन्होंने कहा कि शिक्षा मंत्रालय की ओर से जारी परफॉर्मेंस ग्रेडिंग इंडेक्स 2.0 रिपोर्ट में हिमाचल प्रदेश का देशभर में छठे स्थान पर पहुंचना सरकार की शिक्षा सुधार नीतियों और शिक्षकों की मेहनत का परिणाम है। प्रदेश ने सात अंकों की लंबी छलांग लगाते हुए 13वें स्थान से छठा स्थान हासिल किया है, जबकि राज्यों की श्रेणी में हिमाचल तीसरे स्थान पर रहा है।

सीएम सुक्खू ने कहा कि हिमाचल प्रदेश का 'प्रचेष्टा-2' जैसी प्रतिष्ठित श्रेणी में शामिल होना पूरे प्रदेश के लिए गर्व की बात है। उन्होंने इस उपलब्धि के लिए शिक्षा विभाग के अधिकारियों, शिक्षकों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि कांग्रेस सरकार ने सत्ता में आते ही शिक्षा क्षेत्र में व्यापक सुधार आरंभ किए। पहली कक्षा से इंग्लिश मीडियम शिक्षा लागू की गई, स्कूलों के संसाधनों का बेहतर प्रबंधन सुनिश्चित किया गया और प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में कम से कम एक राजीव गांधी डे-बोर्डिंग स्कूल खोलने की दिशा में कार्य किया जा रहा है, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों को भी बेहतर और आधुनिक शिक्षा मिल सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार शिक्षकों को विदेशों में एक्सपोजर विजिट पर भेज रही है, जिससे वे वहां की आधुनिक शिक्षा व्यवस्था का अध्ययन कर प्रदेश में नई व्यवस्थाएं लागू कर सकें। इसके अलावा मेधावी विद्यार्थियों को भी विदेश भ्रमण करवाया गया है। उन्होंने कहा कि शिक्षकों के रिक्त पद प्राथमिकता के आधार पर भरे जा रहे हैं, ताकि विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित न हो। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि पिछली भाजपा सरकार की उपेक्षा के कारण प्रदेश में शिक्षा का स्तर प्रभावित हुआ, लेकिन वर्तमान सरकार ने शिक्षा क्षेत्र को नई दिशा देने का काम किया है।

156 स्कूलों में लागू होगा सीबीएसई पैटर्न

सीएम सुक्खू ने कहा कि प्रदेश के 156 विद्यालयों को सीबीएसई पैटर्न से संबद्ध किया जा रहा है, जहां कला, विज्ञान और वाणिज्य तीनों संकायों की पढ़ाई शुरू होगी। इन संस्थानों में आवश्यक शिक्षकों और कर्मचारियों की उपलब्धता भी सुनिश्चित की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य हिमाचल के युवाओं को ऐसा शैक्षणिक वातावरण देना है, जिससे उन्हें बेहतर शिक्षा के लिए प्रदेश से बाहर न जाना पड़े और भविष्य की चुनौतियों का आत्मविश्वास के साथ सामना कर सकें।

हीटवेब से झुलसा हिमाचल, पांवटा में 8 बजे लगेंगे स्कूल

ऊना में पारा 43.4 डिग्री पार, 22 मई को आंधी-तूफान व बारिश का येलो अलर्ट

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। हिमाचल प्रदेश के मैदानी क्षेत्र में भीषण गर्मी पड़ रही है। इस कारण स्कूलों की टाइमिंग में बदलाव किया गया है। जिला सिरमौर के पांवटा साहिब उपमंडल के एसडीएम द्विज गोयल ने हीट वेव को देखते हुए स्कूलों के समय में परिवर्तन का आदेश दिया है। विद्यार्थियों को डिहाइड्रेशन, हीट एग्जॉशन एवं हीट स्ट्रॉक जैसी समस्याओं से बचाने के उद्देश्य से सभी सरकारी एवं निजी स्कूलों के समय में परिवर्तन के आदेश जारी किए हैं।

इन आदेश के अनुसार पांवटा साहिब उपमंडल के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सरकारी एवं निजी स्कूलों का समय निर्धारित किया गया है। कक्षा 8वीं तक की कक्षाएं प्रात: 8:00 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक तथा कक्षा 9वीं से 12वीं तक की कक्षाएं प्रात: 8:00 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक संचालित होंगी। इसके अतिरिक्त सभी स्कूलों को निर्देश दिए गए हैं कि स्कूल समय के दौरान किसी भी प्रकार की बाहरी गतिविधियां, जैसे खेलकूद एवं प्रार्थना सभा, धूप में आयोजित न की जाएं। साथ ही स्कूलों में पर्याप्त मात्रा में स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया जाए तथा हीट से संबंधित आपात स्थितियों के लिए प्राथमिक उपचार की उचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा तथा 31 मई तक अथवा आगामी आदेशों तक प्रभावी रहेगा। स्कूल प्रबंधन को निर्देश दिए गए हैं कि वे इन आदेशों का पूर्णत: पालन सुनिश्चित करें।

वहीं, प्रदेश में सबसे अधिक तापमान ऊना में 43.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 4.5 डिग्री अधिक है। कांगड़ा में तापमान 38 डिग्री के पार पहुंच गया। मौसम विभाग के अनुसार 20 और 21 मई को ऊंचाई वाले क्षेत्रों में हल्की बूंदाबांदी की संभावना है। 22 मई को प्रदेश के कई हिस्सों में बारिश हो सकती है। इस दौरान कांगड़ा, कुल्लू और मंडी जिलों में आंधी-तूफान का येलो अलर्ट जारी किया गया है।

दिल्ली-एनसीआर समेत यूपी के कई जिलों में चलेगी भीषण लू

एजेंसी, नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली समेत एनसीआर के कई जिलों में भीषण गर्मी का दौर जारी है। मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों तक लू और भीषण लू चलने की चेतावनी जारी करते हुए 25 मई तक ऑरेंज अलर्ट घोषित किया है। तेज धूप और गर्म हवाओं के कारण लोगों को घर से बाहर निकलते समय विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी गई है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार अगले 24 घंटों के दौरान उत्तर प्रदेश के अलीगढ़, भदोही, एटा, गौतमबुद्धनगर, गाजियाबाद, हाथरस, कानपुर नगर, मैनपुरी, मथुरा और मिर्जापुर में कई स्थानों पर लू से लेकर भीषण लू चलने की संभावना है। दिल्ली में गर्मी लगातार तेज होती जा रही है। पूरे सप्ताह राजधानीवासियों को झुलसाने वाली गर्मी का सामना करना पड़ सकता है। (अनंत ज्ञान)

हिमाचल में नए मुख्य सचिव की तलाश तेज

◆ केके पंत सबसे आगे, ओंकार और नजीम भी दौड़ में

अनंत ज्ञान

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला। हिमाचल प्रदेश में नए मुख्य सचिव की नियुक्ति को लेकर प्रशासनिक हलचल तेज हो गई है। वर्तमान में मुख्य सचिव का अतिरिक्त कार्यभार संभाल रहे वरिष्ठ आईएएस अधिकारी संजय गुप्ता 31 मई को सेवानिवृत्त हो रहे हैं। ऐसे में सचिवालय से लेकर सत्ता के गलियारों तक नए प्रशासनिक मुखिया को लेकर चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है।

1993 बैच के वरिष्ठ आईएएस अधिकारी एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव कमलेश कुमार पंत को इस दौड़ में सबसे मजबूत दावेदार माना जा रहा है। वह इस समय वन, गृह, राजस्व और सतर्कता जैसे महत्वपूर्ण विभागों की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। वरिष्ठता और प्रशासनिक अनुभव उनके पक्ष में बताए जा रहे हैं। मुख्य सचिव पद की दौड़ में 1994 बैच की आईएएस अधिकारी अनुराधा ठाकुर का नाम भी चर्चा में है, लेकिन वह लंबे समय से केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर हैं। वहीं अतिरिक्त मुख्य सचिव ओंकार शर्मा का नाम भी सामने है, हालांकि उनके सरकार के साथ संबंधों और पिछले प्रशासनिक मामलों को लेकर स्थिति जटिल मानी जा रही है।

सूत्रों के अनुसार सरकार ऐसे अधिकारी को प्राथमिकता दे सकती है जो प्रशासन और राजनीतिक नेतृत्व के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर सके। इसी आधार पर केके पंत को सबसे आगे माना जा रहा है।

इस बीच 1995 बैच के रावथेर दाउद नजीम का नाम भी चर्चा में है, जो केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर जाने की तैयारी में बताए जा रहे हैं। वहीं 1998 बैच के आईएएस देवेश कुमार को अतिरिक्त प्रभार दिए जाने की अटकलें भी लगाई जा रही हैं। हालांकि, इससे वरिष्ठ अधिकारियों को सुपरसीड करने की स्थिति बन सकती है।

इधर, संजय गुप्ता को सेवा विस्तार दिए जाने की चर्चाएं भी चल रही हैं, लेकिन इसकी संभावना कम मानी जा रही है। सचिवालय में चर्चा है कि आने वाले दिन हिमाचल की अफसरशाही के लिए बेहद अहम साबित होंगे।

बद्रीनाथ से लौट रहे हेलिकॉप्टर की टिहरी में इमरजेंसी लैंडिंग

एजेंसी, टिहरी गढ़वाल

बद्रीनाथ धाम से दिल्ली के श्रद्धालुओं को लेकर लौट रहे हेलिकॉप्टर की बुधवार सुबह टिहरी गढ़वाल में इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। हेलिकॉप्टर में अचानक तकनीकी खराबी आ गई थी जिस कारण वह हवा में अनबैलेंस होने लगा। स्थिति बिगड़ने पर महिला पायलट ने नीचे खेतों में हेलिकॉप्टर उतारने का फैसला लिया, लेकिन लैंडिंग के दौरान हेलिकॉप्टर का पिछला हिस्सा 11 हजार वोल्ट के बिजली के तार से टकरा गया।

टक्कर के बाद हेलिकॉप्टर का पिछला हिस्सा हल्का क्षतिग्रस्त हो गया। इसके बावजूद महिला पायलट ने सूझबूझ दिखाते हुए हेलिकॉप्टर को सत्यो-सकलाना क्षेत्र के नवगांव स्थित खेत में सुरक्षित उतार दिया। हेलिकॉप्टर में सवार पायलट समेत सभी 7 लोग सुरक्षित हैं। सभी यात्री दिल्ली के पंजाबी बाग निवासी एक ही परिवार के बताए गए हैं। (अनंत ज्ञान)

नीट पेपर लीक मामला

मुख्य आरोपी शुभम खैरनार का सीबीआई रिमांड बढ़ा

एजेंसी, नई दिल्ली। नीट यूजी पेपर लीक मामले में जांच तेज करते हुए दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट ने मुख्य आरोपी माने जा रहे शुभम खैरनार की सीबीआई कस्टडी पांच दिन के लिए बढ़ा दी है। वहीं, मामले में गिरफ्तार अन्य पांच आरोपियों को अदालत ने 2 जून तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया। सीबीआई ने पेपर लीक और परीक्षा में धांधली के आरोप में गिरफ्तार छह आरोपियों को कोर्ट में पेश किया। इनमें महाराष्ट्र, राजस्थान और हरियाणा के आरोपी शामिल हैं। जांच एजेंसी ने कोर्ट को बताया कि शुभम खैरनार का हाल ही में गिरफ्तार अन्य आरोपियों से सामना कराना जरूरी है। साथ ही इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों और आगे की रिकवरी को लेकर उससे पूछताछ की जानी है। (अनंत ज्ञान)

ड्रोन से दागी जाने वाली स्वदेशी मिसाइल का सफल ट्रायल

डीआरडीओ की यूएलपीजीएम-वी3 हवा और जमीन दोनों लक्ष्यों को भेदने में सक्षम

एजेंसी, नई दिल्ली

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने ड्रोन से दागी जाने वाली स्वदेशी मिसाइल का सफल ट्रायल पूरा कर लिया है। इस मिसाइल का नाम यूएलपीजीएम-वी3 है, जिसे भारतीय स्वदेशी कंपनियों के सहयोग से विकसित किया गया है।

रक्षा मंत्रालय के अनुसार यह मिसाइल हवा से हवा और हवा से जमीन दोनों तरह के लक्ष्यों पर सटीक वार करने में सक्षम है। यह दुश्मन के ड्रोन, हेलिकॉप्टर और अन्य हवाई लक्ष्यों को नष्ट कर सकती है, जबकि जमीन पर टैंक, बंकर और सैन्य वाहनों को भी निशाना बना सकती है। मिसाइल का परीक्षण आंध्र प्रदेश के कुर्नूल स्थित डीआरडीओ टेस्ट रेंज में किया गया, जहां इंटीग्रेटेड ग्राउंड कंट्रोल सिस्टम का इस्तेमाल किया गया। यह सिस्टम लॉन्च और कमांड प्रक्रिया को नियंत्रित करता है। यूएलपीजीएम-वी3 एक प्रिसिजन गाइडेड मिसाइल है, जिसमें आधुनिक सीकर तकनीक लगी है। यह लक्ष्य को पहचानकर लॉक करती है और चलते हुए टारगेट को भी ट्रैक कर सटीक हमला करने में सक्षम है।

इस परियोजना का नेतृत्व हैदराबाद स्थित रिसर्च सेंटर इमारत (आरसीआई) ने किया, जबकि डीआरडीएल, टीबीआरएल और एचईएमआरएल जैसी प्रयोगशालाएं भी इसमें शामिल रहीं। उत्पादन के लिए भारत डायनेमिक्स लिमिटेड (बीडीएल) और अडानी डिफेंस सिस्टम्स एंड टेक्नोलॉजीज के साथ साझेदारी की गई है। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि सफल ट्रायल के बाद यह स्पष्ट है कि घरेलू सप्लाई चेन बड़े पैमाने पर उत्पादन के लिए तैयार है और इसमें कई एमएसएमई कंपनियों की भी अहम भागीदारी रही है। (अनंत ज्ञान)

अमेरिका ने ईरान की विदेशी मुद्रा कंपनी और 19 जहाजों पर लगाए प्रतिबंध

एजेंसी, वॉशिंगटन। अमेरिका ने ईरान पर आर्थिक दबाव बढ़ाते हुए नए प्रतिबंधों की घोषणा की है। ताजा कार्रवाई में एक विदेशी मुद्रा विनिमय कंपनी, उससे जुड़े कारोबारी नेटवर्क और 19 जहाजों को भी प्रतिबंध सूची में शामिल किया है। अमेरिकी प्रशासन का आरोप है कि इन माध्यमों का इस्तेमाल ईरान अंतरराष्ट्रीय वित्तीय और तेल कारोबार को जारी रखने के लिए कर रहा था। अमेरिकी वित्त मंत्रालय के अनुसार 'अमीन एक्सचेंज' नामक कंपनी ईरानी बैंकों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर धन हस्तांतरण और विदेशी मुद्रा लेन-देन में मदद कर रही थी। वाशिंगटन का दावा है कि यह नेटवर्क संयुक्त अरब अमीरात, तुर्किये और हांगकांग सहित कई देशों तक फैला हुआ था और प्रतिबंधों से बचने के लिए जटिल कारोबारी ढांचे का उपयोग कर रहा था। (अनंत ज्ञान)

अमेरिकी संसद में ईरान जंग रोकने वाला प्रस्ताव पास

ट्रंप के 4 सांसदों ने उनके खिलाफ की वोटिंग

एजेंसी, वॉशिंगटन

अमेरिकी संसद में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सैन्य शक्तियों को सीमित करने वाला प्रस्ताव पास हो गया है। वोटिंग में 4 रिपब्लिकन सांसदों ने भी विपक्षी पार्टी डेमोक्रेट्स का साथ दिया। हालांकि, 3 रिपब्लिकन सांसद वोटिंग में शामिल नहीं हुए।

यह प्रस्ताव 50-47 से पास हुआ, हालांकि इसे कानून बनने के लिए अभी कुछ और चरणों से गुजरना होगा। अगर यह प्रस्ताव कानून बनता है, तो ट्रंप सरकार को ईरान के खिलाफ युद्ध जारी रखने के लिए कांग्रेस की मंजूरी लेनी होगी। अभी सीनेट में इस पर अंतिम वोटिंग होनी बाकी है। इसके बाद इसे रिपब्लिकन बहुमत वाली हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स से मंजूरी लेनी होगी। हालांकि, उसके बाद भी ट्रंप इसके खिलाफ वीटो कर सकते हैं। फिर उस वीटो को रद्द करने के लिए सीनेट और हाउस दोनों में दो-तिहाई बहुमत चाहिए होगा, जो फिलहाल मुश्किल माना जा रहा है।

यह वोट विपक्ष के लिए बड़ी जीत माना जा रहा है जो कह रहे थे कि अमेरिका में युद्ध शुरू करने या सेना भेजने का अधिकार राष्ट्रपति नहीं बल्कि संसद के पास होना चाहिए। अमेरिकी संविधान में भी यही व्यवस्था दी गई है। इस प्रस्ताव को वर्जीनिया के डेमोक्रेट सीनेटर टिम केन लेकर आए हैं। बहस के दौरान उन्होंने कहा कि अभी जब युद्धविराम की बात हो रही है, तब ट्रंप को संसद के सामने आकर अपनी रणनीति बतानी चाहिए। अमेरिकी कानून के मुताबिक कोई भी राष्ट्रपति बिना संसद की मंजूरी के सिर्फ 60 दिन तक सैन्य कार्रवाई चला सकता है। (अनंत ज्ञान)

वैभव

मनाली का मालरोड: दाना बाजार से विश्व प्रसिद्ध पर्यटन केंद्र तक का सफर

60 के दशक में 'दाना बाजार' आज बना मनाली मालरोड

अनंत ज्ञान

कमलेश वर्मा, कुल्लू/मनाली। आज देश-दुनिया में अपनी अलग पहचान बना चुकी पर्यटन नगरी मनाली का प्रसिद्ध मालरोड 60 के दशक में 'दाना बाजार' के नाम से जाना जाता था। उस समय यहां मुख्य रूप से अनाज (दाना) और ऊन का व्यापार होता था। दूर-दराज से आने वाले व्यापारी अपने घोड़ों और खच्चरों के लिए यहां से दाना (अनाज) खरीदते थे, जिसके कारण इसे 'दाना बाजार' कहा जाने लगा।

समय के साथ यह क्षेत्र पूरी तरह बदल गया और आज यह देशी-विदेशी पर्यटकों की सबसे पसंदीदा सैरगाह बन चुका है। अब मनाली में न केवल देश के बल्कि विदेशों से आने वाले पर्यटक भी बड़ी संख्या में खरीदारी करते हैं। पहले जहां यहां केवल 10 से 15 दुकानें थीं, वहीं अब यह बाजार 2,500 से अधिक दुकानों वाला विशाल केंद्र बन चुका है।

मनाली का मालरोड।

अनाज का व्यापार

यहां के बाजारों में मुख्य रूप से अनाज (दाना) और ऊन का व्यापार होता था। दूर-दराज से आने वाले व्यापारी अपने घोड़ों और खच्चरों के लिए यहां से दाना (अनाज) खरीदते थे, जिस कारण इसे 'दाना बाजार' कहा जाने लगा।

मनाली का मालरोड आज सबसे व्यस्ततम इलाकों में शामिल है, जहां सुबह से शाम तक पर्यटकों की चहल-पहल रहती है। मनाली आने वाला हर पर्यटक मालरोड की सैर को अपनी यात्रा का अहम हिस्सा मानता है। स्थानीय बुजुर्गों के अनुसार, पहले यह क्षेत्र दाना बाजार के नाम से प्रसिद्ध था। लेह-लद्दाख से ऊन लेकर आने वाले व्यापारी यहां ठहरते थे और अपने घोड़ों को दाना खिलाते थे, इसी वजह से इसका नाम दाना बाजार पड़ा। स्थानीय निवासी प्रेम ठाकुर और मकरध्वज शर्मा सहित अन्य लोगों का कहना है कि समय के साथ मनाली का स्वरूप पूरी तरह बदल गया है। पहले जहां दाना बाजार और मनु मार्केट प्रमुख थे। वहीं, अब मॉडल टाउन, मालरोड और तिब्बतियन मार्केट जैसे कई व्यस्त बाजार विकसित हो चुके हैं। पर्यटन के बढ़ते प्रभाव ने मनाली को आधुनिक स्वरूप दिया है, लेकिन इसके साथ ही दाना बाजार की पुरानी सादगी अब इतिहास बनकर रह गई है।

मॉल रोड की पहचान

मनाली का वर्तमान मॉल रोड ही वह इलाका है जो किसी समय दाना बाजार हुआ करता था। आज मनाली अपने आधुनिक स्वरूप और पर्यटन के लिए पूरी दुनिया में प्रसिद्ध है, लेकिन इसके 'दाना बाजार' वाले अतीत की झलक आज भी पुराने निवासियों की कहानियों में मिलती है।

दाना बाजार पर बना है कुल्लवी गीत

पर्यटन नगरी मनाली के इस दाना बाजार जिसे स्थानीय बोली में दाणा बाजार कहते थे उस पर एक कुल्लुवी गीत भी लोकगायक बलबीर ठाकुर ने गाया था। जिसकी पंक्तियां कुछ इस तरह हैं, दाणे बज़ारा घुमदी लागी बाबू लोके री जो...मंझ बज़ारे झौड़िया पौड़ी भालू फिल्मा शो।

हिमाचल में प्राकृतिक खेती व गो संरक्षण को लेकर साझा हुआ 'दूरदृष्टि संकल्प'

मुख्यमंत्री सुक्खू ने श्री श्री रविशंकर से की भेंट, राज्य के मॉडल को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाने पर हुई चर्चा

अनंत ज्ञान

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने बुधवार को बेंगलुरु स्थित आश्रम में आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रविशंकर से शिष्टाचार भेंट कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान दोनों के बीच हिमाचल प्रदेश में प्राकृतिक खेती, ग्रामीण आत्मनिर्भरता और बेसहारा गोवंश संरक्षण को लेकर व्यापक चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने आश्रम परिसर में गौसेवा में भाग लेते हुए वहां कार्यरत हिमाचल प्रदेश के लोगों से भी आत्मीय संवाद किया और प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी साझा की। मुलाकात के दौरान आध्यात्मिक वातावरण और सामाजिक सरोकारों से जुड़ी चर्चाओं ने कार्यक्रम को विशेष गरिमा प्रदान की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार प्राकृतिक खेती को केवल कृषि सुधार नहीं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने के बड़े अभियान के रूप में आगे बढ़ा रही है। उन्होंने बताया कि किसानों को रसायनमुक्त खेती अपनाने के लिए लगातार प्रोत्साहित किया जा रहा है तथा प्राकृतिक खेती से तैयार फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य प्रदान कर उन्हें आर्थिक सुरक्षा भी दी जा रही है। उन्होंने कहा कि हिमाचल का यह मॉडल किसानों की आय बढ़ाने के साथ-साथ लोगों को स्वस्थ और शुद्ध खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि आने वाले समय में हिमाचल प्राकृतिक खेती के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में अपनी अलग पहचान स्थापित करेगा। सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि बेसहारा गौवंश के संरक्षण और पुनर्वास के लिए प्रदेश सरकार लगातार ठोस कदम उठा रही है। उन्होंने जानकारी दी कि 'गोपाल योजना' के अंतर्गत निजी गो सदनों में आश्रित गौवंश के लिए दी जाने वाली अनुदान राशि को 700 रुपये से बढ़ाकर 1200 रुपए प्रतिमाह कर दिया गया है। बजट 2026-27 में भी गौ-संरक्षण को लेकर कई महत्वपूर्ण प्रावधान शामिल किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में बड़े गो अभ्यारण्य और आधुनिक गो सदनों की स्थापना की जा रही है तथा प्रतिष्ठित स्वयंसेवी संस्थाओं, गैर-सरकारी संगठनों और उद्योग समूहों को सरकारी गो सदनों को गोद लेने की अनुमति देने की दिशा में भी सरकार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि इस पहल से गो संरक्षण के साथ-साथ सामाजिक सहभागिता को भी नई मजबूती मिलेगी।

आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रविशंकर से भेंट करते मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू।

गांव की अर्थव्यवस्था को किया जा रहा मजबूत

श्री श्री रविशंकर ने हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा प्राकृतिक खेती और गौ-संरक्षण के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि प्रकृति और पशुधन संरक्षण भारतीय संस्कृति की मूल भावना का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि हिमाचल सरकार द्वारा शुरू की गई योजनाएं अन्य राज्यों के लिए भी प्रेरणा बन सकती हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन बनाकर आगे बढ़ रही है तथा गांवों की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए नई सोच और नई योजनाओं के साथ कार्य किया जा रहा है।

न्यूज ब्रीफ

तकलेच स्कूल में नई एसएमसी का गठन

अनंत ज्ञान, रामपुर बुशहर। रामपुर उपमंडल के उप तहसील तकलेच के अंतर्गत है पी एम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला तकलेच में आम सभा का आयोजन किया। आम सभा में आज नई कार्यकारणी का गठन किया गया। आम सभा में सर्वसम्मति से राकेश सानी को अध्यक्ष चुना गया। कमल शर्मा, लायक राम, गोविन्द, ,प्रकाश, महेन्द्र लाल , मोलक राज, शिव राम,मुनि, कौशल्या, राज देवी, मोनिका शर्मा, रेखा, मिसरा बानो,को कार्यकारणी सदस्य के रूप में चुना गया। आज की सभा में पाठशाला की विभिन्न समस्याओं के बारे विचार विमर्श किया गया। पाठशाला के नए अध्यक्ष राकेश सानी ने सभी अभिभावकों और अध्यापकों का धन्यवाद किया और विश्वास दिलाया कि स्कूल की बेहतरी के लिए अभिभावकों और समस्त कार्यकारणी के साथ मिलकर प्रयास करेंगे। पी एम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय तकलेच को सी बी एस सी बोर्ड के साथ जोड़ने के लिए प्रयास करेंगे। कार्यकारी प्रधानाचार्य नेक राम चौहान ने सभी चुने गए एस एम सी कार्यकारिणी को बधाई दी। आज की बैठक में विद्यालय में विभिन्न समस्याओं पर चर्चा की । अभिभावकों ने चर्चा में बढ़ चढ़ कर भाग लिया। हब अभिभावकों ने बताया कि बच्चों को चार बजे छुट्टी होने के बाद बाजार में बस की इंतजार में रहना पड़ता है क्योंकि रामपुर से नेहरा बस, और दरकाली बस समय पर नहीं पहुंचती है जिस कारण बच्चों को मुश्किलों का सामना करना पड़ता है, और अभिभावकों को चिन्ता रहती है।

ठियोग के धरकंदरू में मतदान केंद्र बदला

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। ठियोग विकास खंड की ग्राम सभा धरकंदरू के वार्ड नंबर-1 धावल के मतदान केंद्र में आंशिक संशोधन किया गया है। जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) एवं उपायुक्त शिमला अनुपम कश्यप द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार यह संशोधन सचिव, निर्वाचन आयोग के पत्र संख्या एस ईसी(एफ)-1-4/2024-7749 के संदर्भ में लागू किया गया है। पूर्व में अधिसूचित मतदान केंद्र राजकीय प्राथमिक पाठशाला क्यार जुब्बड़ निर्धारित था, जिसे अब बदलकर आंगनवाड़ी केंद्र धावल कर दिया गया है। जिला निर्वाचन अधिकारी ने संबंधित क्षेत्र के मतदाताओं से अपील की है कि वे संशोधित मतदान केंद्र की जानकारी को ध्यान में रखते हुए लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिए गए हैं।

जुन्गा में फिंगर प्रिंट प्रशिक्षण का समापन

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। राज्य फॉरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला में पिछले एक माह से चल रहे फिंगर प्रिंट प्रशिक्षण कार्यक्रम का बुधवार को समापन हो गया। प्रशिक्षण में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए दस पुलिस अन्वेषण अधिकारियों ने भाग लिया। निदेशक फॉरेंसिक सेवाएं डॉ. मीनाक्षी महाजन ने बताया कि अधिकारियों को अपराध स्थल से उंगलियों के निशान एकत्र करने, उनका विश्लेषण करने तथा अदालत में वैज्ञानिक तरीके से प्रस्तुत करने का प्रशिक्षण दिया गया। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान राष्ट्रीय स्वचालित फिंगरप्रिंट पहचान प्रणाली, मोर्फो नामांकन सॉफ्टवेयर एप्लीकेशन, कैदियों की पहचान अधिनियम तथा नए आपराधिक प्रक्रिया अधिनियम 2022 की विस्तृत जानकारी दी गई। अधिकारियों को फिंगर प्रिंट फोटोग्राफी, अदृश्य निशानों को उभारने की तकनीक, विभिन्न प्रकार की फिंगरप्रिंट स्लिप तैयार करने और अपराधियों के रिकॉर्ड मिलान संबंधी प्रक्रियाओं का भी व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

करालश ग्राम सभा के मतदान केंद्र में बदलाव

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। पंचायती चुनावों को लेकर जिला प्रशासन ने विकास खंड रोहड़ू की ग्राम सभा करालश के मतदाताओं के लिए महत्वपूर्ण सूचना जारी की है। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त शिमला अनुपम कश्यप द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार ग्राम सभा करालश के वार्ड नंबर-2 के मतदान केंद्र में आंशिक संशोधन किया गया है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यह निर्णय मतदाताओं की सुविधा एवं चुनाव प्रक्रिया को सुचारु रूप से संचालित करने के उद्देश्य से लिया गया है। जारी आदेशों के तहत पूर्व में अधिसूचित मतदान केंद्र राजकीय माध्यमिक पाठशाला जुनीधार के स्थान पर अब नया मतदान केंद्र राजकीय उच्च पाठशाला बासला (इन्द्रकली) निर्धारित किया गया है। जिला प्रशासन ने संबंधित क्षेत्र के सभी मतदाताओं से आग्रह किया है कि वे संशोधित मतदान केंद्र की जानकारी को ध्यान में रखते हुए मतदान दिवस पर निर्धारित स्थल पर पहुंचकर अपने मताधिकार का प्रयोग करें। प्रशासन ने कहा कि मतदान प्रक्रिया को शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न करवाने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। उपायुक्त कार्यालय की ओर से जारी यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिए गए हैं। प्रशासन ने संबंधित अधिकारियों को भी निर्देश जारी किए हैं कि संशोधित मतदान केंद्र की सूचना प्रत्येक मतदाता तक समय रहते पहुंचाई।

शिमला में मेडिकल शॉप्स पर लटके ताले

केमिस्ट और ड्रगिस्ट संघ ने ऑनलाइन दवा बिक्री का किया विरोध, ई-फार्मेसी पर उठाए सवाल

अनंत ज्ञान

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला। हिमाचल में ऑनलाइन दवाइयों की बिक्री, ई-फार्मेसी कंपनियों की मनमानी छूट व्यवस्था और नकली दवाओं के बढ़ते खतरे के विरोध में बुधवार को पूरे राज्य में दवा विक्रेताओं की हड़ताल का व्यापक असर देखने को मिला। राजधानी शिमला में सुबह से ही अधिकांश निजी मेडिकल स्टोर बंद रहे और बाजारों में मेडिकल दुकानों के शटर गिरे नजर आए।

शहर के लोअर बाजार, संजौली, न्यू शिमला, छोटा शिमला और लक्कड़ बाजार सहित कई इलाकों में मरीजों और उनके परिजनों को दवाइयों के लिए भटकना पड़ा। हालांकि आईजीएमसी, केएनएच और डीडीयू अस्पतालों में संचालित सरकारी दवा केंद्र खुले रहने से लोगों को कुछ राहत जरूर मिली, लेकिन वहां भी दवाइयों के लिए लंबी कतारें लगी रहीं। अखिल भारतीय दवा विक्रेता संगठन के आह्वान पर हुई इस राष्ट्रव्यापी हड़ताल में हिमाचल प्रदेश के करीब दस हजार दवा विक्रेताओं ने भाग लिया।

शिमला में हड़ताल के दौरान बंद पड़े मेडिकल स्टोरों के शटर।

मरीजों को दवाइयों के लिए भटकना पड़ा

हिमाचल प्रदेश केमिस्ट-ड्रगिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष संजीव पंडित ने कहा कि ऑनलाइन दवा बिक्री छोटे व्यापारियों के अस्तित्व पर सीधा हमला है। उन्होंने आरोप लगाया कि बड़ी ई-फार्मेसी कंपनियां भारी छूट देकर बाजार व्यवस्था को असंतुलित कर रही हैं, जिससे लाइसेंसधारी दवा विक्रेताओं का कारोबार प्रभावित हो रहा है। उनका कहना था कि बिना वैध चिकित्सीय पर्चे के दवाओं की होम डिलीवरी मरीजों की सुरक्षा के लिए भी खतरा बन सकती है। राजधानी शिमला में हड़ताल के चलते कई मरीजों को निजी दुकानों से दवाइयां नहीं मिल सकीं और उन्हें सरकारी अस्पतालों के दवा केंद्रों का सहारा लेना पड़ा। कई जगह जरूरी दवाओं की उपलब्धता सीमित होने से मरीजों को निराशा भी झेलनी पड़ी।

प्रदेश के अन्य जिलों में भी हड़ताल का असर स्पष्ट रूप से दिखाई दिया। नाहन में निजी दवा दुकानें बंद रहने से ग्रामीण क्षेत्रों से आए लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा, जबकि मेडिकल कॉलेज स्थित सरकारी दवा केंद्र खुला रहने से जिला मुख्यालय में हालात सामान्य बने रहे। कुल्लू में मेडिकल स्टोर बंद रहने के कारण क्षेत्रीय अस्पताल में मरीजों और उनके परिजनों की भीड़ जेनेरिक दवा केंद्रों पर उमड़ पड़ी। सोलन में अस्पताल परिसर के आसपास की निजी दुकानों पर ताले लटकने से मरीज लंबी कतारों में खड़े रहे और कई लोगों को बिना दवा लिए लौटना पड़ा। दवा विक्रेताओं का कहना है कि यदि सरकार ने समय रहते ऑनलाइन दवा बिक्री और कॉर्पोरेट डिस्काउंटिंग पर नियंत्रण नहीं लगाया तो छोटे दवा कारोबारियों के सामने गंभीर आर्थिक संकट खड़ा हो जाएगा।

वहीं, दूसरी ओर मरीजों ने भी चिंता जताई कि अचानक मेडिकल स्टोर बंद होने से उन्हें काफी परेशानी उठानी पड़ी।

हड़ताल में दस हजार दवा विक्रेताओं ने लिया हिस्सा

हड़ताल में प्रदेश भर में करीब 10 हजार दवा विक्रेताओं ने लिया हिस्सा लिया। उनका मानना है कि दवा वितरण व्यवस्था में पारदर्शिता और नियंत्रण बनाए रखना बेहद जरूरी है, लेकिन इसके साथ मरीजों की सुविधा भी प्रभावित नहीं होनी चाहिए। हड़ताल के दौरान प्रदेशभर में स्थिति शांतिपूर्ण रही और कई स्थानों पर गंभीर मरीजों के लिए आवश्यक दवाओं की वैकल्पिक व्यवस्था भी की गई।

एचआरटीसी कर्मी पर एफआईआर

अनंत ज्ञान, शिमला। शिमला जिला के रामपुर में एक विवाहित महिला ने एचआरटीसी में काम करने वाले कर्मचारी पर तीन-चार साल से लगातार यौन शोषण और धमकी देने का आरोप लगाया है। पुलिस ने महिला की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पीड़िता द्वारा दी गई शिकायत के मुताबिक एचआरटीसी में कार्यरत एक व्यक्ति ने उसके साथ गलत संबंध बनाए।

महिला ने आरोप लगाया कि आरोपी ने उन्हें अपने नियंत्रण में रखा और पिछले तीन-चार साल से जबरन उनके साथ शारीरिक संबंध बनाता रहा। शिकायत के अनुसार आरोपी कई बार महिला के क्वार्टर पर जबरन पहुंचा और उनके साथ गलत काम किया। महिला ने शिकायत में कहा कि वह इन संबंधों के बारे में किसी को बताना चाहती थी, लेकिन अभियुक्त उन्हें मारने की धमकी देते थे। इससे महिला काफी परेशान और तंग आ चुकी है। पुलिस ने महिला की शिकायत पर तुरंत कार्रवाई करते हुए अभियुक्त के खिलाफ बीएनएस की धारा 64(1) और 351(1) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक इस मामले की जांच जारी है।

कौशल आधारित शिक्षा से ही छात्रों का भविष्य होगा मजबूत : रोहित

शिक्षा एवं करियर मार्गदर्शन कार्यक्रम का शुभारंभ करते शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर।

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने कहा कि आज के डिजिटल और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के दौर में विद्यार्थियों को केवल पारंपरिक शिक्षा ही नहीं, बल्कि कौशल आधारित शिक्षा से भी जोड़ना आवश्यक हो गया है। उन्होंने कहा कि बदलते समय में ऐसे पाठ्यक्रमों और प्रशिक्षण की जरूरत है, जो युवाओं को बेहतर रोजगार और भविष्य के अवसर उपलब्ध करवा सकें। वह बुधवार को शिमला के ऐतिहासिक रिज मैदान एवं मॉल रोड पर आयोजित दो दिवसीय शिक्षा एवं करियर मार्गदर्शन कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि स्कूली शिक्षा पूरी करने के बाद विद्यार्थियों और अभिभावकों के सामने करियर चयन को लेकर कई प्रकार की जिज्ञासाएं रहती हैं। ऐसे कार्यक्रम छात्रों को विभिन्न विश्वविद्यालयों, व्यावसायिक पाठ्यक्रमों और आधुनिक शिक्षा प्रणाली के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान करते हैं।

उच्च शिक्षा व करियर विकल्पों को लेकर विद्यार्थियों को मिला मार्गदर्शन

कार्यक्रम में देश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों और विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधियों द्वारा विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा, प्रोफेशनल कोर्स तथा रोजगार से जुड़े अवसरों की जानकारी दी जा रही है। इसके साथ ही विशेषज्ञों द्वारा विद्यार्थियों को करियर संबंधी परामर्श भी उपलब्ध करवाया जा रहा है।

कार्यक्रम के दौरान हाल ही में घोषित कक्षा 10वीं और 12वीं की परीक्षाओं में 85 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले लगभग 150 विद्यार्थियों को सम्मानित भी किया गया। इस अवसर पर निदेशक उच्च शिक्षा डॉ. हरीश शर्मा सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

सरकारी अस्पताल सेवा के केंद्र कमाई के अड्डे नहीं: जम्वाल

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। आईजीएमसी में मरीजों व तीमारदारों के भोजन के दाम बढ़ाए जाने के फैसले को लेकर भाजपा ने प्रदेश सरकार और अस्पताल प्रशासन पर तीखा हमला बोला है। भाजपा के मुख्य प्रवक्ता राकेश जमवाल ने कहा कि कांग्रेस सरकार अब आम जनता को हर स्तर पर आर्थिक बोझ तले दबाने में लगी हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि पहले हिमकेयर योजना को कमजोर किया गया, फिर अस्पतालों में टेस्ट और जांचों के शुल्क बढ़ाए गए और अब मरीजों के भोजन तक को महंगा कर दिया गया है।

आईजीएमसी में भोजन दरें बढ़ाने पर भड़के, प्रदेश सरकार पर लगाए गरीब विरोधी होने का आरोप

जमवाल ने कहा कि सरकारी अस्पताल गरीब और मध्यम वर्ग के लोगों की अंतिम उम्मीद होते हैं, ऐसे में वहां इलाज के लिए आने वाले मरीजों और उनके परिजनों पर अतिरिक्त बोझ डालना सरकार की संवेदनहीनता को दर्शाता है। राकेश ने कहा कि आईजीएमसी में दूरदराज क्षेत्रों से आने वाले कई परिवार पहले ही दवाइयों, जांचों, किराये और रहने-खाने के खर्च से परेशान रहते हैं। अनेक तीमारदार लंगर, धर्मशालाओं और उधार के सहारे दिन काटते हैं, ऐसे समय में भोजन के दाम बढ़ाना गरीब विरोधी मानसिकता को उजागर करता है। उन्होंने आरोप लगाया कि एक ओर सरकार राजनीतिक तामझाम पर करोड़ों रुपये खर्च कर रही है, जबकि दूसरी ओर गरीब मरीजों को राहत देने के बजाय उन पर आर्थिक बोझ डाला जा रहा है। भाजपा नेता ने मांग की कि मरीजों और तीमारदारों के भोजन के बढ़ाए गए दाम तुरंत वापस लिए जाएं और जरूरतमंद परिवारों के लिए विशेष राहत व्यवस्था लागू की जाए।

एसजेवीएन ने झाकड़ी में बताए बांध सुरक्षा के उपाए

अनंत ज्ञान

आत्मा सिंह, रामपुर बुशहर। अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एसजेवीएन भूपेंद्र गुप्ता ने अवगत करवाया कि एसजेवीएन ने राष्ट्रीय बांध सुरक्षा प्राधिकरण (एनडीएसए) के सौजन्य से नाथपा झाकड़ी जलविद्युत स्टेशन, झाकड़ी में बांध सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। इस सामुदायिक जागरूकता कार्यक्रम का उद्देश्य बांध सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा जोखिम न्यूनीकरण एवं आपदा पूर्व तैयारी के लिए सक्रिय उपायों को प्रोत्साहित करना रहा। इस अवसर पर अजय कुमार शर्मा, निदेशक (कार्मिक), एसजेवीएन ने कहा कि यह पहल बांध सुरक्षा की संस्कृति को सुदृढ़ करने हेतु स्टेकहोल्डर्स के समन्वित सहयोग, जन-जागरूकता तथा पर्यावरणीय उत्तरदायित्व के महत्व को रेखांकित करती है। कार्यक्रम का उद्घाटन डॉ. अमित शर्मा, उपायुक्त, किन्नौर एवं सौरभ अग्रवाल, सदस्य (प्रशासन एवं वित्त), राष्ट्रीय बांध सुरक्षा प्राधिकरण द्वारा किया गया। अपने स्वागत संबोधन में राजीव कपूर, परियोजना प्रमुख (एनजेएचपीएस) ने कहा कि क्षेत्र में सामुदायिक जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से इस प्रकार की पहलें आयोजित की जा रही हैं।

विशेषज्ञों ने अपने अनुभव साझा करते हुए बांध सुरक्षा में आधुनिक तकनीकों एवं समन्वित प्रयासों के महत्व पर बल दिया। सामुदायिक संवाद सत्र के दौरान स्थानीय निवासियों, विशेष रूप से डाउनस्ट्रीम के ग्रामीणों ने अपनी चिंताएं व्यक्त कीं, अनुभव साझा किए तथा सुरक्षा उपायों एवं पूर्व चेतावनी प्रणालियों के संबंध में सुझाव दिए।

खाद सब्सिडी खत्म कर किसानों पर आर्थिक बोझ डाल रही सुक्खू सरकार : सुरेश कश्यप

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। हिमाचल प्रदेश में डीएपी और एनपीके खाद पर दी जा रही 50 रुपए प्रति बोरी अतिरिक्त सब्सिडी बंद किए जाने को लेकर भाजपा ने कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोला है। भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और शिमला संसदीय क्षेत्र से सांसद सुरेश कश्यप ने इसे किसानों और बागवानों के साथ सीधा विश्वासघात बताया है।

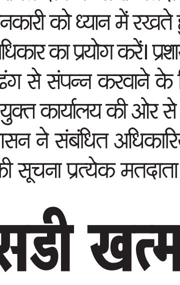

उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार किसान विरोधी नीतियों पर उतर आई है और आर्थिक संकट का बोझ अब किसानों की जेब पर डाला जा रहा है। सुरेश कश्यप ने बुधवार को एक बयान में कहा कि प्रदेश के किसान पहले ही प्राकृतिक आपदाओं, बढ़ती उत्पादन लागत, डीजल-पेट्रोल की महंगाई, मजदूरी संकट और मौसम की मार से जूझ रहे हैं। ऐसे समय में खाद पर मिलने वाली राहत खत्म करना किसानों की परेशानियों और बढ़ाएगा।

उन्होंने कहा कि डीएपी और एनपीके खाद की प्रति बोरी 50 रुपये की बढ़ोतरी सीधे तौर पर खेती की लागत बढ़ाएगी, जिसका असर प्रदेश के लाखों किसान और बागवान परिवारों पर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार की ओर से अभी तक खाद सब्सिडी को लेकर कोई स्पष्ट अधिसूचना जारी नहीं की गई है, लेकिन कृषि विभाग के अधिकारियों ने यह संकेत दे दिए हैं कि अब नया स्टॉक बढ़ी हुई कीमतों पर ही मिलेगा। भाजपा सांसद ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार किसानों को राहत देने के बजाय लगातार आर्थिक बोझ बढ़ाने वाले फैसले ले रही है। सुरेश कश्यप ने कहा कि हिमाचल प्रदेश की अर्थव्यवस्था में कृषि और बागवानी की बड़ी भूमिका है और प्रदेश के 9 लाख से अधिक परिवार इससे जुड़े हुए हैं।

उन्होंने कहा कि कई सहकारी समितियों और कृषि केंद्रों में समय पर खाद नहीं पहुंच रही है, जिससे किसानों को सीजन के दौरान परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की लापरवाही के कारण किसान खाद के लिए भटकने को मजबूर हैं। सुरेश कश्यप ने मांग की कि प्रदेश सरकार तुरंत डीएपी और एनपीके खाद पर दी जा रही 50 रुपए प्रति बोरी अतिरिक्त सब्सिडी बहाल करे, किसानों को समय पर पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध करवाए और खेती की लागत कम करने के लिए विशेष राहत पैकेज घोषित करे।

सतर्कता सूचना देने के लिए टोल फ्री नंबर जारी, विभाग ने जनता से मांगा सहयोग

जंगलों को आग से बचाने के लिए प्रशासन सतर्क

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। प्रदेश में लगातार बढ़ रही गर्मी व जंगलों में आगजनी की घटनाओं ने वन विभाग की चिंता बढ़ा दी है। पहाड़ों की हरियाली व प्राकृतिक संपदा को सुरक्षित रखने के लिए अब प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आ रहा है। इसी कड़ी में वन विभाग ने आम जनता की भागीदारी सुनिश्चित करते हुए जंगलों में आग लगने की सूचना तुरंत देने के लिए विशेष टोल फ्री नंबर जारी किया है, ताकि किसी भी बड़ी घटना को समय रहते रोका जा सके।

अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी प्रोटोकॉल शिमला ज्योति राणा ने बुधवार को जानकारी देते हुए बताया कि वन विभाग के मुख्य अरण्यपाल, द्वारा जंगलों में आगजनी से संबंधित घटनाओं की तत्काल सूचना देने के लिए टोल फ्री नंबर 1800-180-1916 जारी किया गया है। इस व्यवस्था का उद्देश्य आग पर शुरुआती चरण में ही काबू पाना और जंगलों को बड़े नुकसान से बचाना है।

फाइल फोटो

प्रदेश की हरियाली बचाने को तेज हुआ अभियान

धुआं -आग दिखते ही 1800 180-1916 पर दें सूचना

उन्होंने कहा कि जंगलों में लगने वाली आग वन्य जीवों, पर्यावरण और जल स्रोतों को भी भारी नुकसान पहुंचाती है। ऐसे में आम लोगों की सजगता बेहद जरूरी है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि यदि कहीं भी जंगल में धुआं, चिंगारी या आग दिखाई दे तो तुरंत विभाग को सूचना दें, ताकि राहत एवं बचाव दल मौके पर पहुंचकर आग को फैलने से रोक सकें।

विभाग ने लोगों से की सतर्क रहने की अपील

वन विभाग द्वारा इन दिनों प्रदेशभर में विशेष निगरानी अभियान भी चलाया जा रहा है। विभाग ने लोगों से जंगलों के आसपास जलती बीड़ी, सिगरेट अथवा अन्य ज्वलनशील वस्तुएं न फेंकने की अपील की है। प्रशासन का कहना है कि थोड़ी सी लापरवाही भी बड़े वन विनाश का कारण बन सकती है। विभाग का लक्ष्य हिमाचल की हरियाली, जैव विविधता और प्राकृतिक धरोहर को सुरक्षित बनाए रखना है।

प्रदेश सरकार पर शिक्षकों के मामलों में दोहरी नीति अपनाने का लगाया आरोप

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। न्यू मूवमेंट फॉर ओल्ड पेंशन संघ हिमाचल प्रदेश के राष्ट्रीय संयोजक प्रवीण शर्मा ने प्रदेश सरकार पर शिक्षकों के मामलों में दोहरी नीति अपनाने का आरोप लगाते हुए तीखा रोष प्रकट किया है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2008-2009 में बैचवाइज और आयोग माध्यम से नियुक्त टीजीटी शिक्षकों को नियुक्ति तिथि से नियमित माना गया था, लेकिन दो वर्ष बीत जाने के बावजूद उन्हें उनके देय एरियर का पूरा भुगतान नहीं किया गया। शर्मा ने कहा कि सरकार ने केवल एक किस्त जारी कर शेष भुगतान पर रोक लगा दी, जबकि इसी न्यायिक फैसले के तहत कुछ शिक्षकों को पूरा एरियर एकमुश्त जारी कर दिया गया। विभाग द्वारा कुछ शिक्षकों को चरणबद्ध भुगतान और कुछ को पूर्ण भुगतान देना कोर्ट आदेशों की भावना के विपरीत है तथा इससे शिक्षकों में असमानता और असंतोष बढ़ रहा है। न्यायालय ने स्पष्ट रूप से एरियर सहित सभी वित्तीय लाभ समयबद्ध तरीके से देने के निर्देश दिए थे, लेकिन विभाग अब तक आदेशों का पूर्ण पालन नहीं कर पाया है। संघ ने कहा कि पीटीए से नियमित हुए शिक्षकों को तीसरी और अंतिम किस्त जारी करने की अधिसूचना विभाग ने जारी कर दी है, जबकि आयोग माध्यम से नियुक्त शिक्षकों को वैधानिक लाभ अब भी लंबित हैं।

शिमला, मनाली ठंडे, धर्मशाला का पारा चढ़ा

गर्मी से राहत पाने को धर्मशाला पहुंचे पर्यटक हुए मायूस, गर्मी और खराब सड़कें बनीं दोहरी समस्या

- पर्यटन सीजन पीक पर सड़कों में पड़े गड्ढे
- वाहन चालकों में रोष गाड़ियों को हो रहा नुकसान

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, धर्मशाला। पर्यटन नगरी मैक्लोडगंज, धर्मशाला में गर्मी से राहत को पहुंच रहे पर्यटक मौसम के हाथों ठगे जा रहे हैं। देश के विभिन्न राज्यों के पर्यटक ठंडक की चाह में धर्मशाला पहुंच रहे हैं, लेकिन उन्हें गर्मी से राहत नहीं मिल रही है। पर्यटकों का कहना है कि शिमला, मनाली ठंडे हैं, जबकि धर्मशाला अब गर्म होने लगा है। इन दिनों पर्यटन सीजन उछाल पर है, लेकिन धर्मशाला से मैक्लोडगंज जाने वाली सड़क बदहाल पड़ी है। वाहन चालकों का कहना है कि धर्मशाला-मैक्लोडगंज मार्ग पर गड्ढे वाहनों को नुकसान पहुंचा रहे हैं।

धर्मशाला से मैक्लोडगंज जाने वाली सड़क बदहाल हैं और गड्ढे वाहनों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। अनंत ज्ञान

मई-जून में खासी रहती है चहलकदमी

पर्यटन कारोबारियों के अनुसार मई और जून माह में धर्मशाला और मैक्लोडगंज में पर्यटकों की खासी चहल कदमी रहती है। इन महीनों में यदि क्रिकेट इवेंट शामिल हो जाए तो अहमद दोगुनी हो जाती है। यही वजह है कि अगले सप्ताह होने वाले आईपीएल टूर्नामेंट के फर्स्ट क्वालीफायर से भी पर्यटन उद्यमी पर्यटन आमद बढ़ने की उम्मीद लगाए बैठे हैं।

धर्मशाला में भी 30 से 35 डिग्री छू रहा तापमान

गुजरात सहित अन्य राज्यों से परिवार सहित आए पर्यटकों का कहना था कि उनके राज्य में तापमान 40 से 44 डिग्री दर्ज हो रहा है। वहीं, धर्मशाला में भी तापमान 30 से 35 डिग्री को छू रहा है। पर्यटकों का कहना है कि वे धर्मशाला में गर्मी से राहत के लिए आए थे, लेकिन यहां की गर्मी से लगता है कि मौसम ने उन्हें ठग लिया है।

ऑक्यूपेंसी 70 फीसदी के करीब

पर्यटन उद्योग की माने तो वर्तमान में मैक्लोडगंज में होटल ऑक्यूपेंसी 70 फीसदी के लगभग है। वहीं, एचपीसीए स्टेडियम धर्मशाला में 26 में को खेले जाने वाले आईपीएल टूर्नामेंट के फर्स्ट क्वालीफायर में उमड़ने वाली भीड़ के चलते ऑक्यूपेंसी 90 फीसदी तक पहुंचाने की संभावना है । यहां पर पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, जम्मू और कश्मीर के पर्यटकों की आमद ज्यादा रहती है। आईपीएल के दौरान अन्य राज्यों से भी क्रिकेट प्रेमी धर्मशाला पहुंचे थे। 26 को फिर से उतनी ही संख्या में पर्यटकों और क्रिकेट प्रेमियों के धर्मशाला पहुंचने की उम्मीद है।

मैक्लोडगंज में हैं धर्मगुरु दलाईलामा

तिब्बती धर्मगुरु दलाईलामा भी इन दोनों मैक्लोडगंज में है, उनकी मौजूदगी में मैक्लोडगंज स्थित चुगलाखंग बौद्ध मठ में विभिन्न विधि आयोजन किए जाते हैं, जिनमें भी देश-विदेश के बहुत अनुयायियों और पर्यटकों की खांसी आमद रहती है।

पीपीपी मोड के तहत डेवलपमेंट और मैनेजमेंट के लिए दो साइट्स अलॉट

ईको टूरिज्म सोसायटी के माध्यम से मैनेज किए जा रहे वन विभाग के 20 रेस्ट हाउस

- धर्मशाला में ईको टूरिज्म साइट 'धर्मकोट' और पालमपुर में 'न्यूगल पार्क' शामिल

अनंत ज्ञान

राजेश कुमार, धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश सरकार की ईको टूरिज्म पॉलिसी 2024 के तहत वन विभाग की ओर से ईको टूरिज्म साइट्स का मैनेजमेंट किया जा रहा है। वन वृत्त धर्मशाला की अरण्यपाल बासु कौशल ने विशेष बातचीत में बताया कि वन विभाग की ओर से पीपीपी मोड के तहत डेवलपमेंट और मैनेजमेंट के लिए दो साइट्स अलॉट की गई हैं, जिनमें धर्मशाला में धर्मकोट स्थित साइट और पालमपुर में न्यूगल पार्क साइट शामिल है। यह प्रक्रिया इको टूरिज्म सोसाइटी के प्रावधानों के तहत की जा रही है। इसमें नियम एवं शर्तों के तहत स्थाई निर्माण नहीं किया जा सकता।

दस साल के लिए अलॉटमेंट का प्रावधान

अरण्यपाल ने बताया कि इन साइट्स को दस साल के लिए दिए जाने का प्रावधान है, जिसे बाद में 5 साल के लिए बढ़ाया जा सकता है। वन विभाग के बैजनाथ के बीड़ और धर्मशाला के सतोवरी स्थित रेस्ट हाउस की बुकिंग ओटीए के माध्यम से भी की जा रही है।

वन वृत्त में 20 रेस्ट हाउस

बासु कौशल ने बताया कि वन वृत्त धर्मशाला के अंतर्गत वन विभाग के 20 रेस्ट हाउस हैं, जिनको ईको टूरिज्म सोसायटी के माध्यम से मैनेज किया जा रहा है। धर्मशाला वन मंडल में 7, पालमपुर वन मंडल में 11 और नूरपुर वन मंडल में 2 रेस्ट हाउस हैं, जिनकी एचपीईकोटूरिज्मडॉटकॉम वेबसाइट के माध्यम बुकिंग होती है।

पालमपुर वन मंडल का वर्किंग प्लान अंडर प्रोसेस

अरण्यपाल ने बताया कि इसके अलावा ईको टूरिज्म साइट्स का ईको टूरिज्म सोसायटी के माध्यम से बिडिंग प्रोसेस किया जा रहा है। किसी भी ईको टूरिज्म साइट से की जानी वाली डील वन मंडल के वर्किंग प्लान में अप्रूव होनी चाहिए। नूरपुर व धर्मशाला वन मंडल के वर्किंग प्लान की केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्रालय से अप्रूवल हो चुकी है, जबकि पालमपुर वन मंडल का वर्किंग प्लान अंडर प्रोसेस है।

शाहपुर सिविल हॉस्पिटल के लिए 4 करोड़ की अतिरिक्त राशि स्वीकृत

- विधायक पठानिया ने जताया सीएम का आभार

अनंत ज्ञान

कोहली, शाहपुर। शाहपुर विधानसभा क्षेत्र के विकास में आज एक और नया अध्याय जुड़ गया है। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के आशीर्वाद और स्थानीय विधायक एवं उप मुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया के पुरजोर प्रयासों से शाहपुर सिविल हॉस्पिटल के नए भवन के लिए 4 करोड़ रुपए की अतिरिक्त धनराशि स्वीकृत की गई है। इस बड़ी सौगात से शाहपुर और आसपास की जनता में खुशी की लहर है।

इस निर्णय पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए विधायक केवल सिंह पठानिया ने कहा कि कांग्रेस सरकार स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ करने और स्वास्थ्य सेवाओं को जनता के द्वार तक पहुंचाने के लिए पूरी तरह से वचनबद्ध है। उन्होंने कहा कि सरकार का प्रथम कर्तव्य जनता को बेहतर स्वास्थ्य लाभ देना है, और यह अतिरिक्त बजट इसी दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगा।

बदलाव की राह पर शाहपुर विधानसभा : पहली बार विधायक बने केवल सिंह पठानिया के कुशल नेतृत्व और दूरदर्शी सोच के कारण शाहपुर विधानसभा क्षेत्र में विकास की एक नई बयार चल रही है। स्थानीय जनता का कहना है कि पिछले तीन वर्षों में शाहपुर क्षेत्र में जो अभूतपूर्व विकास देखने को मिला है, वह पहले भी हो सकता था, लेकिन पूर्व के नेतृत्व में वह सोच और इच्छाशक्ति ही गायब थी, जिसके कारण शाहपुर विकास की दौड़ में पिछड़ गया था।

शाहपुर की जनता का पूरा विश्वास और आशीर्वाद विधायक केवल सिंह पठानिया के साथ है। क्षेत्र की जनता को पूरा भरोसा है कि उनका यह नेतृत्व शाहपुर को विकास के नए शिखर पर लेकर जाएगा।

विकास के नाम पर नंबर-1 बनेगी नगर पंचायत शाहपुर : पठानिया

अनंत ज्ञान

कोहली, शाहपुर। नगर पंचायत शाहपुर के सभी नवनिर्वाचित पार्षदों ने आज रैत स्थित कांग्रेस कार्यालय पहुंचकर स्थानीय विधायक केवल सिंह पठानिया से शिष्टाचार भेंट की। इस विशेष बैठक के दौरान विधायक केवल सिंह पठानिया ने शाहपुर की जनता का तहदिल से धन्यवाद किया, जिन्होंने कांग्रेस समर्थित पार्षदों को भारी बहुमत से जिताकर विकास की राजनीति पर मुहर लगाई है।

इस मौके पर विधायक ने सभी नवनिर्वाचित पार्षदों को शॉल और हिमाचली टोपी पहनाकर से सम्मानित किया और उन्हें जीत की बधाई दी। बैठक में पहुंचे सभी पार्षदों ने विधायक पठानिया के कुशल एवं गतिशील नेतृत्व पर अपना पूर्ण विश्वास जताया। पार्षदों ने कहा कि विधायक के विजनरी नेतृत्व के कारण ही आज शाहपुर में विकास की नई बयार बह रही है और

शाहपुर की जनता का कांग्रेस समर्थित पार्षदों को प्रचंड बहुमत देने के लिए जताया तहदिल से आभार अनंत ज्ञान

पूरी टीम उनके मार्गदर्शन में शाहपुर को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए प्रतिबद्ध है। बैठक को संबोधित करते हुए विधायक पठानिया ने कहा कि अब चुनाव संपन्न हो चुके हैं और हमारा एकमात्र लक्ष्य शाहपुर का विकास होना चाहिए। उन्होंने कहा कि शाहपुर नगर पंचायत को पूरे प्रदेश में विकास के मॉडल के रूप में स्थापित किया जाएगा। उन्होंने भरोसा दिलाया कि बिना किसी राजनीतिक भेदभाव के नगर पंचायत के सभी 7 वार्डों में समान रूप से विकास कार्य करवाए जाएंगे, ताकि शाहपुर प्रदेश की नंबर-1 नगर पंचायत बनकर उभरे। यहां राजनीति से ऊपर उठकर सिर्फ जनता का हित सर्वोपरि रखा जाएगा। इस मौके पर सभी नवनिर्वाचित पार्षदों ने विधायक केवल सिंह पठानिया के अब तक के 3 साल के कार्यकाल की खुलकर सराहना की। पार्षदों ने संयुक्त बयान में कहा कि पिछले तीन वर्षों में विधायक ने शाहपुर हल्के में विकास कार्यों को अभूतपूर्व गति दी है, जिससे पूरे क्षेत्र की तस्वीर बदल रही है। उन्होंने उम्मीद जताई कि आने वाले समय में शाहपुर विधानसभा क्षेत्र की जनता को हर आधुनिक सुविधा उनके घर-द्वार पर मिलेगी।

धमेटा में 21 मई को सजेगा विशाल दंगल, देशभर के पहलवान दिखाएंगे दमखम

अनंत ज्ञान, रविंद्र चौधरी, फतेहपुर। धमेटा की धरती पर एक बार फिर पारंपरिक कुश्ती और पहलवानी संस्कृति को जीवित रखने वाला विशाल दंगल आयोजित होने जा रहा है। महादेव दंगल कमेटी धमेटा के प्रधान अश्वनी राणा ने जानकारी देते हुए बताया कि यह विशाल दंगल 21 मई को दोपहर 2 बजे आयोजित किया जाएगा। इस प्रतियोगिता में महाराष्ट्र, दिल्ली, पंजाब, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश के नामी पहलवान अपने दांव-पेंच और ताकत का प्रदर्शन करेंगे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में समाजसेवी विपन पठानिया तथा विशेष अतिथि के रूप में सेवानिवृत्त आईएएस विकास लाबरू उपस्थित रहेंगे। पहले यह आयोजन 10 जून को होता था, लेकिन अब इसे हर वर्ष 21 मई को नियमित रूप से आयोजित किया जाएगा। कमेटी ने क्षेत्रवासियों से अधिक संख्या में पहुंचकर आयोजन को सफल बनाने की अपील की है।

ऑनलाइन दवा बिक्री के विरोध में हड़ताल, पीएम को भेजा ज्ञापन

- दवाएं सामान्य उपभोक्ता वस्तु नहीं, बिना उचित सत्यापन ऑनलाइन बिक्री गंभीर खतरा : राजेश

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, धर्मशाला। ऑल इंडिया ऑर्गेनाइजेशन ऑफ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स (एआईओसीडी) के आह्वान पर देशभर के केमिस्ट एवं ड्रगिस्ट्स 20 मई को हड़ताल पर रहे।

अवैध एवं अनियंत्रित ऑनलाइन दवा बिक्री व जन स्वास्थ्य एवं लाखों छोटे केमिस्ट्स के अस्तित्व से जुड़े गंभीर मुद्दों के विरोध में राष्ट्रव्यापी एक दिवसीय सांकेतिक हड़ताल की गई। इस दौरान कांगड़ा जिले के सभी केमिस्ट एवं ड्रगिस्ट्स ने अपने प्रतिष्ठान पूर्णतः बंद रखकर आंदोलन का समर्थन किया और पीएम को मांगों के संबंध में ज्ञापन भी भेजे गए। केमिस्ट एवं ड्रगिस्ट्स के सचिव राजेश शर्मा ने बताया कि हड़ताल के माध्यम से दवाओं की अवैध एवं अनियमित ऑनलाइन बिक्री, बिना वैध एवं सत्यापित चिकित्सकीय पर्चे के दवाओं की बिक्री एवं होम डिलीवरी, ऑनलाइन दवा प्लेटफॉर्म्स द्वारा अत्यधिक छूट की अनुचित नीति का विरोध किया गया, जिससे छोटे एवं लाइसेंस धारी केमिस्ट्स गंभीर रूप से प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि दवाएं सामान्य उपभोक्ता वस्तु नहीं हैं तथा उचित सत्यापन के बिना उनकी अनियंत्रित ऑनलाइन बिक्री जन स्वास्थ्य, मरीजों की सुरक्षा एवं ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट के अंतर्गत स्थापित नियामकीय व्यवस्था के लिए गंभीर खतरा उत्पन्न कर रही है। उन्होंने केमिस्ट समुदाय की ओर से केंद्र सरकार से आग्रह किया है कि मरीजों की सुरक्षा, जन स्वास्थ्य एवं लाखों छोटे लाइसेंसधारी केमिस्ट्स एवं उनके कर्मचारियों के हितों की रक्षा के लिए तत्काल प्रभावी एवं सुधारात्मक कदम उठाए जाएं।

प्राचीन शिव मंदिर शाहपुर में भंडारा 24 को

अनंत ज्ञान, कोहली, शाहपुर। शाहपुर के वार्ड नंबर 6 स्थित पुराने चौड़ी क्षेत्र के समीप बने प्राचीन शिव मंदिर में 24 मई रविवार को तृतीय वार्षिक विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। मंदिर समिति के अनुसार कार्यक्रम की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। कार्यक्रम के तहत सुबह 9 बजे से 11 बजे तक कीर्तन का आयोजन होगा, जबकि दोपहर 12:30 बजे से शाम 5 बजे तक विशाल भंडारा चलेगा। समिति सदस्यों में करम सिंह, करतार राणा, तिलक राज, सुरिंदर पटियाल, सरन दास और गुड्डू चौधरी शामिल हैं। उन्होंने क्षेत्रवासियों से आयोजन को सफल बनाने का आग्रह किया है।

विद्यार्थियों ने वन बचाने का दिया संदेश

अनंत ज्ञान, राकेश डोगरा, डरोह। द हंस फाउंडेशन भवारना द्वारा राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय दैहण में वन अग्नि एवं पर्यावरण संरक्षण विषय पर पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को जंगलों में लगने वाली आग से होने वाले नुकसान तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना था। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी रचनात्मक कला के माध्यम से प्रकृति संरक्षण और वन बचाने का संदेश दिया। बच्चों द्वारा बनाई गई आकर्षक पेंटिंग्स ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित भी किया गया। विद्यालय की प्रधानाचार्या अंजू ठाकुर एवं अध्यापकों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों में पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी और जागरूकता विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

एनडीपीएस मामले में संलिप्त सरकारी महिला कर्मी निलंबित

अनंत ज्ञान

देहरा। पुलिस थाना ज्वालामुखी में पंजीकृत अभियोग संख्या 34/29 दिनांक 27.03.2026 के अंतर्गत एक 46 वर्षीय महिला, जो कि चतुर्थ श्रेणी स्वास्थ्य विभाग खानेरी(रामपुर) में कार्यरत थी, के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया था। अभियोग पंजीकृत होने उपरांत पुलिस जिला देहरा द्वारा संबंधित विभागाध्यक्ष को विधिवत आधिकारिक पत्राचार के माध्यम से तथ्यात्मक जानकारी प्रेषित की गई।

उक्त मामले की गंभीरता को दृष्टिगत रखते हुए संबंधित विभाग द्वारा लागू सेवा आचरण नियमावली एवं विभागीय अनुशासनात्मक प्रावधानों के तहत संबंधित कर्मचारी के विरुद्ध काराई करते हुए उनकी सेवाओं से हटाया/निलंबित किया गया है। एसपी देहरा मयंक चौधरी ने बताया कि अब तक पुलिस जिला देहरा के अंतर्गत एनडीपीएस के विभिन्न मामलों में संलिप्त पाए गए कुल 7 सरकारी/अर्ध-सरकारी कर्मचारियों के संबंध में संबंधित विभागाध्यक्षों एवं सक्षम प्राधिकारियों को विधिवत अवगत करवाया गया था, जिसके उपरांत संबंधित विभागों द्वारा विभागीय अनुशासनात्मक कार्रवाई करते हुए संबंधित कर्मचारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया था। निलंबित कर्मचारियों में 01 कर्मचारी पैरा वेटरिनरी फार्मासिस्ट, पशुपालन विभाग से, 02 कर्मचारी स्वास्थ्य विभाग से, 02 कर्मचारी विद्युत विभाग से, 01 कर्मचारी हिमाचल पथ परिवहन निगम से तथा 01 कर्मचारी मंदिर न्यास के माध्यम से नियुक्त शामिल हैं। उन्होंने कहा कि सरकारी सेवकों से अपेक्षित सत्यनिष्ठा, अनुशासन एवं सेवा आचरण के मानकों का उल्लंघन किसी भी स्तर पर स्वीकार्य नहीं है। ऐसे मामलों में विभागीय कार्रवाई के अतिरिक्त प्रचलित विधिक प्रावधानों के अंतर्गत आपराधिक मामलों की विवेचना एवं अभियोजन प्रक्रिया नियमानुसार जारी रहेगी।

गैलेक्सी स्कूल में सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में टैगोर सदन प्रथम

प्रतियोगिता में पांचवीं से बारहवीं कक्षा तक के चारों सदनों के प्रतिभागियों ने लिया भाग। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

शिव गुलेरिया, नगरोटा सूरियां। गैलेक्सी पब्लिक स्कूल नगरोटा सूरियां में बुधवार को सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कक्षा पांचवीं से बारहवीं तक के चारों सदनों के प्रतिभागियों ने भाग लिया।

प्रत्येक टीम में 5-5 सदस्य थे। आजाद सदन से अरहान, जसनीत, माही, गौरव, आदित्य, नेहरू सदन से गगन, मृत्युंजय, मानवी, अक्षिता, रुद्र निनाद, शिवाजी सदन से वंशिका, आरोही, सौरभ, कनिष्क, आयुषी तथा टैगोर सदन से अद्विक, शिवम, गरिमा, नंदीश और ईशा प्रतिभागी थे। यह प्रतियोगिता बजर राउंड, रैपिड राउंड, विजुअल राउंड इत्यादि पर आधारित थी, ताकि बच्चों की सोचने की क्षमता एकाग्रचित हो। इस प्रतियोगिता में टैगोर सदन प्रथम, द्वितीय स्थान पर नेहरू सदन और तृतीय स्थान पर शिवाजी और आजाद सदन रहे।

इस अवसर पर स्कूल प्रबंधक निदेशक डॉक्टर गुलशन कुमार, निर्देशिका किरण लता वैद्य, प्रधानाचार्य अनुराग शर्मा, उप प्रधानाचार्या श्वेता वैद्य व अन्य अध्यापक गण उपस्थित रहे। प्रधानाचार्य अनुराग शर्मा ने बच्चों को प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि स्कूलों में सामान्य ज्ञान क्विज इत्यादि अक्सर छात्रों के बौद्धिक विकास तथा प्रतिस्पर्धा की भावना को बढ़ाने के लिए आयोजित किए जाते हैं, इसलिए सभी बच्चों को बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए।

भंगवार क्षेत्र से शराब की 37 बोतलें बरामद

अनंत ज्ञान, देहरा। पुलिस जिला देहरा द्वारा आगामी पंचायती चुनावों के दृष्टिगत क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए विशेष सतर्कता अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत दिन-रात नाकाबंदी, गश्त और संवेदनशील क्षेत्रों में कड़ी निगरानी की जा रही है, ताकि चुनाव प्रक्रिया निष्पक्ष और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सके। इसी दौरान मंगलवार को डायल 112 आपातकालीन सेवा के माध्यम से सूचना प्राप्त हुई कि भंगवार क्षेत्र के पास झाड़ियों में अवैध शराब छिपाई गई है। सूचना मिलते ही पुलिस चौकी रानीताल की टीम मौके पर पहुंची और तलाशी के दौरान 37 बोतल देशी शराब बरामद की। इस संबंध में पुलिस थाना हरिपुर में मामला दर्ज किया गया है और जांच जारी है। पुलिस अब इस अवैध शराब के स्रोत और इसमें शामिल लोगों की पहचान में जुटी हुई है। चुनावी माहौल में किसी भी तरह की गड़बड़ी पर सख्त कार्रवाई की जा रही है।

टीजीटी कला संघ बोला- कर्मचारियों से जेसीसी बैठक करे प्रदेश सरकार

- पौने दो लाख कर्मचारियों कर रहे जेसीसी बैठक का इंतजार
- शिक्षा विभाग की मांगें पूरा करने हेतु बने हाई पावर कमेटी

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, धर्मशाला। विगत साढ़े तीन साल से प्रदेश के लगभग पौने दो लाख कर्मचारी संयुक्त सलाहकार समिति (जेसीसी) बैठक का इंतजार कर रहे हैं। कर्मचारियों को वेतन विसंगतियां हल करते हुए पंजाब की तर्ज पर आरंभिक वेतनमान, लंबित 15 प्रतिशत डीए और इसके एरियर, वेतन आयोग के लंबित 7555 करोड़ रुपए के एरियर्स, पदोन्नति की दो साल से लंबित सूचियां जारी करवाने, शिक्षा विभाग में रिक्त चल रहे 14 हजार पदों को भर्ती और पदोन्नति प्रक्रिया से भरने और बिजली बोर्ड कर्मियों को पुरानी पेंशन देने सहित कई महत्वपूर्ण मुद्दे लंबे समय से लंबित पड़े हैं, लेकिन सरकार की ओर से अभी तक जेसीसी बैठक नहीं बुलाई गई है।

राजकीय टीजीटी कला संघ का मानना है कि सरकार को जल्द बैठक आयोजित कर कर्मचारियों की समस्याओं पर गंभीरता से चर्चा करनी चाहिए। संघ के प्रदेशाध्यक्ष सुरेश कौशल, उपाध्यक्ष विजय बरवाल, प्रदेश महासचिव विजय हीर, महिला विंग अध्यक्ष रीता बल्याणी, जोन उपाध्यक्ष खुशहाल पठानिया, देश राज कालिया, रोशन लाल, विजेश अत्री, कैशियर सुभाष भारती, संयुक्त सचिव रामपाल सौंखला, जिलाध्यक्ष संजय वर्मा, नरेंद्र पूनर, कुलवीर सिंह, राकेश चौधरी, यशवंत ठाकुर, कपिल शंकवान, सुरेश वर्मा, अजीत सिंह, अमित छाबड़ा, अजय कुमार, दिनेश कुमार, सुरेश कौंडल, पवन शर्मा, नवांग छेरिंग, सुभाष चंद, दिनेश और ज्ञान चंद सहित अन्य पदाधिकारियों ने संयुक्त बयान में कहा कि नियमित संवाद नहीं होने से कर्मचारियों की लंबित मांगें बढ़ रही हैं। कर्मचारियों ने सरकार से मांग की है कि लंबित मामलों का शीघ्र समाधान कर राहत प्रदान की जाए। 70 हजार शिक्षकों को जेसीसी में पर्याप्त प्रतिनिधित्व दिया जाए अथवा उनके लिए अलग जेसीसी का प्रावधान किया जाए। वर्तमान में शिक्षा विभाग की 50 से अधिक मांगें लंबित हैं।

शिक्षा निदेशालय और शिक्षा सचिव के संयुक्त तत्वावधान में शिक्षक संघों से हर 6 माह में वार्ता की जाए और लंबित मामले सुलझाने के लिए हाई पावर कमेटी का गठन किया जाए। जेसीसी में अब किसी कर्मचारी नेता को निमंत्रण देने का सही समय आ चुका है, वरना कर्मचारियों की अनेकों मांगें अनसुलझी रह जाएंगी।

टांडा अस्पताल में 28 को बंद रहेगी ओपीडी

अनंत ज्ञान, कांगड़ा। डॉ. राजेंद्र प्रसाद मेडिकल कॉलेज अस्पताल टांडा में 28 मई को पंचायतीराज चुनावों के चलते ओपीडी सेवाएं बंद रहेंगी। अस्पताल प्रशासन ने बताया कि चुनाव प्रक्रिया के कारण उस दिन नियमित बाह्य रोगी विभाग (ओपीडी) संचालित नहीं किया जाएगा। अस्पताल प्रबंधन की ओर से मरीजों और उनके परिजनों को किसी प्रकार की असुविधा से बचाने के लिए यह अग्रिम सूचना जारी की गई है, ताकि लोग समय रहते अपनी जांच और उपचार संबंधी योजनाओं में आवश्यक बदलाव कर सकें। प्रबंधन ने लोगों से अपील की है कि 28 मई को ओपीडी सेवाओं के लिए अस्पताल आने से पहले इस सूचना का ध्यान रखें। हालांकि, अस्पताल में आपातकालीन सेवाएं पूर्व की तरह जारी रहेंगी, ताकि गंभीर मरीजों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। अस्पताल प्रशासन ने कहा कि चुनाव प्रक्रिया संपन्न होने के बाद ओपीडी सेवाएं पुनः सामान्य रूप से संचालित की जाएंगी।

पेट्रोल-डीजल का अल्टरनेट ढूंढना बहुत महत्वपूर्ण : राज्यपाल

राज्यपाल कविंद्र का स्वागत करते कुलपति प्रो. सत प्रकाश बंसल।

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, धर्मशाला। प्रदेश के राज्यपाल कविंद्र गुप्ता ने कहा कि अमरीका और ईरान के युद्ध की वजह से जो परिस्थितियां बनी हैं, हमें लगता है कि इनमें जल्द सुधार होगा। वर्तमान में जो परिस्थितियां बनी है, जिसके चलते भविष्य में पेट्रोल व डीजल का अल्टरनेट ढूंढना बहुत महत्वपूर्ण है। एक भारत श्रेष्ठ भारत - युवा संगम' कार्यक्रम के तहत केंद्रीय विश्वविद्यालय हिमाचल प्रदेश पहुंचे पुडुचेरी के एनआईटी स्टूडेंट्स से संवाद करने पहुंचे राज्यपाल कविंद्र गुप्ता ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम भारत को जानने के लिए बेहद जरूरी हैं, जिनका स्टूडेंट्स को लाभ भी मिलता है। पत्रकारों से बातचीत में राज्यपाल ने कहा कि अमरीका और ईरान के युद्ध की वजह से बनी परिस्थितियों में भारत ने खुद को संभाल कर रखा है, इसमें सभी को भारत सरकार का साथ देना चाहिए। पेट्रोल व डीजल का विकल्प ढूंढना आगामी समय के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। भारत सरकार ने पेट्रोल व डीजल कीमतों को काफी कंट्रोल करके रखा है, जबकि पाकिस्तान में पेट्रोल 400 रुपए प्रति लीटर है। एक भारत श्रेष्ठ भारत - युवा संगम' कार्यक्रम को लेकर राज्यपाल ने कहा कि यह विभिन्न राज्यों के युवाओं के बीच भावनात्मक जुड़ाव और अनुभव आधारित सीख को बढ़ावा । उन्होंने कहा कि यह पहल छात्रों को भारत की विविधता को समझने और आपसी संबंध मजबूत करने का अवसर प्रदान करती है। इस दौरान उन्होंने पुडुचेरी से आए स्टूडेंट्स के साथ संवाद भी किया।

राज्यपाल ने गुजरेड़ा स्कूल का किया दौरा

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। राज्यपाल कविंद्र गुप्ता ने बुधवार को कांगड़ा जिले के राजकीय प्राथमिक विद्यालय गुजरेड़ा का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा की वास्तविक स्थिति का आकलन करने के लिए विद्यार्थियों, शिक्षकों तथा शिक्षा विभाग के अधिकारियों के साथ संवाद किया। राज्यपाल ने विद्यालय के शैक्षणिक वातावरण, मूलभूत सुविधाओं और दूरदराज क्षेत्रों में आने वाली शैक्षिक चुनौतियों की जानकारी ली। उन्होंने विद्यार्थियों से आत्मीय बातचीत करते हुए उन्हें आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने और शिक्षा के प्रति समर्पित रहने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि बच्चे राष्ट्र का भविष्य हैं और उनकी शिक्षा को मजबूत बनाने के लिए ग्रामीण एवं दुर्गम क्षेत्रों में आधारभूत ढांचे को और सुदृढ़ करना आवश्यक है। उन्होंने बेहतर कक्षाओं, स्वच्छता सुविधाओं और डिजिटल शिक्षण संसाधनों की उपलब्धता पर जोर दिया। राज्यपाल ने यह भी उल्लेख किया कि हिमाचल प्रदेश ने शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है और शिक्षा मंत्रालय की परफॉर्मेंस ग्रेडिंग इंडेक्स 2.0 के अनुसार राज्य ने देश में छठा स्थान और राज्यों की श्रेणी में तीसरा स्थान प्राप्त किया है। उन्होंने अधिकारियों के साथ विद्यालयों के रणनीतिक समूह की अवधारणा पर भी चर्चा की और कहा कि संसाधनों के बेहतर उपयोग से शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार संभव है। राज्यपाल ने कठिन क्षेत्रों में कार्यरत शिक्षकों के प्रयासों की सराहना करते हुए उन्हें इसी समर्पण के साथ कार्य जारी रखने का आह्वान किया।

जिले में राष्ट्रव्यापी बंद का दिखा असर

हमीरपुर में ऑनलाइन दवा बिक्री के विरोध में केमिस्टों ने दिनभर बंद रखीं दुकानें

अनंत ज्ञान

हमीरपुर। राष्ट्र व्यापी आह्वान के चलते जिले के सभी केमिस्टों ने पूरा दिन दुकानें बंद रखी व किसी को भी दवाई नहीं दी। जिला हमीरपुर केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष हरीश शर्मा ने बताया कि राष्ट्र व्यापी आहवान कि चलते जिलेभर के केमिस्टों ने पूरा दिन दुकानें बंद रखकर इस अभियान में सहयोग दिया है, जिसके लिए सभी केमिस्टों का धन्यवाद। उन्होंने कहा कि केवल आतालकालीन स्थिति में ही मरीज को दवाई दी। इसके अलावा जिले के सभी केमिस्टों ने इस राष्ट्र व्यापी आह्वान का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि हमारा उदेश्य किसी भी मरीज को परेशानी में डालना नहीं है। उन्होंने कहा कि अपनी मांगों को केंद्र एवं राज्य स्तर पर विभिन्न प्राधिकरणों के समक्ष बार-बार उठा

ऑनलाइन दवा की बिक्री और मूल्य निर्धारण को लेकर किया विरोध।

चुके हैं, लेकिन इन मुद्दों को हल नहीं किया जा रहा है इसलिए एसोसिएशन ने यह कदम उठाया है। ऑनलाइन दवाइयों की बिक्री और मूल्य निर्धारण की नीति केमिस्ट्स के पक्ष में नहीं है। उन्होंने कहा कि इस व्यवस्था से 12.40 लाख से अधिक केमिस्ट्स तथा लगभग 4 से 5 करोड़ आश्रितों की आजीविका पर संकट उत्पन्न हो गया है। उन्होंने बताया कि हमारी राष्ट्रीय संस्था एआईओसीडी ने लंबे समय से लंबित मुद्दों के विरोध दिवसीय राष्ट्रव्यापी दवा व्यापार बंद का आह्वान किया है। उन्होंने बताया कि अवैध ई-फार्मेसियों की अनियंत्रित वृद्धि तथा बड़े कॉरपोरेट्स द्वारा प्रिडेटोरी मूल्य निर्धारण की प्रवृत्तियां स्थापित औषधि वितरण प्रणाली को गंभीर रूप से प्रभावित कर रही हैं। ये परिस्थितियां न केवल छोटे एवं मध्यम केमिस्ट्स के अस्तित्व के लिए खतरा हैं, बल्कि निम्न कारणों से जनस्वास्थ्य के लिए भी गंभीर जोखिम उत्पन्न करती हैं। उन्होंने कहा कि वैध चिकित्सकीय पर्चे के बिना दवाओं की बिक्री पर रोक, प्रिस्क्रिप्शन (पर्चों) का बार-बार दुरुपयोग, एंटीबायोटिक्स एवं आदत (हैबिट फार्मिंग) बनाने वाली दवाओं की आसान उपलब्धता, नकली अथवा सत्यापन योग्य न होने वाले प्रिस्क्रिप्शन (पर्चों) का प्रचलन, फार्मासिस्ट एवं रोगी के बीच प्रत्यक्ष संवाद का अभाव, विभिन्न न्यायिक क्षेत्रों में कमजोर नियामक नियंत्रण, नकली एवं अनुचित भंडारण वाली दवाओं का जोखिम, एंटी-माइक्रोबियल रेजिस्टेंस का बढ़ता खतरा चुनौती से कम नहीं है। उन्होंने बताया कि दवाइयां कोई सामान्य वस्तु नहीं है और यह रोगी की सुरक्षा से जुड़ा हुआ विषय है। उन्होंने बताया कि वर्तमान व्यवस्था यह सुनिश्चित करती है कि योग्य चिकित्सक एवं पंजीकृत फार्मासिस्ट के माध्यम से सही दवा सही रोगी तक पहुंचे। इसके अतिरिक्त, बड़े कॉरपोरेट्स द्वारा अत्यधिक छूट के माध्यम से अपनाई जा रही प्रिडेटोरी मूल्य (हिंसक मूल्य) निर्धारण की नीतियां निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा को विकृत कर रही हैं, जिससे छोटे केमिस्ट्स के लिए अस्तित्व बनाए रखना कठिन होता जा रहा है और बाजार का वातावरण अस्थिर एवं असंतुलित बन रहा है। उन्होंने बताया कि कोविड-19 महामारी के दौरान जारी की गई अधिसूचना का दुरुपयोग हो रहा है तथा ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स नियमों के अंतर्गत आवश्यक सुरक्षा प्रावधानों को दरकिनार किया जा रहा है। हमारे लगातार प्रयासों एवं प्रस्तुतियों के बावजूद अब तक कोई प्रभावी सुधारात्मक कदम नहीं उठाए गए हैं, जिससे पूरे व्यापार जगत में असंतोष व्याप्त है।

सुजानपुर के दवा विक्रेताओं ने दुकानें बंद रखकर जताया विरोध

अनंत ज्ञान

सुजानपुर। सुजानपुर क्षेत्र में ऑनलाइन फार्मेसी के बढ़ते प्रभाव के विरोध में स्थानीय दवा विक्रेताओं ने अपनी दुकानों को एक दिन के लिए बंद रखकर जोरदार प्रदर्शन किया। क्षेत्र में लगभग 10 दवा दुकानें हैं, जो इस हड़ताल में शामिल रहीं।

दवा विक्रेताओं का कहना है कि ऑनलाइन फार्मेसी के कारण स्थानीय व्यापार प्रभावित हो रहा है और छोटे दुकानदारों की आजीविका पर संकट खड़ा हो रहा है। इसी विरोध को दर्ज कराने के लिए सभी दुकानदारों ने सामूहिक रूप से एक दिन की हड़ताल की और ऑनलाइन दवा बिक्री प्रणाली के खिलाफ अपनी नाराजगी जाहिर की। दुकानों के बंद रहने से मरीजों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। कई लोग आवश्यक दवाइयों की तलाश में इधर-उधर भटकते नजर आए, जिससे आम जनजीवन भी प्रभावित हुआ। दवा विक्रेताओं ने प्रशासन से मांग की है कि ऑनलाइन फार्मेसी पर उचित नियंत्रण लगाया जाए ताकि स्थानीय मेडिकल स्टोर्स की आजीविका सुरक्षित रह सके और स्वास्थ्य सेवाओं में संतुलन बना रहे। उनका कहना है कि यदि उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया तो भविष्य में आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

दवा विक्रेताओं की एक दिवसीय हड़ताल से लोग हुए परेशान।

सलौनी-डियोगढ़ मार्ग की दुर्दशा से लोग परेशान, कार्रवाई की मांग

अनंत ज्ञान

एसके ठाकुर, बड़सर। सलौनी से दियोटसिद्ध को जोड़ने वाला बाया बिझड़ी मार्ग इन दिनों अतिक्रमण और खस्ताहाल स्थिति के कारण गंभीर समस्या बन गया है। लोक निर्माण विभाग द्वारा बारिश के पानी की निकासी के लिए बनाई गई नालियों पर कुछ रसूखदार लोगों द्वारा कब्जा कर लिया गया है, जिससे न केवल जल निकासी बाधित हो रही है बल्कि सड़क भी तेजी से खराब हो रही है।

बिझड़ी मंडी चौक के पास नालियों को बंद कर पार्किंग और अवैध वाहन खड़े करने की व्यवस्था बना दी गई है। इससे बरसात का पानी सड़क पर बह रहा है और गड्ढों की भरमार हो गई है। दोपहिया वाहन चालकों के लिए यह मार्ग बेहद जोखिमभरा बन चुका है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह मार्ग धार्मिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है क्योंकि इसी रास्ते से

सलौनी-दियोटसिद्ध मार्ग पर अतिक्रमण से बढ़ी लोगों की परेशानी।

होकर श्रद्धालु बाबा बालक नाथ मंदिर दियोटसिद्ध तक पहुंचते हैं। खराब सड़क और अतिक्रमण के कारण यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लोगों ने आरोप लगाया कि शिकायतों के बावजूद विभाग केवल पैचवर्क कर खानापूर्ति करता है। वहीं राजीव शर्मा ने कहा है कि अवैध कब्जे और वाहन खड़े करने वालों को जल्द हटाया जाएगा, अन्यथा कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

नगर निकाय चुनावों में कांग्रेस प्रत्याशियों की जीत, सुक्खू सरकार के रिपीट का संकेत

भाजपा के 'नेतृत्व बिखराव' का कांग्रेस को आगे भी मिलेगा भरपूर फायदा, सरकार के कड़वे फैसलों पर लोगों की लग रही मुहर

अनंत ज्ञान

विक्रम ढटवालिया, हमीरपुर। भोरंज के कांग्रेस विधायक और वरिष्ठ नेता सुरेश कुमार ने कहा कि नगर निकाय के चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशियों की हुई अच्छी खासी जीत इस बात का संकेत है कि सुक्खू सरकार 'रिपीट' करेगी।

उनका कहना है कि सीमित साधनों के बावजूद कड़वे फैसले लेकर इस सरकार ने लोगों का भरोसा जीतने का दम भर है। यह चुनाव उसी का नतीजा है। बुधवार को यहां प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए उन्होंने यह भी कहा कि 61 में से 32 निकायों में कांग्रेस उम्मीदवारों की जीत और केवल 18 में भाजपा की बढ़त इस बात का संकेत है कि जो अन्य 21 निकायों में जीते हैं वे भी कांग्रेस विचारधारा के ही हैं।

सुरेश ने कहा कि हिमाचल के मुख्य जिलों में नगर पंचायत और नगर परिषदों में कांग्रेस का ही कब्जा होने वाला है। क्योंकि प्रत्याशी कांग्रेस के ही बड़ी तादाद में जीते हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा के भीतर बिखराव जैसी स्थिति है। खासकर जो लोग कांग्रेस से भाजपा में गए हैं, उनके क्षेत्रों में तो स्थिति खराब है ही, भाजपा के प्रदेश नेतृत्व में भी दो-फाड़ हो चुका है। आने वाले विधानसभा चुनाव में भी कांग्रेस को ज्यादातर विधानसभा क्षेत्र में फायदा निश्चित रूप में होने वाला है, क्योंकि भाजपा के पुराने कार्यकर्ता पुराने नेता और अन्य समर्थक बेहद खफा हैं। प्रदेश में सुक्खू सरकार लोगों के हित को आगे रखकर जिस तरीके से आर्थिक तंगी के बावजूद सिस्टम को चला रहे हो, वह आसान चीज नहीं है और लोगों को भी इसका फायदा मिलने लगा है। लोग सुक्खू सरकार पर भरोसा कर रहे हैं। भाजपा के झूठे नेताओं और दल बदल के कारण जहर घोलने वाले इन नेताओं का जनता को विश्वास उठ चुका है। यह पूछे जाने पर कि नये गठित स्थानीय निकायों और नगर निगमों में चुनाव आखिर होंगे कब? सुरेश का कहना था कि 3 साल के भीतर कभी भी हो सकते हैं। लेकिन इतना तय है, अगामी विधानसभा चुनावों से पहले यह चुनाव भी हो जाएंगे, ऐसा एक्ट में प्रावधान किया गया है।

पंचायत चुनाव को लेकर उन्होंने कहा कि पार्टी ने अपने उम्मीदवार पहले ही चिन्हित कर दिए हैं, हालांकि यह जरूरी नहीं कि हर जगह केवल एक ही उम्मीदवार हो। कुछ स्थानों पर एक पद के लिए दो-दो उम्मीदवार भी मैदान में हो सकते हैं।

उन्होंने स्पष्ट किया कि यह चुनाव पार्टी के चुनाव चिन्ह पर नहीं हो रहे हैं, इसलिए पार्टी का सीधे तौर पर उम्मीदवारों के चयन या चुनाव प्रक्रिया में औपचारिक हस्तक्षेप नहीं है। प्रत्याशी व्यक्तिगत स्तर पर चुनाव लड़ रहे हैं और स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार मुकाबला तय होगा।

प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते भोरंज के कांग्रेस विधायक और वरिष्ठ नेता सुरेश कुमार।

बेरोजगार फार्मासिस्टों के हितों पर चोट है ऑनलाइन दवा बिक्री: डॉ. पुष्पेंद्र

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। कांग्रेस नेता डॉक्टर पुष्पेंद्र वर्मा ने देशभर में बेरोजगार युवा फार्मासिस्टों की ओर से ऑनलाइन दवाइयों की बिक्री के विरोध में किए जा रहे आंदोलन का समर्थन करते हुए कहा कि यह डिग्रीधारी फार्मासिस्टों के हितों पर सीधा कुठाराघात है। डॉ. वर्मा ने कहा कि फार्मेसी काउंसिल और स्वास्थ्य विभाग की ओर से बड़े-बड़े मानक तय किए जाते हैं कि फार्मासिस्ट दवाई देने से पहले मरीज को उसके लाभ, सही उपयोग और संभावित साइड इफेक्ट्स की पूरी जानकारी दे। लेकिन जब दवाइयां ऑनलाइन पैक होकर सीधे लोगों तक पहुंच रही हैं, तो इन महत्वपूर्ण पहलुओं के बारे में मरीजों को कौन बताएगा? उन्होंने कहा कि भारत सरकार का ध्यान ऑनलाइन दवाइयों की बिक्री बढ़ाने की बजाय नकली और घटिया दवाइयों पर रोक लगाने की ओर होना चाहिए। आज केवल हिमाचल प्रदेश ही नहीं बल्कि पूरे देश में लगातार दवाइयों के सैंपल फेल हो रहे हैं, जो स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए गंभीर चिंता का विषय है। डॉ. वर्मा ने सवाल उठाया कि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर लोगों को सस्ती बताकर जो दवाइयां बेची जा रही हैं, उनकी गुणवत्ता और असली होने की गारंटी कौन देगा? यह एक बड़ा और महत्वपूर्ण सवाल है, जिसका जवाब सरकार को देना चाहिए। उन्होंने कहा कि माता-पिता अपनी खून-पसीने की कमाई खर्च कर बच्चों को एम फार्मा, बी.फार्मा और डी फार्मा जैसे कोर्स करवा रहे हैं। यदि रोजगार के अवसर ही खत्म कर दिए जाएंगे, तो क्या अभिभावक अपने बच्चों को ये कोर्स करवाना बंद कर दें? डॉ. पुष्पेंद्र वर्मा ने भारत सरकार से मांग की कि दवाइयों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाए, ऑनलाइन दवाइयों की बिक्री पर रोक लगाई जाए और पढ़े-लिखे बेरोजगार फार्मासिस्ट युवाओं का शोषण बंद किया जाए।

रक्तदान से बढ़कर कोई मानव सेवा नहीं, युवा आगे आकर निभाएं सामाजिक दायित्व: एसडीएम

एसडीएम ने मिनी सचिवालय भोरंज में किया रक्तदान शिविर का शुभारंभ।

अनंत ज्ञान

भोरंज। मिनी सचिवालय भोरंज में आज एक दिवसीय रक्तदान शिविर का आयोजन रेडक्रॉस सोसायटी (रेड रिबन क्लब हमीरपुर) के सौजन्य से किया गया। शिविर की अध्यक्षता एसडीएम भोरंज शशि पाल शर्मा ने की।

एसडीएम शशि पाल शर्मा ने कहा कि रक्तदान न केवल एक महान दान है, बल्कि यह मानवता की सेवा का सर्वोत्तम माध्यम भी है। उन्होंने कहा कि रक्तदान के माध्यम से किसी भी जरूरतमंद व्यक्ति को नया जीवन प्रदान किया जा सकता है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे इस प्रकार के सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लें तथा नियमित रूप से रक्तदान कर समाज के प्रति अपने दायित्व का निर्वहन करें। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के शिविर समाज में जागरूकता फैलाने के साथ-साथ युवाओं में सेवा, सहयोग और परोपकार की भावना को भी मजबूत करते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति को समय-समय पर रक्तदान करना चाहिए ताकि आपातकालीन परिस्थितियों में मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध हो सके।

रक्तदान शिविर में मिनी सचिवालय भोरंज के अधिकारियों, कर्मचारियों सहित स्थानीय लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

शिविर के दौरान रक्तदाताओं का स्वास्थ्य परीक्षण विशेषज्ञ चिकित्सकों की देखरेख में किया गया तथा सभी आवश्यक मानकों का पालन करते हुए सुरक्षित एवं स्वच्छ वातावरण में रक्त संग्रह की प्रक्रिया संपन्न की गई। इस शिविर में 46 यूनिट ब्लड हुआ।

प्रत्याशियों ने झोंकी ताकत, नेता कर रहे बैठकें, चिंता 'अपनों' को जिताने की

अनंत ज्ञान

विक्रम ढटवालिया, हमीरपुर। मतदान की तारीख जैसे-जैसे नजदीक आती जा रही है, चुनाव प्रचार में भी प्रत्याशी और उनके समर्थक मान-मनौव्वल में जुट गए हैं। एक दूसरे को पटखनी देने के लिए प्रत्याशियों ने ताकत झोंक दी है। खासकर जिला परिषद के चुनाव को लेकर अपने-अपने विधानसभा क्षेत्रों में नेता भी बैठकें कर हालात का जायजा लेने में अच्छी खासी दिलचस्पी लेने लगे हैं।

◆ हमीरपुर भाजपा मंडल ने बागी को किया निष्कासित

◆ हमीरपुर सुजानपुर में भाजपा के दरमियान 'घमासान'

भाजपा के लिए सुजानपुर और हमीरपुर विधानसभा क्षेत्रों में जिला परिषद सदस्यों की जीत प्रतिष्ठा का सवाल बन गई है। क्योंकि यहां पर बागी भी मैदान में है। कई जगह टिकट बदले गए थे। फिर कुछ लोग नाराज हो गए। उसके बाद उम्मीदवार बदले गए, यह सारे घटनाक्रम जितनी तेजी के साथ घटे, उससे ज्यादा स्पीड के साथ यहां पार्टी की भीतरी गुटबाजी भी अपने 'चरम' सुख पर सवार होती हुई देखी गई। अब हालात इन दोनों ही क्षेत्रों में ऐसे हैं कि अगले एक सप्ताह के भीतर जो होगा, इसका असर आगे की राजनीति पर भी पड़ेगा। क्योंकि यहां पर 'मैं ना मानूं' वाली स्थिति इधर भी है और उधर भी। यही यहां की पार्टी राजनीति का असली 'क्लेश' है। जिस पर बड़े नेता जवाब देते नहीं बनते। हमीरपुर विधानसभा क्षेत्र में विधायक आशीष शर्मा प्रत्याशियों को विजयी पटाखा का स्वाद चखाने के लिए मेहनत कर रहे हैं। यहां की पार्टी राजनीति शुरू से ही अजीबोगरीब मरहले में रही है और जो हालात यहां पर मौजूदा प्रदेश सरकार के दरमियान घटे हैं। उसका असर यहां पार्टी की राजनीति पर जबरदस्त तरीके से सवार हुआ है। लेकिन यहां आशीष शर्मा को पार्टी के भीतर भी और सत्ता से भी अच्छा खासा संघर्ष काफी समय से करना पड़ रहा है खुद को बेहतर साबित बनाए रखने के लिए यह चुनाव उनके लिए अहम बने हुए हैं। हमीरपुर मंडल भाजपा ने जिला परिषद चुनाव को लेकर बड़ा फैसला लेते हुए जंगल रोपा वार्ड से बागी प्रत्याशी अनिल कुमार को पार्टी से निष्कासित कर दिया है। यह निर्णय पार्टी अधिकृत प्रत्याशी सोनी कुमार की मौजूदगी में हुई बैठक के बाद लिया गया। मंडल अध्यक्ष श्रीपाल शर्मा ने प्रेस बयान जारी कर कहा कि अनुशासनहीनता किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जाएगी।

उधर कांग्रेस में भी सक्रियता बढ़ गई है, जहां सुरेश कुमार और सुमन भारती लगातार बैठकों के माध्यम से चुनावी हालात का फीडबैक ले रहे हैं।

लड़कियों को जिंदगी भर सर्विकल कैंसर से बचाएगा एचपीवी का टीका: डीसी

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। उपायुक्त गंधर्वा राठौड़ ने जिला के सभी हाई एवं सीनियर सेकेंडरी स्कूलों के प्रमुखों और अन्य हितधारकों से अपील की है कि वे एचपीवी वैक्सीनेशन से छूटी 14-15 वर्ष आयु वर्ग की सभी लड़कियों को एचपीवी वैक्सीन का टीका लगवाने के लिए प्रेरित करें और इस टीके के बारे में लड़कियों या उनके अभिभावकों में अगर कुछ भ्रांतियां हैं तो तुरंत उनका निवारण करें। अगर उनकी काउंसलिंग की आवश्यकता है तो स्वास्थ्य विभाग से भी संपर्क करें। सर्विकल कैंसर (गर्भाशय ग्रीवा का कैंसर) से बचाव हेतु आरंभ किए गए एचपीवी टीकाकरण अभियान को गति प्रदान करने तथा जिला इसका शत-प्रतिशत लक्ष्य हासिल करने के लिए बुधवार को स्वास्थ्य विभाग द्वारा शिक्षा विभाग के सहयोग से यहां डिग्री कॉलेज में जिला के हाई एवं सीनियर सेकेंडरी स्कूलों के प्रमुखों के लिए आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला में उपायुक्त ने यह अपील की। जिलाह में अभी तक 1228 लड़कियां यह टीका लगवा चुकी हैं। गंधर्वा राठौड़ ने बताया कि एचपीवी वैक्सीन पहली बार वर्ष 2006 में लांच की गई थी और अभी तक विश्व के 159 देशों में इसकी 50 करोड़ से अधिक डोज लगाई जा चुकी हैं।

समस्या लावारिस पशुओं की बढ़ती संख्या से लोग परेशान, प्रशासन से कार्रवाई की उठाई मांग

भरेड़ी कस्बे में लावारिस पशु बने 'स्पीड ब्रेकर'

अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान मुद्दा

भोरंज। उपमंडल भोरंज के भरेड़ी कस्बे सहित आसपास के क्षेत्रों में लावारिस पशुओं की बढ़ती संख्या लोगों के लिए गंभीर परेशानी का कारण बनती जा रही है। सड़कों पर दिनभर घूमते ये पशु अब आम लोगों की आवाजाही के लिए खतरा बन चुके हैं। मुख्य बाजार, बस स्टैंड और संपर्क मार्गों पर पशुओं के झुंड बैठे रहने से यातायात व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हो रही है। कई स्थानों पर वाहन चालकों को अचानक ब्रेक लगाने पड़ते हैं, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा लगातार बना रहता है। स्थानीय लोग अब इन लावारिस पशुओं को 'स्पीड ब्रेकर' कहकर पुकारने लगे हैं। स्थानीय निवासियों का कहना है कि प्रशासन द्वारा पशुओं को गोसदनों में भेजने के प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन पशुओं की बढ़ती संख्या के आगे ये व्यवस्थाएं नाकाफी साबित हो रही है। क्षेत्र में मौजूद गोसदन भी क्षमता से अधिक भर चुके हैं। ऐसे में रोजाना नए लावारिस पशु सड़कों पर दिखाई दे रहे हैं। लोगों का आरोप है कि पशुपालक दूध देना बंद कर चुके पशुओं को खुले में छोड़ देते हैं, जिससे समस्या लगातार बढ़ती जा रही है। भरेड़ी बाजार की सड़कें पहले ही अतिक्रमण के कारण संकरी हो चुकी हैं। ऊपर से सड़कों पर बैठे पशुओं के कारण पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है। कई राहगीर और दोपहिया चालक पशुओं की टक्कर से घायल होकर अस्पताल तक पहुंच चुके हैं। खासकर सुबह और शाम के समय बाजार क्षेत्र में हालात ज्यादा खराब हो जाते हैं।

सड़क पर घूमते लावारिस पशुओं के आगे सब व्यवस्थाएं साबित हो रही नाकाफी।

क्षेत्र में बढ़ी लावारिस पशुओं की समस्या, लोगों में भारी रोष

क्षेत्र में बढ़ती लावारिस पशुओं की समस्या को लेकर स्थानीय लोगों में भारी रोष व्याप्त है। लोगों का कहना है कि सड़कों पर घूम रहे लावारिस पशु आए दिन दुर्घटनाओं का कारण बन रहे हैं, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय निवासियों ने प्रशासन और नगर परिषद से मांग की है कि इन पशुओं को तुरंत सड़कों से हटाकर उचित स्थानों पर रखा जाए तथा पशुओं को खुले में छोड़ने वाले मालिकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। उनका कहना है कि यदि समय रहते इस समस्या का समाधान नहीं किया गया तो आने वाले दिनों में स्थिति और गंभीर हो सकती है। इस संबंध में क्षेत्र के रत्न चंद, रमित, यशवंत, विनय सहित कई लोगों ने जिला व उपमंडल प्रशासन से शीघ्र राहत प्रदान करने की मांग की है।

242 पंचायतों के 1376 वार्डों के लिए स्थापित होंगे 1377 बूथ

केवल भोरंज की कंजयाण पंचायत के एक वार्ड में होंगे दो मतदान केंद्र

अनंत ज्ञान

◆ 257 मतदान केंद्र संवेदनशील और 83 मतदान केंद्र अति संवेदनशील घोषित

हमीरपुर। हमीरपुर जिले में कुल 242 पंचायतों के प्रधान और उपप्रधान के 484 पदों, पंचायत सदस्यों के 1376, बीडीसी सदस्यों के 119 और जिला परिषद सदस्यों के 19 पदों सहित कुल 1998 पदों के लिए 26, 28 और 30 मई को तीन चरणों में होने वाले मतदान के लिए सभी तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) गंधर्वा राठौड़ ने बताया कि पंचायतीराज संस्थाओं के चुनाव में जिला के कुल 3,63,699 मतदाता विभिन्न पदों के 4849 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला करेंगे। इन मतदाताओं में 1,83,851 महिलाएं और 1,79,846 पुरुष हैं। थर्ड जेंडर के 2 लोगों के नाम भी मतदाता सूचियों में दर्ज हैं। उन्होंने बताया कि 242 ग्राम पंचायतों के कुल 1376 वार्डों के लिए 1377 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। विकास खंड भोरंज की कंजयाण पंचायत के एक वार्ड के लिए दो मतदान केंद्र बनाए गए हैं। अन्य सभी पंचायतों के प्रत्येक वार्ड के लिए एक-एक मतदान केंद्र होगा। प्रत्येक बूथ के मतदान दल में एक पीठासीन अधिकारी, दो मतदान अधिकारियों और एक सुरक्षा कर्मी सहित कुल 4 अधिकारी-कर्मचारी तैनात किए जाएंगे। 1377 मतदान केंद्रों में से 257 को संवेदनशील और 83 मतदान केंद्रों को अति संवेदनशील घोषित किया गया है। उपायुक्त ने बताया कि विकास खंड नादौन की 62 पंचायतों में 342 वार्ड हैं। यहां बीडीसी के 27 और जिला परिषद के 4 वार्ड हैं। विकास खंड बिझड़ी की 49 पंचायतों में 287 वार्ड हैं, जबकि बीडीसी के 23 और जिला परिषद के 4 वार्ड हैं। विकास खंड बमसन की 25 पंचायतों में 135 वार्ड हैं, जबकि बीडीसी के 15 और जिला परिषद के 2 वार्ड हैं। विकास खंड भोरंज की 44 पंचायतों में 264 वार्ड हैं, जबकि बीडीसी के 22 और जिला परिषद के 4 वार्ड हैं। विकास खंड हमीरपुर की 38 पंचायतों में 218 वार्ड हैं, जबकि बीडीसी के 17 और जिला परिषद के 3 वार्ड हैं। विकास खंड सुजानपुर की 24 पंचायतों में 130 वार्ड हैं, जबकि बीडीसी के 15 और जिला परिषद के 2 वार्ड हैं।

न्यूज ब्रीफ

केंद्रीय विद्यालय धर्मपुर में 25 तक लें एडमिशन

अनंत ज्ञान, धर्मपुर। केंद्रीय विद्यालय धर्मपुर में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए विभिन्न कक्षाओं में शेष रह गई रिक्त सीटों पर प्रवेश की प्रक्रिया शुरू हो गई है। विद्यालय प्रशासन ने इन सीटों को भरने के लिए इच्छुक एवं योग्य विद्यार्थियों से आवेदन आमंत्रित किए हैं। ऑफलाइन माध्यम से पंजीकरण कराने की अंतिम तिथि 25 मई निर्धारित की गई है। विद्यालय द्वारा जारी अधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार इस बार कक्षा पहली से लेकर नौवीं तक की कुछ कक्षाओं में सीटें रिक्त हैं। सीटों का विवरण देते हुए प्रबंधन ने बताया कि वर्तमान में कक्षा पहली में 10 विभिन्न कक्षाओं में शेष रिक्त सीटों पर ऑफलाइन माध्यम से भरे जा रहे हैं। आवेदन पत्र पर सीटें, कक्षा दूसरी में नौ सीटें, कक्षा पांचवीं में 12 सीटें, कक्षा आठवीं में एक सीट और कक्षा नौवीं में छह सीटें प्रवेश के लिए उपलब्ध हैं। अभिभावकों की सुविधा के लिए आवेदन पत्र विद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट अपलोड कर दिए गए हैं, जहां से इन्हें आसानी से डाउनलोड किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त, जो अभिभावक ऑनलाइन फॉर्म डाउनलोड नहीं कर सकते, वे सीधे विद्यालय कार्यालय से भी आवेदन पत्र प्राप्त कर सकते हैं।

वॉलीबॉल टीम के लिए ट्रायल 24 मई को

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी। शिमला अंतर्राष्ट्रीय समर फेस्टिवल के दौरान 8 जून से 12 जून तक आयोजित होने वाली प्रथम एंटी-चिट्टा इंटर-डिस्ट्रिक्ट वॉलीबॉल चैंपियनशिप (अंडर-21 बॉयज) के लिए मंडी जिला टीम के चयन ट्रायल 24 मई को खेलो इंडिया केंद्र, संधोल जिला मंडी में सुबह 9 बजे आयोजित किए जाएंगे। चयन प्रक्रिया का संचालन वॉलीबॉल कोच मुनीष कुमार द्वारा किया जाएगा। जिला युवा सेवाएं एवं खेल अधिकारी कविता ठाकुर ने बताया कि चयन ट्रायल में केवल जिला मंडी के अंडर-21 वर्ग के पात्र खिलाड़ी ही भाग ले सकेंगे। खिलाड़ियों का जन्म 1 जनवरी 2005 या उसके बाद का होना अनिवार्य है। ट्रायल में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को अपने आयु प्रमाण पत्र तथा आधार कार्ड मूल रूप में साथ लाने होंगे।

महंगाई को नियंत्रित करे केंद्र सरकार: हीरापाल

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी। हिमाचल प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं दो बार प्रदेश कांग्रेस सचिव रहे ठाकुर हीरापाल सिंह ने केंद्र सरकार की आर्थिक और विदेश नीतियों पर तीखा हमला बोलते हुए कहा है कि वर्तमान में देश में महंगाई और आर्थिक संकट और गहरा सकता है। उन्होंने कहा कि पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी का असर केवल ईंधन तक सीमित नहीं रहता, बल्कि परिवहन लागत बढ़ने से खाद्य पदार्थों, कृषि उपादों, उर्वरकों, कीटनाशकों, दवाइयों और अन्य जरूरी वस्तुओं के दाम भी बढ़ जाते हैं, जिसका सीधा बोझ आम जनता पर पड़ता है। हीरापाल सिंह ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों और वैश्विक तनावों के बीच केंद्र सरकार की नीतियां आम लोगों को राहत देने में प्रभावी साबित नहीं हो रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की आर्थिक और विदेश नीति के कारण देश में बेरोजगारी, आर्थिक अस्थिरता और महंगाई जैसी समस्याएं लगातार बढ़ रही हैं। उनका कहना था कि शिक्षित और तकनीकी युवाओं के सामने रोजगार का संकट गहराता जा रहा है, जबकि निजी कंपनियों में भी कर्मचारियों की छंटनी की आशंकाएं बढ़ रही हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि सरकार को राजनीतिक गतिविधियों से अधिक जनता की मूलभूत समस्याओं पर ध्यान देना चाहिए।

माता मुरारी देवी का तीन दिवसीय मेला 26 से

अनंत ज्ञान, सुंदरनगर। प्रसिद्ध धार्मिक स्थल मुरारीधार में माता मुरारी देवी का ऐतिहासिक तीन दिवसीय मेला 26 से 28 मई तक बड़े ही धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया जाएगा। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी मेले को लेकर क्षेत्र में उत्साह का माहौल है। मेले के सफल आयोजन को लेकर समिति द्वारा तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। मेला कमेटी के प्रधान बृजलाल व सचिव ख्यालीराम ठाकुर ने जानकारी देते हुए बताया कि मेले का शुभारंभ 26 मई को ई. नरेंद्र पाल सिंह प्रमुख अभियंता लोक निर्माण विभाग शिमला करेंगे व 28 मई को शाम 4 बजे मेले के समापन समारोह में भारतीय वन सेवा अधिकारी वन मंडल सुंदरनगर राकेश कटोच मुख्यातिथि के रूप में शिरकत करेंगे। 26 मई को दिनभर क्षेत्र के विभिन्न महिला मंडलों के द्वारा सुंदर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा व साथ में स्थानीय कलाकार भजन गायक श्रवण एंड पार्टी भी अपनी प्रस्तुतियां देंगे। वहीं 28 मई को विशाल दंगल का आयोजन किया जाएगा, जिसमें हिमाचल सहित अन्य राज्यों के पहलवान भाग लेंगे। समिति सचिव ने बताया कि अंडर-19 वर्ग के पहलवानों के लिए प्रथम पुरस्कार 11 हजार व गुर्ज, द्वितीय पुरस्कार 9 हजार तथा तृतीय पुरस्कार 2100 रुपए रखा गया है।

कांग्रेस ने की सलापड़ की अनदेखी : जम्वाल

अनंत ज्ञान, सुंदरनगर। जिला परिषद वार्ड सलापड़ में चुनाव प्रचार के दौरान भाजपा मुख्य प्रवक्ता एवं विधायक राकेश जम्वाल ने कांग्रेस सरकार पर क्षेत्र की अनदेखी का आरोप लगाया। विभिन्न पंचायतों में जनसंपर्क अभियान चलाते हुए उन्होंने कहा कि सत्ता परिवर्तन के बाद सलापड़ क्षेत्र और आसपास की पंचायतों में विकास कार्य प्रभावित हुए हैं तथा कई योजनाएं अधर में लटक रही हैं। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की सबसे बड़ी समस्या सड़क और यातायात व्यवस्था बनी हुई है। बाली चौकी के पास सड़क धंसने के कारण पिछले करीब दो महीनों से मार्ग बाधित पड़ा है, जिससे लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार और संबंधित विभाग सड़क बहाली को लेकर गंभीर नजर नहीं आ रहे हैं। राकेश जम्वाल ने कहा कि सड़क बंद होने से विद्यार्थियों, मरीजों और रोजमर्रा के कामकाज के लिए आने-जाने वाले लोगों की दिक्कतें बढ़ गई हैं। उन्होंने दावा किया कि सड़क चौड़ीकरण के लिए केंद्र सरकार की ओर से करोड़ों रुपये की राशि उपलब्ध करवाई गई है, लेकिन राज्य सरकार की धीमी कार्यप्रणाली के कारण कार्य समय पर पूरा नहीं हो पा रहा। उन्होंने कांग्रेस सरकार से भी सवाल उठाते हुए कहा कि जनता अब जवाब मांगने लगी है। जनसंपर्क अभियान के दौरान विभिन्न पंचायतों में लोगों का अच्छा समर्थन देखने को मिला।

बच्चों ने नुक्कड़ नाटक से दिया स्वच्छता का संदेश

अनंत ज्ञान, जंगमबाग। मुख्य अभियंता बीएसएल प्रोजेक्ट सुंदर नगर बीएस नारा तथा उप मुख्य अभियंता कश्मीर सिंह ठाकुर के दिशा-निर्देशों के अंतर्गत स्वच्छ भारत मिशन के तहत बीएसएल प्रोजेक्ट सुंदर नगर में 16 मई से 30 मई तक मनाए जा रहे 'स्वच्छता पखवाड़े' के संबंध में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक आदर्श विद्यालय, बीएसएल प्रोजेक्ट सुंदरनगर में, आज भारत सरकार एवं बी बी एम बी प्रशासन सुंदर नगर द्वारा आदेशित, स्वच्छता पखवाड़ा कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों ने प्रार्थना सभा में स्वच्छता जागरूकता हेतु एक प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया। जिसके माध्यम से विद्यार्थियों ने विद्यालय तथा स्थानीय समुदाय को स्वच्छता अपनाने और स्वस्थ जीवन के प्रति प्रेरित किया। कार्यक्रम में विद्यालय परिवार सभी अध्यापक गण एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों को बी बी एम बी प्रशासन की ओर से रिफ्रेशमेंट (अल्पाहार) प्रदान की गई। प्रधानाचार्य डॉ. एम आर गौतम ने बी बी एम बी प्रशासन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास के साथ उन्हें जिम्मेदार एवं जागरूक नागरिक बनने की प्रेरणा देते हैं। सभी ने इस प्रेरणादायक कार्यक्रम का भरपूर आनंद लिया।

ऑनलाइन दवा बिक्री के खिलाफ सड़कों पर उतरे केमिस्ट-ड्रगिस्ट

मंडी जिले में बंद रहीं सभी दवा दुकानें प्रधानमंत्री मोदी के नाम सौंपा ज्ञापन

अवैध ई-फार्मेसी और डीप डिस्काउंटिंग पर तुरंत रोक लगाने की उठाई मांग

अनंत ज्ञान

मंडी में प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपते मंडी जिला केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स एसोसिएशन के पदाधिकारी व सदस्य। अनंत ज्ञान

ब्यूरो, मंडी। देशभर में ऑनलाइन दवा बिक्री के बढ़ते कारोबार और छोटे दवा व्यापारियों के अस्तित्व पर मंडरा रहे संकट के खिलाफ बुधवार को मंडी जिला केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स एसोसिएशन ने एकजुट होकर जोरदार सांकेतिक हड़ताल की।

ऑल इंडिया ऑर्गनाइजेशन ऑफ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स (एआईओसीडी) के आह्वान पर आयोजित इस राष्ट्रव्यापी आंदोलन के तहत मंडी जिले की सभी दवा दुकानें पूरी तरह बंद रहीं और दवा विक्रेताओं ने अवैध व अनियंत्रित ऑनलाइन दवा कारोबार के खिलाफ अपना कड़ा विरोध दर्ज करवाया।

मंडी जिला इकाई के अध्यक्ष योगेश वर्मा और सचिव परवेश गुप्ता के नेतृत्व में दवा प्रतिनिधियों ने स्थानीय प्रशासन के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम ज्ञापन सौंपते हुए सरकार से दवाओं की नियम विरुद्ध ऑनलाइन बिक्री पर तत्काल रोक लगाने, बिना वैध चिकित्सीय पर्चे के होम डिलीवरी बंद करने तथा ऑनलाइन ई-फार्मेसी कंपनियों द्वारा दी जा रही भारी छूट की नीति पर सख्त नियंत्रण लगाने की मांग उठाई। ज्ञापन में कहा गया कि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म और क्विक कॉमर्स कंपनियां स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़े कानून जीएसआर 817(ई) एवं जीएसआर 220(ई) का दुरुपयोग कर दवाओं की अनियंत्रित बिक्री कर रही हैं, जो जन स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बन चुका है।

केमिस्टों ने स्पष्ट कहा कि दवाएं कोई सामान्य उपभोग की वस्तु नहीं हैं, बल्कि विशेषज्ञ निगरानी और उचित सत्यापन के बिना इनकी बिक्री मरीजों की सुरक्षा के साथ बड़ा खिलवाड़ है। संगठन ने कोविड-19 महामारी के दौरान केमिस्ट समुदाय की सेवाओं को याद दिलाते हुए कहा कि जब पूरा देश बंद था तब दवा विक्रेताओं ने अपनी जान जोखिम में डालकर लोगों तक दवाएं पहुंचाई, लेकिन आज उन्हीं छोटे लाइसेंसधारी केमिस्टों का रोजगार ऑनलाइन कंपनियों की मनमानी के कारण खतरे में पड़ गया है। मंडी के दवा व्यापारियों ने सरकार से मरीजों की सुरक्षा, सार्वजनिक स्वास्थ्य और लाखों छोटे व्यापारियों की आजीविका बचाने के लिए तत्काल कड़े कदम उठाने की मांग की। हालांकि हड़ताल के दौरान भी सामाजिक जिम्मेदारी निभाते हुए गंभीर मरीजों और जरूरतमंदों को आवश्यक व आपातकालीन दवाएं उपलब्ध करवाई जाती रहीं।

कहा- 'दवाइयां कोई किराना का सामान नहीं हैं, ये जीवनरक्षक'

पूरी हड़ताल शांतिपूर्ण और अनुशासित रही तथा व्यापार मंडल मंडी, फेडरेशन ऑफ मेडिकल सेल्स रिप्रेजेंटेटिव्स एसोसिएशन मंडी इकाई और हिमरू मंडी इकाई सहित कई व्यापारिक संगठनों ने भी इस आंदोलन को खुला समर्थन देकर छोटे व्यापारियों की इस लड़ाई को मजबूती प्रदान की।

टिकरू में नकदी और गहनों पर हाथ साफ

अनंत ज्ञान, जोगिंद्रनगर। जोगिंद्रनगर के टिकरू गांव में बीती रात चोरों ने एक घर को निशाना बनाकर लाखों की नकदी और आभूषणों पर हाथ साफ कर दिया। जानकारी के अनुसार टिकरू गांव निवासी 75 वर्षीय जगदीश के घर में देर रात चोरों ने सेंध लगा दी। चोर अलमारी व अन्य स्थानों में रखी करीब एक लाख रुपए की नकदी तथा लाखों के सोने-चांदी के गहने चोरी कर फरार हो गए। सुबह जब परिवार के सदस्य जागे तो घर का सामान बिखरा पड़ा देखकर उनके होश उड़ गए। इसके बाद तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस थाना जोगिंद्रनगर की टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने मामला दर्ज कर आसपास के लोगों से पूछताछ शुरू कर दी है। परिवार वालों ने बताया कि चोर घर से कीमती जेवरात और नकदी लेकर फरार हो गए, जिससे उन्हें भारी नुकसान हुआ है।

पुलिस से रात को गांव में गश्त बढ़ाने की मांग

पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाल रही है ताकि चोरों का सुराग लगाया जा सके। स्थानीय लोगों ने क्षेत्र में लगातार बढ़ रही चोरी की घटनाओं पर गहरी चिंता व्यक्त की है। लोगों का कहना है कि जोगिंद्रनगर में चोरी के मामलों की संख्या दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है, जो अब एक गंभीर चिंता का विषय बन चुका है। ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन से रात के समय गश्त बढ़ाने तथा संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी नजर रखने की मांग की है, ताकि लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। वहीं पुलिस का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और जल्द ही आरोपियों को पकड़ लिया जाएगा।

करसोग के सनारली में गहरी खाई में गिरी कार, हादसे में तीन घायल

अनंत ज्ञान

करसोग। उपमंडल के सनारली क्षेत्र में बुधवार को एक कार दुर्घटना में तीन लोग घायल हो गए। जानकारी के अनुसार मारुति 800 कार अचानक अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे गहरी ढलान में जा गिरी। हादसा होते ही आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई और स्थानीय ग्रामीण तुरंत मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य में जुट गए। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक वाहन मोड़ के पास संतुलन खो बैठा, जिसके बाद कार सड़क से फिसलकर नीचे जा गिरी।

दुर्घटना में घायल हुए तीनों लोगों को स्थानीय लोगों की मदद से तुरंत बाहर निकाला गया और उपचार के लिए सिविल अस्पताल करसोग पहुंचाया गया। अस्पताल में चिकित्सकों द्वारा घायलों का इलाज किया जा रहा है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार सभी घायल खतरे से बाहर बताए जा रहे हैं। हादसे की सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम भी मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। शुरुआती जांच में वाहन के नियंत्रण खोने और पहाड़ी मार्ग पर असावधानी को हादसे की संभावित वजह माना जा रहा है। दुर्घटना के बाद मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई।

प्रशासन ने वाहन चालकों से अपील की है कि पहाड़ी सड़कों पर वाहन चलाते समय गति पर नियंत्रण रखें और विशेष सतर्कता बरतें, ताकि इस तरह की घटनाओं से बचा जा सके।

जोगिंद्रनगर में बंद रहीं मेडिकल दुकानें

दवा विक्रेताओं ने सरकार से की सख्त नियम बनाने की मांग

अनंत ज्ञान

जोगिंद्रनगर। देशभर में ऑनलाइन दवा बिक्री और दवाइयों पर भारी डिस्काउंट के विरोध में बुधवार को केमिस्ट एवं ड्रगिस्ट एसोसिएशन के आह्वान पर आयोजित हड़ताल का असर जोगिंद्रनगर में भी व्यापक रूप से देखने को मिला। जोगिंद्रनगर बाजार, बस स्टैंड, मुख्य चौक तथा आसपास के क्षेत्रों में अधिकांश मेडिकल स्टोर पूरे दिन बंद रहे।

मेडिकल दुकानों के शटर बंद रहने से लोगों को दवाइयां लेने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। सुबह से ही जोगिंद्रनगर के विभिन्न बाजारों में मेडिकल स्टोर बंद दिखाई दिए। कई लोग नियमित दवाइयां लेने के लिए मेडिकल दुकानों पर पहुंचे, लेकिन दुकानों पर ताले लगे होने के कारण उन्हें निराश होकर लौटना पड़ा। खासकर बुजुर्ग मरीजों और रोजाना दवा लेने वाले लोगों को अधिक दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

मेडिकल स्टोर संचालकों का कहना है कि ऑनलाइन दवा कंपनियां भारी छूट देकर ग्राहकों को आकर्षित कर रही हैं, जिससे छोटे दुकानदारों का कारोबार लगातार प्रभावित हो रहा है। उनका कहना है कि स्थानीय मेडिकल स्टोर न केवल दवाइयां उपलब्ध करवाते हैं, बल्कि मरीजों को दवाइयों के सही उपयोग और जरूरी सलाह भी देते हैं। इसके बावजूद ऑनलाइन कंपनियां बड़े स्तर पर डिस्काउंट देकर बाजार पर कब्जा करने का प्रयास कर रही हैं। दवा विक्रेताओं ने आरोप लगाया कि कई ऑनलाइन प्लेटफॉर्म बिना उचित जांच-पड़ताल और चिकित्सकीय निगरानी के दवाइयों की बिक्री कर रहे हैं, जो मरीजों के स्वास्थ्य के लिए खतरा बन सकता है। उनका कहना है कि कई बार लोग बिना डॉक्टर की सलाह के ऑनलाइन दवाइयां मंगवा लेते हैं, जिससे गलत दवा सेवन की संभावना बढ़ जाती है।

जोगिंद्रनगर के मेडिकल स्टोर संचालकों ने कहा कि सरकार को ऑनलाइन दवा बिक्री को नियंत्रित करने के लिए सख्त नियम बनाने चाहिए। उन्होंने मांग की कि बिना वैध चिकित्सकीय पर्ची के दवाइयों की बिक्री पर पूरी तरह रोक लगाई जाए तथा स्थानीय मेडिकल व्यापारियों के हितों की रक्षा की जाए। हड़ताल के दौरान कुछ मेडिकल स्टोरों ने आपातकालीन सेवाओं को ध्यान में रखते हुए सीमित स्तर पर आवश्यक दवाइयां उपलब्ध करवाईं, लेकिन अधिकांश दुकानें पूरी तरह बंद रहीं। बाजार में दिनभर मेडिकल स्टोरों के बाहर सन्नाटा पसरा रहा।

आंदोलन को तेज करने की चेतावनी

दवा विक्रेताओं ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने उनकी मांगों पर जल्द सकारात्मक कदम नहीं उठाए तो आने वाले समय में आंदोलन को और तेज किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह आंदोलन केवल व्यापार बचाने के लिए नहीं, बल्कि लोगों की सुरक्षा और दवा व्यवस्था को सुरक्षित रखने के लिए भी जरूरी है।

धनोटू में हाईवे किनारे फैला कबाड़ बना हादसों का कारण

वर्कशॉप संचालकों पर सड़क घेरने के आरोप, प्रशासन से कार्रवाई की मांग

अनंत ज्ञान

धनोटू क्षेत्र में राष्ट्रीय उच्च मार्ग के किनारे फैला कबाड़ और सड़क तक पहुंची भारी मशीनरी अनंत ज्ञान

भीम बसेडू राजपूत, महादेव। राष्ट्रीय उच्च मार्ग-21 से सटे धनोटू क्षेत्र में सड़क किनारे फैला लोहे का कबाड़, भारी मशीनरी और वर्कशॉप का सामान अब लोगों के लिए परेशानी का कारण बनता जा रहा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि मैकेनिकल और ऑटोमोबाइल वर्कशॉप संचालकों द्वारा हाईवे के साथ लगती जगहों पर अव्यवस्थित ढंग से भारी मशीनें, लोहे के पाइप, कबाड़ और अन्य सामग्री रखी जा रही है, जिससे सड़क का काफी हिस्सा संकरा हो गया है।

क्षेत्र में कहीं सीमेंट-मसाला मिक्सचर सड़क के बिल्कुल किनारे खड़े दिखाई देते हैं तो कहीं टूटे-फूटे लोहे के पाइप और अन्य कबाड़ बिखरा नजर आता है। इससे लगातार बढ़ते यातायात को आवाजाही में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस स्थिति में सबसे अधिक परेशानी पैदल चलने वाले लोगों और स्कूली बच्चों को उठानी पड़ रही है, क्योंकि कई जगहों पर सड़क किनारे सुरक्षित स्थान ही नहीं बचा है। बुद्धिजीवी वर्ग और स्थानीय नागरिकों ने आरोप लगाया कि राष्ट्रीय राजमार्ग की भूमि पर धीरे-धीरे अतिक्रमण जैसा माहौल बनता जा रहा है। लोगों का कहना है कि इस समस्या को लेकर कई बार संबंधित विभागों और प्रशासन को अवगत करवाया जा चुका है, लेकिन अभी तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। इससे लोगों में नाराजगी बढ़ रही है।

स्थानीय निवासियों ने आशंका जताई है कि यदि समय रहते सड़क किनारे फैले इस सामान और कबाड़ को नहीं हटाया गया तो भविष्य में कोई बड़ा हादसा हो सकता है। लोगों ने उपायुक्त मंडी और संबंधित विभाग से मांग की है कि धनोटू क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे अवैध रूप से रखे गए भारी सामान और कबाड़ को तुरंत हटाकर सड़क को सुरक्षित बनाया जाए।

तबादले के खिलाफ कोर्ट जाने से रोकना असंवैधानिक : नरेश

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, मंडी। हिमाचल प्रदेश राज्य कर्मचारी महासंघ के प्रदेशाध्यक्ष नरेश ठाकुर ने प्रदेश सरकार द्वारा तबादलों के मामलों में कर्मचारियों को सीधे हाईकोर्ट जाने से रोकने तथा ऐसा करने पर अनुशासनात्मक कार्यवाही किए जाने के प्रावधान को गैर-कानूनी और असंवैधानिक बताया है। उन्होंने कहा कि किसी भी कर्मचारी को न्यायालय में याचिका दायर करने से रोकना, न्याय प्राप्त करने के उसके मौलिक अधिकार का हनन है। भारत के संविधान के अनुच्छेद 14 एवं 21 के तहत प्रत्येक नागरिक को समानता और न्याय पाने का अधिकार प्राप्त है।

न्यायालय की शरण लेना किसी भी व्यक्ति का संवैधानिक अधिकार है और इस अधिकार को प्रशासनिक आदेशों के माध्यम से सीमित नहीं किया जा सकता। नरेश ठाकुर ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा व्यापक मार्गदर्शक सिद्धांत-2013 (सीजीपी-2013) में संशोधन करते हुए फरवरी 2025 में जोड़ा गया पैरा 22(अ) कर्मचारियों के अधिकारों पर सीधा प्रहार है। नए प्रावधान के अनुसार यदि कोई कर्मचारी तबादले के खिलाफ सीधे हाईकोर्ट का रुख करता है तो उसके खिलाफ केंद्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम 1965 तथा अन्य लागू नियमों के तहत अनुशासनात्मक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान करने के बजाय उन्हें डराने और दबाने का प्रयास कर रही है। इस अधिकार को छीनने का कोई भी प्रयास लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है।

साहिल मिस्टर और बन्नो मिस फेयरवेल

नीलम कॉलेज ऑफ एजुकेशन जोगिंद्रनगर में फेयरवेल पार्टी आयोजित

अनंत ज्ञान

नीलम कॉलेज ऑफ एजुकेशन जोगिंद्रनगर में आयोजित फेयरवेल पार्टी के दौरान सम्मानित विद्यार्थी एवं उपस्थित कॉलेज प्रबंधन। अनंत ज्ञान

अंकित, जोगिंद्रनगर। नीलम कॉलेज ऑफ एजुकेशन बीएड जोगिंद्रनगर में फेयरवेल पार्टी का आयोजन बड़े उत्साह और हर्षोल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कॉलेज के निदेशक राजमल चौहान ने की, जबकि फाउंडर मेंबर नीलम चौहान विशेष रूप से उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, गीत-संगीत और मनोरंजक गतिविधियां प्रस्तुत कर समां बांध दिया। विद्यार्थियों ने अपने शानदार प्रदर्शन से उपस्थित सभी लोगों का भरपूर मनोरंजन किया।

इस अवसर पर विभिन्न उपाधियों से भी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। साहिल को 'मिस्टर फेयरवेल' तथा बन्नो को 'मिस फेयरवेल' चुना गया। वहीं अभिषेक को 'मिस्टर पर्सनालिटी' और यामिनी को 'मिस पर्सनालिटी' के खिताब से नवाजा गया। कॉलेज निदेशक राजमल चौहान ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि जीवन में सफलता के लिए अनुशासन, मेहनत और सकारात्मक सोच बेहद जरूरी है। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों और शिक्षकों ने कॉलेज में बिताए सुनहरे पलों और पुरानी यादों को साझा किया। भावुक माहौल के बीच सभी ने एक-दूसरे के साथ बिताए समय को यादगार बताया।

कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देकर कार्यक्रम का समापन किया गया।

सरकाघाट में एलपीजी सिलेंडरों की कमी अस्थायी : संजीव वर्मा

अनंत ज्ञान

सरकाघाट। हिमाचल प्रदेश स्टेट सिविल सप्लाइज कॉरपोरेशन लिमिटेड के क्षेत्रीय कार्यालय मंडी ने सरकाघाट क्षेत्र में घरेलू एलपीजी गैस सिलेंडरों की मांग और आपूर्ति में आए असंतुलन को लेकर स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा है कि उपभोक्ताओं को राहत प्रदान करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। क्षेत्रीय प्रबंधक संजीव कुमार वर्मा ने बताया कि वर्तमान समय में पूरे प्रदेश में घरेलू गैस सिलेंडरों की मांग सामान्य से अधिक बढ़ी है, जबकि आपूर्ति अपेक्षाकृत कम प्राप्त हो रही है। इसी कारण कई क्षेत्रों में उपभोक्ताओं को गैस सिलेंडर मिलने में देरी का सामना करना पड़ रहा है।

उन्होंने बताया कि सरकाघाट एलपीजी एजेंसी क्षेत्र में प्रतिमाह औसतन लगभग 35 एलपीजी लोड की आवश्यकता रहती है, लेकिन 19 मई 2026 तक केवल 13 लोड ही प्राप्त हो पाए हैं। एक एलपीजी लोड में लगभग 342 गैस सिलेंडर होते हैं। यह आपूर्ति धर्मपुर तथा गोपालपुर (सरकाघाट) विकास खंडों के उपभोक्ताओं में वितरित की जाती है। क्षेत्रीय प्रबंधक ने कहा कि सीमित स्टॉक के बावजूद गैस सिलेंडरों का वितरण पूरी पारदर्शिता और सुव्यवस्थित तरीके से किया जा रहा है। ऑयल मार्केटिंग कंपनियों के दिशा-निर्देशों के अनुसार केवल डीएसी (एवं आधार सत्यापित उपभोक्ताओं को ही गैस सिलेंडर उपलब्ध करवाए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि विभाग द्वारा उपलब्ध स्टॉक का निष्पक्ष वितरण सुनिश्चित करने के लिए लगातार निगरानी रखी जा रही है, ताकि अधिक से अधिक उपभोक्ताओं को समय पर सुविधा मिल सके। साथ ही इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन से अतिरिक्त एलपीजी लोड उपलब्ध करवाने का लगातार आग्रह किया जा रहा है।

शिक्षा में हिमाचल की उड़ान, सुधारों और दूरदर्शी नीतियों का परिणाम : दीपक शर्मा

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, मंडी। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा जारी परफॉर्मेंस ग्रेडिंग इंडेक्स (पीजीआई) 2.0, 2024-25 रैंकिंग में हिमाचल प्रदेश ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करवाई है। राज्यों में प्रदेश को तीसरा और केंद्र शासित प्रदेशों सहित कुल मिलाकर छठा स्थान प्राप्त हुआ है।

पीजीआई रैंकिंग में देश में पाया छठा स्थान

खास बात यह है कि हिमाचल ने पिछली रैंकिंग में 13वें स्थान से सीधे शीर्ष श्रेणी में पहुंचकर बड़ी छलांग लगाई है। इस उपलब्धि पर हिमाचल प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव दीपक शर्मा ने प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू और शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि यह सफलता प्रदेश सरकार की दूरदर्शी सोच, पारदर्शी कार्यशैली और शिक्षा क्षेत्र में किए गए प्रभावी सुधारों का प्रतिफल है। दीपक शर्मा ने कहा कि सरकार ने शिक्षा व्यवस्था में गुणवत्ता सुधार, शिक्षक प्रशिक्षण, जवाबदेही तय करने और स्कूलों में आधारभूत सुविधाओं को मजबूत करने की दिशा में लगातार गंभीर प्रयास किए हैं। यही कारण है कि हिमाचल प्रदेश ने एक वर्ष के भीतर 85.4 अंकों की उल्लेखनीय बढ़ोतरी दर्ज की है। उन्होंने कहा कि 'लर्निंग आउटकम्स एंड क्वालिटी' श्रेणी में प्रदेश का प्रदर्शन विशेष रूप से सराहनीय रहा है, जो दर्शाता है कि सरकार केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं है, बल्कि शिक्षा की वास्तविक गुणवत्ता सुधारने पर ध्यान दे रही है। प्रदेश के अधिकांश जिलों का उच्च प्रदर्शन श्रेणी में शामिल होना भी इसी दिशा में सकारात्मक संकेत माना जा रहा है।

दीपक शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के नेतृत्व में हिमाचल राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के लक्ष्यों की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है और आने वाले समय में गुणवत्तापूर्ण एवं समावेशी शिक्षा के क्षेत्र में देश के लिए आदर्श मॉडल बन सकता है। इस उपलब्धि के लिए विद्यार्थियों, शिक्षकों, अभिभावकों और शिक्षा विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भी शुभकामनाएं दीं।

मानव जीवन धूल की तरह है, रो-धोकर हम इसे कीचड़ बना देते हैं।
-बकुल वैद्य

संपादकीय

पंचायत चुनावों में बढ़ती सक्रियता

हिमाचल प्रदेश में इस बार पंचायत चुनावों को लेकर खासा उत्साह देखा जा रहा है। राज्य के नागरिकों में लोकतंत्र के प्रति जागरूकता और सक्रिय भागीदारी का एक नया वातावरण बनता दिखाई दे रहा है। पंचायत चुनावों में बढ़ती भागीदारी और उम्मीदवारों की संख्या इस बात का स्पष्ट संकेत है कि लोग अपने स्थानीय शासन और विकास में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

इस बार कई पंचायतों में प्रधान और उप-प्रधान पदों के लिए 10 से अधिक प्रत्याशी मैदान में उतरे हैं। इससे बैलेट पेपर की संख्या बढ़ गई और चुनाव आयोग को लगभग डेढ़ लाख बैलेट पेपर दोबारा प्रिंट करवाने पड़े। यह तथ्य ही स्पष्ट करता है कि स्थानीय प्रशासन और विकास के मुद्दों को लेकर लोगों में कितना उत्साह है। कांगड़ा जिले की पंजारा पंचायत में तो प्रधान पद के लिए सबसे अधिक 14 उम्मीदवार मैदान में हैं। उप प्रधान पद के लिए भी प्रतिस्पर्धा कम नहीं है। यही स्थिति पंचायत समिति और जिला परिषद स्तर पर भी देखने को मिल रही है।

मंडी जिले के बेहर वार्ड में जिला परिषद चुनाव के लिए 15 उम्मीदवार अपना भाग्य आजमा रहे हैं। बिलासपुर जिले के बम क्षेत्र में पंचायत समिति के लिए 11 प्रत्याशी चुनावी मैदान में हैं। यह सब इस बात का संकेत है कि स्थानीय स्तर पर लोगों में राजनीतिक जागरूकता और भागीदारी का स्तर बढ़ा है। लोग अपने प्रतिनिधियों के चयन में सीधे तौर पर शामिल होने के लिए तैयार हैं, ताकि उनके इलाके के विकास में योगदान कर सकें।

दूसरी ओर, हिमाचल में कुल 10854 पंचायत प्रतिनिधियों में से 176 प्रधान और 286 उप प्रधान निर्विरोध चुने गए हैं। इसके अलावा 131 पंचायतों के 23 सदस्य से लेकर प्रधान तकक निर्विरोध चुने गए। इन पंचायतों को सरकार द्वारा 25-25 लाख रुपए की प्रोत्साहन राशि दी जा रही है। निर्विरोध चुनावों के समर्थक तर्क देते हैं कि यह स्थानीय विकास के लिए लाभकारी हो सकता है, क्योंकि चुनाव प्रक्रिया में समय और संसाधन की बचत होती है। यदि कोई व्यक्ति निर्विरोध चुना जाता है, तो उसे बिना चुनावी विवाद और प्रतिस्पर्धा के अपने कार्यकाल के दौरान विकास कार्यों पर ध्यान केंद्रित करने का अवसर मिलता है।

हालांकि, लोकतांत्रिक दृष्टिकोण से यह प्रथा कुछ हद तक अनुचित है। लोकतंत्र की मूल भावना यही है कि जनता अपने प्रतिनिधियों का चयन स्वतंत्र रूप से करे। यदि जनता मतदान में सर्ि, य रूप से भाग नहीं लेती और किसी पद के लिए उम्मीदवार निर्विरोध चुने जाते हैं, तो चुनाव प्रक्रिया का उद्देश्य अधूरा रह जाता है। चुनाव केवल एक औपचारिक प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह जनता की सहभागिता और उसकी आवाज़ को सशक्त बनाने का जरिया है। जब लोग अपने वोट का प्रयोग नहीं करते, तो न केवल सही प्रतिनिधि का चयन प्रभावित होता है, बल्कि लोकतंत्र की गुणवत्ता पर भी प्रश्न उठते हैं।

लोकल प्रशासन में सक्रियता और प्रतिनिधियों का चयन सीधे तौर पर लोगों की भागीदारी पर निर्भर करता है। यदि लोगों ने अपने इलाके के विकास के लिए सही प्रतिनिधि का चयन किया, तो वह व्यक्ति स्थानीय प्रशासन में नए और प्रभावी कदम उठा सकता है। इस प्रकार के प्रतिनिधि सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा, पेयजल, बिजली और अन्य आधारभूत सुविधाओं को बेहतर करने के लिए काम कर सकते हैं। पंचायतों का मुख्य उद्देश्य ही यही है कि ग्रामीण और स्थानीय स्तर पर विकास कार्यों का सुचारु संचालन हो।

प्रतिस्पर्धात्मक चुनाव लोगों में जागरूकता बढ़ाते हैं। जब एक पद के लिए कई उम्मीदवार होते हैं, तो वे अपने चुनावी घोषणापत्र और विकास योजनाओं को जनता के सामने रखते हैं। इससे मतदाता को विकल्प मिलता है और वह सोच-समझ कर निर्णय ले सकता है। चुनावी प्रचार, जनसभाएं, और उम्मीदवारों से सीधे संवाद लोकतंत्र की मूल भावना को सशक्त बनाते हैं। मतदाता इस प्रक्रिया के माध्यम से अपने क्षेत्र की जरूरतों और समस्याओं को स्पष्ट रूप से सामने रख सकते हैं। इसके विपरीत, निर्विरोध चुने गए प्रतिनिधियों के मामले में यह प्रक्रिया अधूरी रह जाती है। यहां जनता का मत केवल औपचारिक रूप में जाता है।

जनता की सक्रिय भागीदारी के बिना, लोकतंत्र का मूल उद्देश्य अधूरा रह जाता है। इसलिए जरूरी है कि नागरिक अपने मतदान के अधिकार का उपयोग करें और सही उम्मीदवार का चयन करें। यह न केवल लोकतंत्र को मजबूत बनाता है, बल्कि स्थानीय विकास को भी गति प्रदान करता है। हिमाचल प्रदेश में पंचायत चुनावों की यह परिदृश्य यह भी दर्शाती है कि स्थानीय स्तर पर प्रशासन और विकास के मुद्दे लोगों की प्राथमिकता बन गए हैं।

आज की प्रमुख हस्ती

हिंदी व्यंग्य के अप्रतिम रचनाकार

शरद जोशी हिंदी साहित्य के ऐसे व्यंग्यकार थे जिन्होंने अपनी पैनी लेखनी से समाज, राजनीति और संस्कृति की विसंगतियों पर तीखा प्रहार किया। उनका जन्म 21 मई 1931 को उज्जैन में हुआ था और 5 सितंबर 1991 को मुंबई में उनका निधन हुआ। वे अपने समय के सबसे लोकप्रिय और प्रभावशाली व्यंग्य लेखकों में गिने जाते हैं। शरद जोशी ने प्रारंभ में व्यंग्य लेखन नहीं किया, लेकिन आलोचनाओं से प्रेरित होकर उन्होंने व्यंग्य को अपनी अभिव्यक्ति का माध्यम बनाया।

शरद जोशी
जन्म : 21 मई, 1931
मृत्यु : 5 सितंबर, 1991

उनकी रचनाओं में हास्य, चुटीलापन, कटाक्ष और सामाजिक सच्चाइयों का अद्भुत मेल देखने को मिलता है। वे साधारण घटनाओं के माध्यम से गहरी सामाजिक और राजनीतिक बात कहने की कला में निपुण थे। उन्होंने लगभग 25 वर्षों तक मंचों पर गद्य पाठ किया और व्यंग्य को लोकप्रिय साहित्यिक विधा के रूप में स्थापित किया। वर्ष 1968 में मुंबई के प्रसिद्ध 'चकल्लस' मंच पर गद्य पाठ करके वे अत्यधिक लोकप्रिय हुए। यह उस समय एक नई और अनूठी शुरुआत मानी गई। उनका व्यक्तित्व अत्यंत सरल और विचारशील था।

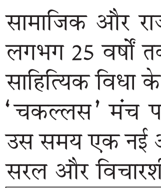

कविता

याद आता है...

डॉ. अशोक प्यारे लाल चौबे

यादों के सिलसिले में गांव याद आता है।
मौन है गांव का हर शख्स याद आता है।
लूट गया गांव गांव के कुछ हाथों से।
यह लूट देखकर बस लुटेरे याद आते हैं।
कफन में लिपट सबको एक दिन यात्रा पर जाना है।
खामोश होकर जिस रास्ते से जाना है।
गांव की टूटी सड़क बस अब याद आती है।
हाथों में शराब की बोतल लिए।
कुछ बिगड़े युवा गांव के याद आते हैं।
गांव के सब बूढ़े मौन हो गए।।
उनका गूंगा हो जाना याद आता है।
कुछ कंबल पर कुछ एक चादर पर।
बिकते गांव के आदमी याद आते हैं।
चुनाव में कौन पैसे पर, शराब पर बिकेगा।
हर शख्स मेरी आंखों में नजर आता है।
अपनों को धोखा देने वाले अपने याद आते हैं।

दक्षिण भारत : वाममंथी दलों का पतन, द्रविड़ को चुनौती

डॉ. पवन कुमार शर्मा
स्वतंत्र टिप्पणीकार

अनंत ज्ञान दैनिक समाचार पत्र

केरल में 2026 विधानसभा चुनाव में एलडीएफ सरकार के सत्ता से हटने के बाद, भारत के नक्शे पर एक भी राज्य ऐसा नहीं बचा जहां वामपंथी दलों का सीधा शासन हो। 1967 के बाद पहली बार ऐसा हुआ है जब वामपंथ के तीन गढ़ों- त्रिपुरा, पश्चिम बंगाल और केरल में से एक में भी वे सत्ता में नहीं हैं। यह चुनावी हार भारतीय राजनीति में लेफ्ट के खात्मे का संकेत है। केरल में लेफ्ट फ्रंट वैकल्पिक रूप से सत्ता में आता रहा है।

2021 में एलडीएफ ने 99 सीटें जीतकर इतिहास रचा था। यह पहली बार था जब वहां कोई गठबंधन लगातार दूसरी बार जीता, लेकिन 2024 लोकसभा चुनाव में एलडीएफ को 19 में से महज 1 सीटें मिली जबकि यूडीएफ को 18 सीटें। यह संकेत था कि 2026 विधानसभा में बदलाव होगा और ऐसा हुआ भी। केरल में एलडीएफ का वोट शेयर 2021 में 49% के मुकाबले गिरकर 2026 में 34% रह गया, जबकि यूडीएफ का वोट शेयर 38% से बढ़कर 48% हो गया यानी 10 प्रतिशत का उछाल।

भारत में वामपंथी दलों का राष्ट्रीय वोट शेयर बीते 35 वर्षों से लगातार गिर रहा है। 1989 लोकसभा चुनाव में लेफ्ट को 8.03 फीसदी वोट और 53 सीटें मिली थीं। 2014 लोकसभा में यह वोट शेयर घटकर 4.08 प्रतिशत और 10 सीटों तक सीमित हो गया। 2019 लोकसभा में लेफ्ट को महज 2.93 फीसदी वोट और 5 सीटें मिलीं। 2024 लोकसभा में यह घटकर 2.63 प्रतिशत और महज 7 सीटों तक सिमट गया। राष्ट्रीय परिदृश्य में वामपंथ के सिमटने के तीन मुख्य कारण हैं- पहला, क्षेत्रीय दलों का उदय। पश्चिम बंगाल में टीएमसी, त्रिपुरा में भाजपा, केरल में कांग्रेस ने वामपंथी मतदाता को खींचा। वामपंथी वोटर अब विचारधारा से ज्यादा सत्ता-विरोध और भ्रष्टाचार के मुद्दे पर वोट करता है। दूसरा, आर्थिक मॉडल की चुनौती। केरल में 94% साक्षरता है, लेकिन बेरोजगारी 12% है। वहीं, बीजेपी और कांग्रेस ने 'विकास+रोजगार' का नारा देकर युवाओं को आकर्षित किया।

तीसरा, राष्ट्रीय राजनीति में 2014 के बाद वामपंथी दलों ने कांग्रेस से दूरी बना ली। राष्ट्रीय बहस में आर्थिक मुद्दों की जगह पहचान, राष्ट्रवाद ने ले ली जहां वामपंथी नैरेटिव कमजोर पड़ता है। दक्षिण भारत के एक-दूसरे राज्य तमिलनाडु की राजनीति भारत में सबसे अलग रही है। यहां न तो कांग्रेस का एकाधिकार कभी पूरी तरह बना और न ही बीजेपी का सीधा प्रवेश हुआ।

इसका कारण है द्रविड़ आंदोलन और पेरियार ईवी रामासामी की विचारधारा जिसने बीते 80 वर्षों से राज्य की सत्ता को परिभाषित किया। तमिलनाडु की राजनीति की जड़ें 1920 के दशक में हैं रामासामी 'पेरियार' ने 1925 में आत्मसम्मान आंदोलन शुरू किया। इसका नारा था- ब्राह्मणवाद का विरोध, जाति व्यवस्था का उन्मूलन, महिलाओं की बराबरी और तर्कवाद। पेरियार ने हिंदी विरोध, मंदिरों में पुजारियों के एकाधिकार और आरक्षण की मांग को सबसे पहले उठाया। 1938 में हिंदी अनिवार्यता के खिलाफ आंदोलन में पेरियार की पत्नी नागम्माई और बहन मुथम्मल ने 1700 महिलाओं के साथ जेल भराव किया। इसी आंदोलन से सीएन अन्नादुराई निकले जिन्होंने 1949 में द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) बनाई। 1967 में DMK ने पहली बार कांग्रेस को हराया। इस चुनाव में DMK को 138 सीटें, कांग्रेस को 50 सीटें मिलीं। यह दक्षिण भारत में कांग्रेस की पहली बड़ी हार थी।

1967 के बाद तमिलनाडु में राजनीति दो ध्रुवों में बंट गई। एक तरफ पेरियार के तर्कवाद, तमिल पहचान और सामाजिक न्याय पर जोर के साथ DMK थी तो दूसरी ओर 1972 में एम. जी. रामचंद्रन द्वारा बनाई गई AIADMK यानी ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम। एमजीआर ने DMK से अलग होकर फिल्मी लोकप्रियता और अम्मा छवि से राजनीति की। AIADMK ने द्रविड़ पहचान मानी पर पेरियार की उग्रता को कम किया। तमिलनाडु की राजनीति में पिछले पांच दशकों से DMK और AIADMK का वर्चस्व रहा है। एमजी रामचंद्रन और जे. जयललिता के दौर में AIADMK मजबूत रही, जबकि एम. करुणानिधि और अब एमके स्टालिन के नेतृत्व में DMK सत्ता में बनी रही। इसी बीच सुपरस्टार रजनीकांत को लंबे समय तक राजनीति का संभावित चेहरा माना गया। रजनीकांत की लोकप्रियता, विशाल फैन बेस और आध्यात्मिक छवि उन्हें राजनीति में मजबूत दावेदार बना सकती थी। 2017 के एक सर्वे में करीब 30 फीसदी लोग उन्हें मुख्यमंत्री के रूप में देखना चाहते थे, लेकिन 2020 में स्वास्थ्य कारणों से उन्होंने चुनावी राजनीति से दूरी बना ली। बढ़ती उम्र, किडनी ट्रांसप्लांट और बूथ-स्तरीय संगठन की कमी उनकी बड़ी कमजोरियां रहीं।

तमिलनाडु की राजनीति केवल स्टार पावर पर नहीं चलती। यहां जाति, तमिल पहचान, आरक्षण और क्षेत्रीय मुद्दे निर्णायक भूमिका निभाते हैं। 2021 चुनाव में कमल हासन की पार्टी मक्कल निधि मय्यम को सीमित सफलता मिली, जिससे साफ हो गया कि लोकप्रियता से ज्यादा मजबूत संगठन जरूरी है। अब अभिनेता विजय की TVK तेजी से उभर रही है। ऐसे में रजनीकांत के लिए राजनीतिक जमीन तैयार करना पहले की तुलना में कहीं अधिक कठिन दिखाई देता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

मोबाइल टावर और बिजली की लाइनों से पक्षियों के अस्तित्व पर बढ़ता संकट

सुभाष चंद काशव
गांव जौवा, डाकघर गैहरा, तहसील व जिला चंबा (हि.प्र.)

अनंत ज्ञान दैनिक समाचार पत्र

प्रकृति ने पृथ्वी को असंख्य जीव-जंतुओं और वनस्पतियों से सजाया है। इनमें पक्षियों का संसार अत्यंत सुंदर, आकर्षक और महत्वपूर्ण माना जाता है। पक्षी केवल आकाश की शोभा ही नहीं बढ़ाते, बल्कि पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

वे बीजों का प्रसार करते हैं, कीटों की संख्या नियंत्रित करते हैं, फसलों की रक्षा करते हैं तथा जैव विविधता को बनाए रखते हैं। यदि पृथ्वी से पक्षियों का अस्तित्व समाप्त हो जाए तो प्रकृति का संतुलन बुरी तरह बिगड़ जाएगा। दुर्भाग्यवश आधुनिक तकनीकी विकास और मानव की बढ़ती सुविधाओं ने पक्षियों के जीवन पर गंभीर संकट खड़ा कर दिया है। विशेष रूप से मोबाइल टावरों, बिजली की उच्च वोल्टेज लाइनों और उनसे निकलने वाले विद्युत-चुंबकीय विकिरण का दुष्प्रभाव अब स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। आज गांव से लेकर शहर तक मोबाइल टावरों और बिजली की लाइनों का जाल तेजी से फैल चुका है। संचार और विद्युत व्यवस्था आधुनिक जीवन की आवश्यकता बन चुकी है, लेकिन इसका दुष्प्रभाव पर्यावरण और जीव-जगत पर भी पड़ रहा है। वैज्ञानिक अध्ययनों में पाया गया है कि मोबाइल टावरों से निकलने वाली रेडियो फ्रीक्वेंसी तरंगें पक्षियों की जैविक संरचना और व्यवहार को प्रभावित करती हैं। पक्षियों की दिशा पहचानने की क्षमता, प्रजनन प्रणाली और तंत्रिका तंत्र इन तरंगों से प्रभावित होते हैं। अनेक प्रवासी पक्षी पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र की सहायता से हजारों किलोमीटर की यात्रा करते हैं, लेकिन कृत्रिम विद्युत-चुंबकीय तरंगें उनके प्राकृतिक संकेतों में बाधा उत्पन्न कर देती हैं। परिणामस्वरूप वे रास्ता भटक जाते हैं, दुर्घटनाग्रस्त हो जाते हैं या अत्यधिक थकान के कारण मर जाते हैं। भारत में कभी घरों के आंगन में चहकने वाली गौरैया आज दुर्लभ होती जा रही है। गांवों और शहरों में गिद्ध, तोते, मैना, कबूतर और उल्लू जैसे पक्षियों की संख्या लगातार घट रही है।

माना जाता है कि मोबाइल टावरों से निकलने वाला विकिरण इनके अंडों और बच्चों के विकास को प्रभावित करता है। अंडों का विकास रुक जाता है और बच्चों के जीवित रहने की संभावना कम हो जाती है। गौरैया जैसी छोटी पक्षियों पर इसका प्रभाव अधिक देखा गया है, क्योंकि वे मानव बस्तियों के आसपास रहती हैं जहां मोबाइल टावरों की संख्या अधिक होती है। बिजली की उच्च वोल्टेज लाइनें भी पक्षियों के लिए अत्यंत खतरनाक सिद्ध हो रही हैं। बड़े पक्षी जैसे गिद्ध, चील, सारस और हंस जब बिजली के तारों पर बैठते हैं या उड़ते समय दो तारों के संपर्क में आ जाते हैं, तब उन्हें करंट लग जाता है। कई पक्षी तुरंत मर जाते हैं, जबकि अनेक घायल होकर बाद में दम तोड़ देते हैं। कोहरे, बारिश और अंधेरे के समय पक्षियों को बिजली की तारें स्पष्ट दिखाई नहीं देतीं, जिससे टकराव की घटनाएं बढ़ जाती हैं। विश्व स्तर पर प्रतिवर्ष लाखों पक्षी बिजली की लाइनों से टकराकर या करंट लगने से मारे जाते हैं।

मोबाइल टावरों और बिजली की लाइनों का प्रभाव केवल पक्षियों की संख्या तक सीमित नहीं है, बल्कि उनके व्यवहार पर भी पड़ता है। वैज्ञानिक अध्ययनों में पाया गया है कि विकिरण के कारण पक्षियों की चहचहाहट, घोंसला बनाने की आदत और भोजन खोजने की क्षमता प्रभावित होती है। कई पक्षी मोबाइल टावरों के आसपास घोंसला बनाने से बचते हैं।

उनकी प्रतिरक्षा क्षमता भी कमजोर हो जाती है, जिससे वे बीमारियों के प्रति अधिक संवेदनशील हो जाते हैं। इसके अतिरिक्त शहरीकरण और पेड़ों की कटाई ने भी पक्षियों के प्राकृतिक आवास नष्ट कर दिए हैं। जहां पहले घने जंगल और पेड़ होते थे, वहां अब मोबाइल टावर और बिजली के खंभे दिखाई देते हैं। जब प्राकृतिक आवास कम होते हैं और ऊपर से विकिरण तथा बिजली की तारों का खतरा बढ़ता है, तब पक्षियों के अस्तित्व पर दोहरा संकट उत्पन्न हो जाता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

जल संरक्षण और पर्यावरण संकट : हिमाचल के अस्तित्व पर बढ़ता खतरा

सुखदेव सिंह
स्वतंत्र लेखक, नूरपुर, जिला कांगड़ा

अनंत ज्ञान दैनिक समाचार पत्र

हिमाचल प्रदेश को देवभूमि और प्राकृतिक सौंदर्य के लिए जाना जाता है, लेकिन आज जिस प्रकार राज्य में गर्मी का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है, उसे देखकर यह विश्वास करना कठिन हो जाता है कि यह एक पहाड़ी राज्य है।

हिम और आंचल से बने हिमाचल प्रदेश का अस्तित्व अब पर्यावरणीय संकट के कारण खतरे में दिखाई देने लगा है। हर वर्ष बढ़ती प्राकृतिक आपदाएं, भूस्खलन, जंगलों की कटाई और जल स्त्रोतों का सूखना इस संकट को और गंभीर बना रहे हैं।

राज्य में विकास कार्यों, सड़क चौड़ीकरण और अवैध खनन के कारण पर्यावरण को भारी नुकसान पहुंचा है। पहाड़ों का कटाव बढ़ रहा है और जंगल तेजी से समाप्त होते जा रहे हैं। पेड़ों की लगातार घटती संख्या के कारण वर्षा का चक्र भी प्रभावित हो रहा है। समय पर बारिश न होने से किसानों की फसलें सूखे की भेंट चढ़ रही हैं और लोग खेती-बाड़ी से विमुख होते जा रहे हैं। जल संरक्षण आज सबसे बड़ी आवश्यकता बन चुका है। सरकारें करोड़ों रुपए खर्च करके जल स्त्रोतों, तालाबों, कुओं और वाटर टैंकों का निर्माण तो करवा रही हैं, लेकिन जल स्तर लगातार नीचे जाने के कारण इनका अपेक्षित लाभ जनता को नहीं मिल पा रहा। कई हैंडपंप, नलकूप और वाटर सप्लाई योजनाएं बिना पानी के सफेद हाथी बनकर रह गई हैं। गर्मियों के आते ही प्रदेश के कई क्षेत्रों में पेयजल संकट गहरा जाता है।

जल शक्ति विभाग की कार्यप्रणाली पर भी प्रश्न उठ रहे हैं। जगह-जगह पाइपों से पानी का रिसाव होता रहता है, लेकिन समय रहते मरम्मत नहीं की जाती। ऐसे में जल संरक्षण अभियानों की सार्थकता पर सवाल खड़े होना स्वाभाविक है। पानी की एक-एक बूंद आज अमूल्य बन चुकी है, फिर भी हम उसके महत्व को सही ढंग से समझ नहीं पा रहे।

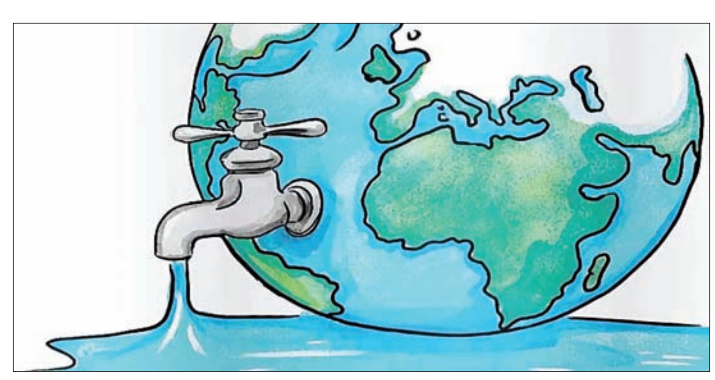

अवैध खनन भी जल संकट का एक बड़ा कारण बन चुका है। खड्डों और नदियों में अत्यधिक खनन के कारण भूजल स्तर तेजी से नीचे जा रहा है। जिन क्षेत्रों में कभी वर्षभर पानी बहता था, वहां अब सूखी धरती दिखाई देती है। नहरों, कूहलों और नलकूपों में पानी की कमी के कारण खेती की सिंचाई प्रभावित हो रही है। यदि समय रहते इस समस्या का समाधान नहीं किया गया, तो भविष्य में लोगों को पानी भी सीमित मात्रा में खरीदकर लेना पड़ सकता है। जंगलों में हो रही अवैध कटाई और आगजनी ने भी पर्यावरण संतुलन बिगाड़ दिया है। पेड़ केवल ऑक्सीजन ही नहीं देते, बल्कि पहाड़ों को मजबूती से बांधे रखने का कार्य भी करते हैं। पेड़ों की जड़ें मिट्टी को कटने से बचाती हैं। जब जंगल कम होते हैं, तो भूस्खलन और प्राकृतिक आपदाएं बढ़ जाती हैं। इसलिए पेड़ों का संरक्षण केवल पर्यावरण ही नहीं, बल्कि मानव जीवन की सुरक्षा के लिए भी आवश्यक है। आज आवश्यकता इस बात की है कि सरकार और जनता मिलकर जल संरक्षण और पर्यावरण सुरक्षा के लिए गंभीर प्रयास करें। स्कूलों और कॉलेजों में राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) जैसी इकाइयों के माध्यम से नियमित पौधरोपण अभियान चलाए जाने चाहिए। जल शक्ति विभाग को सार्वजनिक स्थानों पर व्यर्थ बह रहे पानी को रोकने के लिए विशेष अभियान चलाने होंगे। साथ ही ऐसे पेड़ों के रोपण को बढ़ावा देना चाहिए जो जल संरक्षण में सहायक हों।

हिमाचल प्रदेश का भविष्य तभी सुरक्षित रह सकता है जब जल स्त्रोतों, जंगलों और प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा की जाए। पेड़ों की कटाई और अवैध खनन पर कठोर रोक लगाकर ही बिगड़ते पर्यावरण और जल संकट से मानवता को बचाया जा सकता है। यदि आज हम नहीं जागे, तो आने वाली पीढ़ियों को इसका गंभीर परिणाम भुगतना पड़ेगा।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

नीट परीक्षा का रद्द होना छात्रों के भविष्य पर मंडराता चिंता का संकट

प्रो. मनोज डोगरा
राजकीय महाविद्यालय, बड़सर

अनंत ज्ञान दैनिक समाचार पत्र

भारत में मेडिकल शिक्षा प्राप्त करने का सपना देखने वाले लाखों विद्यार्थियों के लिए राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (NEET) केवल एक परीक्षा नहीं, बल्कि उनके उज्ज्वल भविष्य की पहली सीढ़ी है। हर वर्ष देशभर से लाखों छात्र कठिन परिश्रम, त्याग और समर्पण के साथ इस परीक्षा की तैयारी करते हैं। ऐसे में यदि परीक्षा रद्द होने की खबर सामने आती है, तो यह केवल एक प्रशासनिक निर्णय नहीं रह जाता, बल्कि छात्रों के सपनों, मानसिक स्थिति और भविष्य पर गहरा प्रभाव डालने वाली घटना बन जाती है।

हाल के वर्षों में नीट परीक्षा को लेकर पेपर लीक, अनियमितताओं और पारदर्शिता की कमी जैसे आरोपों ने पूरे देश में चिंता का वातावरण पैदा किया है। लाखों विद्यार्थी और उनके अभिभावक असमंजस की स्थिति में हैं कि उनके भविष्य का क्या होगा। यह स्थिति छात्रों के लिए अत्यंत तनावपूर्ण और निराशाजनक बन जाती है। नीट परीक्षा की तैयारी कोई सामान्य प्रक्रिया नहीं है। छात्र कई वर्षों तक कोचिंग संस्थानों में अध्ययन करते हैं, दिन-रात मेहनत करते हैं और अपने सामाजिक जीवन से दूरी बनाकर केवल अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करते हैं। कई परिवार अपनी आर्थिक स्थिति कमजोर होने के बावजूद बच्चों की पढ़ाई पर लाखों रुपए खर्च करते हैं। ऐसे में यदि परीक्षा रद्द होती है, तो यह छात्रों की वर्षों की मेहनत पर पानी फेरने जैसा महसूस होता है। उन्हें फिर से उसी मानसिक दबाव और तैयारी की प्रर्ि, या से गुजरना पड़ता है, जिससे उनका आत्मविश्वास प्रभावित हो सकता है।

आज का प्रतिस्पर्धात्मक दौर पहले ही विद्यार्थियों के लिए अत्यधिक तनावपूर्ण है। नीट जैसी कठिन परीक्षा के कारण छात्र लंबे समय तक मानसिक दबाव में रहते हैं। परीक्षा देने के बाद जब उन्हें थोड़ी राहत मिलने की उम्मीद होती है, तब परीक्षा रद्द होने की खबर उनके लिए गहरा मानसिक आघात बन सकती है। कई छात्र चिंता, निराशा और अवसाद का शिकार हो सकते हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि परीक्षा संबंधी अनिश्चितता युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव डालती है। इसलिए अभिभावकों और शिक्षकों की जिम्मेदारी है कि वे विद्यार्थियों को भावनात्मक समर्थन दें और उनका मनोबल बनाए रखें।

नीट परीक्षा में बार-बार सामने आने वाली अनियमितताएँ शिक्षा व्यवस्था की विश्वसनीयता पर भी गंभीर प्रश्न खड़े करती हैं। यदि देश की सबसे महत्वपूर्ण प्रवेश परीक्षाओं में ही निष्पक्षता सुनिश्चित नहीं हो पा रही, तो छात्रों का भरोसा शिक्षा प्रणाली और सरकारी संस्थाओं दोनों पर कम होने लगता है। यह स्थिति पूरे शिक्षा तंत्र के लिए चिंताजनक संकेत है। इसलिए आवश्यक है कि संबंधित एजेंसियां पूरी पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ जांच करें तथा दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करें।

परीक्षा रद्द होने का सबसे अधिक असर ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों पर पड़ता है। कई विद्यार्थी दूर-दराज़ के क्षेत्रों से परीक्षा केंद्रों तक पहुंचने के लिए लंबी यात्राएँ करते हैं और अतिरिक्त खर्च उठाते हैं। यदि परीक्षा दोबारा आयोजित होती है, तो उन्हें फिर से यात्रा, आवास और तैयारी पर खर्च करना पड़ता है। यह उनके परिवारों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डालता है।

इस गंभीर समस्या का समाधान केवल परीक्षा रद्द करना नहीं, बल्कि परीक्षा प्रणाली को पूरी तरह सुरक्षित और पारदर्शी बनाना है। इसके लिए डिजिटल सुरक्षा को मजबूत करना, परीक्षा केंद्रों पर निगरानी बढ़ाना, तकनीकी साधनों का उपयोग करना और दोषियों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई करना आवश्यक है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

अनंत ज्ञान
प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक डॉ. दिलीप धाकड़ द्वारा फोकस हिमाचल मीडिया प्रा. लि. के लिए बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित एवं प्रकाशित। समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद धर्मशाला न्यायालय के अधीन होंगे।
आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN/25/A0284
ई-मेल : anantgyaanmedia@gmail.com
फोन नंबर : 01892-299098

खूबसूरत अंदाज में ईवा लिस

जर्मनी। ईवा लिस अपने देश की नंबर-एक टेनिस खिलाड़ियों में शामिल हैं। उन्होंने दुबई में हुए डब्ल्यूटीए 1000 चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम किया था। उनके पिता व्लादिमीर एक पूर्व टेनिस खिलाड़ी रह चुके हैं। ईवा लिस के खूबसूरती के चर्चे हर जगह होते हैं।

आईपीएल गिल-सुदर्शन की फॉर्म बनी सीएसके की सबसे बड़ी चुनौती

टॉप-2 के लिए गुजरात तैयार, चेन्नई पर बाहर होने का खतरा

एजेंसी, अहमदाबाद

प्लेऑफ में अपनी जगह पहले ही पक्की कर चुकी गुजरात टाइटंस की टीम वीरवार को यहां चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ होने वाले आईपीएल मुकाबले में जीत दर्ज कर शीर्ष दो में अपनी स्थिति मजबूत करने के इरादे से उतरेगी। लीग चरण में शीर्ष दो स्थानों पर रहने वाली टीमों को फाइनल में पहुंचने के दो मौके मिलते हैं, ऐसे में यह मुकाबला गुजरात के लिए बेहद अहम माना जा रहा है।

गुजरात टाइटंस के फिलहाल 16 अंक हैं और टीम अंक तालिका में दूसरे स्थान पर बनी हुई है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु 18 अंकों के साथ शीर्ष पर है, जबकि सनराइजर्स हैदराबाद भी 16 अंकों के साथ टॉप-2 की दौड़ में शामिल है। गुजरात अगर चेन्नई के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज करता है तो वह नेट रन रेट में भी आरसीबी को पीछे छोड़ सकता है।

दूसरी ओर, चेन्नई सुपर किंग्स के लिए यह मुकाबला करो या मरो जैसा है। पिछले मैच में सनराइजर्स हैदराबाद से मिली हार के बाद पांच बार की चैंपियन टीम की प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें बेहद कमजोर हो गई हैं। रुतुराज गायकवाड़ की कप्तानी वाली टीम को न सिर्फ यह मैच जीतना होगा, बल्कि अन्य मुकाबलों के नतीजों पर भी निर्भर रहना पड़ेगा।

नरेंद्र मोदी स्टेडियम की पिच बल्लेबाजों के लिए मददगार मानी जाती है और ऐसे में गुजरात के कप्तान शुभमन गिल तथा साई सुदर्शन एक बार फिर टीम को मजबूत शुरुआत की उम्मीद जगाएंगे। दोनों बल्लेबाज इस सीजन शानदार फॉर्म में हैं और विपक्षी गेंदबाजों के लिए लगातार परेशानी बने हुए हैं। इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज जोस बटलर भी गुजरात की बल्लेबाजी को मजबूती दे रहे हैं।

गुजरात की गेंदबाजी में राशिद खान अहम भूमिका निभा सकते हैं। मध्य ओवरों में उनकी स्पिन सीएसके के बल्लेबाजों की कड़ी परीक्षा ले सकती है। वहीं चेन्नई के गेंदबाजों के सामने गिल-सुदर्शन की सलामी जोड़ी को जल्दी रोकने की बड़ी चुनौती होगी। दोनों टीमों के बीच अब तक मुकाबला बराबरी का रहा है। हालांकि इस सीजन के पहले मैच में गुजरात ने चेन्नई को आठ विकेट से हराया था, जिससे टीम का मनोबल ऊंचा है। (अनंत ज्ञान)

मैच : शाम 7.30 बजे से

संभावित टीमें

चेन्नई सुपर किंग्स: रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), डेवाल्ड ब्रेविस, एमएस धोनी (विकेटकीपर), कार्तिक शर्मा (विकेटकीपर), सरफराज खान, उर्विल पटेल (विकेटकीपर), संजू सैमसन (विकेटकीपर), अमन खान, शिवम दुबे, डियान फॉरेस्टर, जैक फॉल्क्स, अंशुल कंबोज, मैकनील नोरोन्हा, मैथ्यू शॉर्ट, प्रशांत वीर, राहुल चाहर, श्रेयस गोपाल, गुरजापनीत सिंह, मैट हेनरी, अकील हुसैन, स्पेंसर जॉनसन, आकाश मधवाल, मुकेश चौधरी, नूर अहमद, कुलदीप यादव।

गुजरात टाइटंस: शुभमन गिल (कप्तान), अनुज रावत (विकेटकीपर), अरशद खान, अशोक शर्मा, जोस बटलर (विकेटकीपर), कॉनर एस्टरहुइजन, गुरनूर बराड़, जेसन होल्डर, कुलवंत खेजरोलिया, कुमार कुशाग्र, मोहम्मद सिराज, ग्लेन फिलिप्स, प्रसिद्ध कृष्णा, कैगिसो रबाडा, राशिद खान, साई किशोर, साई सुदर्शन, शाहरुख खान, ईशांत शर्मा, निशांत सिंधु, मानव सुथार, राहुल तेवतिया, वाशिंगटन सुंदर, ल्यूक वुड, जयंत यादव।

कमेंटेटरों पर भड़के रियान बोले-क्रिकेट की बात करें

एजेंसी, जयपुर

राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रियान पराग ने आईपीएल के दौरान निजी तौर पर निशाना बनाए जाने पर टीवी कमेंटेटरों और विशेषज्ञों को करारा जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों का सम्मान होना चाहिए और चर्चा केवल क्रिकेट तक सीमित रहनी चाहिए।

लखनऊ सुपर जायंट्स पर सात विकेट की जीत के बाद पराग ने कहा कि खिलाड़ी हर मैच में अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करते हैं, लेकिन खराब प्रदर्शन के बाद उन पर सवाल उठाना आसान होता है। उन्होंने कहा, 'अगर कोई टीम 75 या 80 रन पर आउट हो जाती है तो लोग तुरंत कह देते हैं कि उन्हें खेलना नहीं आता, लेकिन इसके पीछे की मेहनत कोई नहीं देखता।'

हाल ही में ड्रेसिंग रूम में वेपिंग करते हुए दिखने के बाद भी पराग आलोचनाओं के घेरे में रहे थे। इस पर उन्होंने कहा कि बाहरी बातें उनके खेल या मानसिकता को प्रभावित नहीं करतीं। उन्होंने कहा, 'पिछले चार साल में मैंने समझ लिया है कि लोग कुछ न कुछ बोलते रहेंगे। कीबोर्ड पर बैठकर आलोचना करने वाले बाहरी लोग हैं।' पराग ने कहा कि क्रिकेट देश का सबसे बड़ा खेल है और इसके प्रति सम्मान का भाव होना चाहिए। उन्होंने कमेंटेटरों से अपील करते हुए कहा, 'क्रिकेट से प्यार करें और सिर्फ क्रिकेट की बात करें।'

वैभव सूर्यवंशी की जमकर की तारीफ

इस दौरान पराग ने युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने लखनऊ के खिलाफ 38 गेंद में 93 रन की विस्फोटक पारी को वैभव की सर्वश्रेष्ठ पारी बताया। पराग ने कहा कि कम उम्र के बावजूद वैभव की खेल समझ बेहद शानदार है। एलएसजी के मुख्य कोच जस्टिन लैंगर ने भी 15 वर्षीय वैभव की बल्लेबाजी को अद्भुत करार दिया। उन्होंने कहा कि अपने लंबे क्रिकेट करियर में उन्होंने बहुत कम युवा खिलाड़ियों को इतनी बेखौफ बल्लेबाजी करते देखा है। (अनंत ज्ञान)

स्पोर्ट्स विंडो

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज में नहीं खेलेंगे जमां और अयूब

एजेंसी, लाहौर। पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज फखर जमां और साइम अयूब चोटिल होने के कारण ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 30 मई से शुरू होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने बुधवार को कहा कि दोनों खिलाड़ियों को पीसीबी की मेडिकल टीम की देखरेख में 'रिहैबिलिटेशन' कार्यक्रम में शामिल होने की सलाह दी गई है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहला वनडे मैच रावलपिंडी में खेला जाएगा। अगले दो मैच दो और चार जून को लाहौर में खेले जाएंगे। बोर्ड ने इन खिलाड़ियों की चोट की प्रकृति और उनके ठीक होने में लगने वाले अपेक्षित समय के बारे में विस्तार से नहीं बताया। हालांकि, एक सूत्र ने बताया कि उन्हें घुटने और टखने में समस्या है। साहिबजादा फरहान को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज के लिए टीम में जगह मिलने की संभावना है, वहीं बाबर आजम को भी सलामी बल्लेबाज के तौर पर उतारने पर विचार किया जा रहा है। (अनंत ज्ञान)

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप तालिका में छठे स्थान पर खिसका भारत

एजेंसी, दुबई। बांग्लादेश का पाकिस्तान के खिलाफ अपनी घरेलू धरती पर खेली गई टेस्ट सीरीज में 2-0 से क्लीन स्वीप करने के कारण भारतीय क्रिकेट टीम को नुकसान हुआ है और वह नवीनतम विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) रैंकिंग में छठे स्थान पर खिसक गई है। बांग्लादेश ने पाकिस्तान को दूसरे टेस्ट मैच में 78 रन से हराया। इससे पहले उसने मीरपुर में पहला टेस्ट मैच 104 रन के बड़े अंतर से जीता था। इससे उसकी टीम अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के डब्ल्यूटीसी तालिका में नवीनतम अपडेट में भारत से आगे निकल गई है। बांग्लादेश के अब चार टेस्ट मैचों में दो जीत, एक हार और एक ड्रॉ के साथ 58.33 प्रतिशत अंक हैं, जबकि भारत के नौ टेस्ट मैचों में चार जीत, उतनी ही हार और एक ड्रॉ के साथ 48.15 अंक हैं। पहले दो विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने वाली भारतीय टीम अब एशियाई देशों की रैंकिंग में पाकिस्तान से ऊपर है। शुभमन गिल की अगुवाई वाली इस टीम ने इस साल अभी तक कोई टेस्ट मैच नहीं खेला है। (अनंत ज्ञान)

सुपर शतरंज क्लासिक: प्रज्ञानानंदा का सामना अब बोगदान-डेनियल से

एजेंसी, बुखारेस्ट। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा ग्रैंड शतरंज टूर्नामेंट की सुपर शतरंज क्लासिक के छठे दौर में रोमानिया के डिएक बोगदान-डेनियल के खिलाफ जीत दर्ज कर ड्रॉ के सिलसिले को तोड़ने की कोशिश करेंगे। पांच दौर के बाद जर्मनी के विन्सेंट कीमर 3.5 अंकों के साथ एकल बढ़त बनाए हुए हैं। प्रज्ञानानंदा, फैबियानो कारुआना, अनीश गिरी और जॉर्डन वैन फोरेस्ट तीन-तीन अंकों के साथ संयुक्त दूसरे स्थान पर हैं। प्रज्ञानानंदा ने अब तक एक जीत और चार ड्रॉ खेले हैं। दूसरे दौर में उन्होंने उज्बेकिस्तान के जावोखिर सिंदारोव को हराया था, लेकिन लगातार ड्रॉ के कारण उन पर दबाव बढ़ गया है। अगले दौर में भारतीय खिलाड़ी काले मोहरों से खेलेंगे। टूर्नामेंट के आगामी दौर प्रज्ञानानंदा के लिए चुनौतीपूर्ण माने जा रहे हैं, क्योंकि उन्हें कारुआना, मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव और गिरी जैसे मजबूत खिलाड़ियों से भिड़ना है। इस बीच कीमर शानदार फॉर्म में हैं और लाइव रेटिंग में चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं। (अनंत ज्ञान)

22 साल बाद आर्सेनल बना प्रीमियर लीग चैंपियन

एजेंसी, लंदन

आर्सेनल ने 22 साल बाद इंग्लिश प्रीमियर लीग फुटबॉल टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम कर लिया। मैनचेस्टर सिटी और बोर्नमाउथ के बीच मुकाबला 1-1 से ड्रॉ रहने के बाद मिकेल आर्टेटा की टीम चैंपियन बन गई। प्रीमियर लीग में अभी एक दौर के मैच बाकी हैं, लेकिन आर्सेनल ने 37 मैचों में 82 अंक के साथ ऐसी बढ़त बना ली है जिसे मैनचेस्टर सिटी अब पार नहीं कर सकता। सिटी के 37 मैचों में 78 अंक हैं।

आर्सेनल के खिलाड़ियों और प्रशंसकों ने खिताब जीतने का जमकर जश्न मनाया। मिडफील्डर डेक्लन राइस ने सोशल मीडिया पर टीम के जश्न की तस्वीर साझा करते हुए लिखा, 'मैंने कहा था न, हमने कर दिखाया।' सिटी को खिताब की दौड़ में बने रहने के लिए जीत जरूरी थी, लेकिन टीम ऐसा नहीं कर सकी। जूनियर क्रूपी के गोल से पिछड़ने के बाद एर्लिंग हालैंड ने स्टॉपेज टाइम में बराबरी दिलाई, मगर विजयी गोल नहीं हो पाया। एमिरेट्स स्टेडियम के बाहर हजारों प्रशंसकों ने पटाखे जलाकर और सड़कों पर उतरकर जीत का जश्न मनाया। क्लब के ट्रेनिंग ग्राउंड में भी खिलाड़ी एक साथ मैच देखते नजर आए। आर्सेनल की यह 2004 के बाद पहली लीग ट्रॉफी है। उसी साल टीम ने बिना कोई मैच हारे 'इनविंसिबल्स' के रूप में खिताब जीता था। यह क्लब का कुल 14वां प्रीमियर लीग खिताब है। अब आर्सेनल के पास चैंपियंस लीग जीतने का भी मौका है, जहां 30 मई को फाइनल में उसका सामना पेरिस सेंट जर्मेन से होगा। (अनंत ज्ञान)

बांग्लादेश ने पाकिस्तान को 78 रन से हराकर टेस्ट सीरीज में 2-0 से किया क्लीन स्वीप

एजेंसी, सिलहट (बांग्लादेश)

ताइजुल इस्लाम के छह विकेट की मदद से बांग्लादेश ने बुधवार को यहां दूसरे टेस्ट क्रिकेट मैच में पाकिस्तान को 78 रन से हराकर सीरीज में 2-0 से क्लीन स्वीप किया। पाकिस्तान की टीम 437 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 358 रन पर आउट हो गई। बांग्लादेश ने पहला टेस्ट मैच 104 रन से जीता था। पाकिस्तान ने मैच के पांचवें और अंतिम दिन सुबह अपनी दूसरी पारी सात विकेट पर 316 रन से आगे बढ़ाई लेकिन उसने 11.2 ओवर में अपने बाकी बचे विकेट गंवा दिए।

बाएं हाथ के स्पिनर ताइजुल ने पांचवें दिन गिरे तीन विकेटों में से दो विकेट लिए। उन्होंने 34.2 ओवरों में 120 रन देकर छह विकेट हासिल किए। पाकिस्तान ने पांचवें दिन सुबह 42 रन जोड़े, लेकिन उसने अपने अंतिम तीन विकेट 13 गेंदों में बिना कोई रन जोड़े गंवाए। इस तरह से बांग्लादेश ने पाकिस्तान के खिलाफ लगातार दूसरी बार सीरीज में क्लीन स्वीप किया। इससे पहले उसने 2024 में 2-0 से जीत हासिल की थी।

मोहम्मद रिजवान की जुझारु पारी भी पाकिस्तान के काम नहीं आई। रिजवान (94) ने दिन के तीसरे ओवर में नाहिद राणा (71 रन देकर दो विकेट) पर लगातार चौके लगाकर पाकिस्तान के इरादे स्पष्ट किए। साजिद खान (28) ने भी खुलकर रन बनाकर बांग्लादेश के गेंदबाजों पर दबाव बनाए रखा, लेकिन ताइजुल ने शानदार गेंदबाजी की। उन्होंने साजिद को आउट करके रिजवान के साथ उनकी 54 रन की साझेदारी को समाप्त किया। इस तरह से उन्होंने टेस्ट मैचों में 18वीं बार पारी में पांच विकेट लेने का कारनामा किया। अगले ओवर में रिजवान ने शोरिफुल इस्लाम की गेंद पर गली में कैच दे दिया। इसके बाद ताइजुल ने अगले ओवर में खुर्रम शहजाद को शून्य पर आउट करके पाकिस्तान की पारी समाप्त कर दी। (अनंत ज्ञान)

चांदी 3761 रुपए गिरी, सोना आज 1116 रुपए हुआ सस्ता

एजेंसी, नई दिल्ली। सोने-चांदी के दाम में आज यानी 20 मई को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, 1 किलो चांदी की कीमत 3,761 रुपए कम होकर 2.65 लाख रुपए पर आ गई है। वहीं, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 1,116 रुपए गिरकर 1.58 लाख रुपए हो गया है।

29 जनवरी को सोना 1.76 लाख और चांदी 3.86 लाख रुपए के ऑलटाइम हाई पर पहुंच गई थी। सोने में इस साल की शुरुआत में तेजी दिखी थी, लेकिन पिछले कुछ हफ्तों में मुनाफावसूली और वैश्विक कारणों से इसमें गिरावट आई है। (अनंत ज्ञान)

इसराइल का दक्षिणी लेबनान पर हमला, 15 लोगों की मौत

एजेंसी, बेरुत

12 गांव खाली करने की दी चेतावनी

इसराइल ने दक्षिणी लेबनान पर ताजा हवाई हमले करते हुए कम से कम 15 लोगों को मार गिराया। हमलों के बाद इसराइल ने दक्षिणी लेबनान और बेका घाटी के 12 गांवों को तुरंत खाली करने की चेतावनी जारी की है। हालांकि, कुछ मीडिया रिपोर्टों में मृतकों की संख्या 19 बताई जा रही है।

स्थानीय मीडिया के अनुसार, कफर सिर गांव में हुए हमले में दो महिलाओं समेत चार लोगों की मौत हो गई। वहीं देइर कानन अल-नहर में टाउन हॉल के पास एक घर पर किए गए हमले में सात लोग मारे गए, जिनमें चार बच्चे शामिल हैं। मलबे में दबे लोगों की तलाश जारी है। इसके अलावा हारौफ, फ्रौन और नबातीह क्षेत्रों में ड्रोन हमलों में भी कई लोगों की जान गई। एक हमले में नगरपालिका परिषद के सदस्य नासिर नासर की मौत हो गई, जबकि एक मोटरसाइकिल सवार भी मारा गया। रिपोर्ट के मुताबिक, इसराइली सैनिकों ने कफर हम्माम और कफर शुबा इलाके से सात लोगों को हिरासत में लिया था। इनमें चार सीरियाई मजदूरों को बाद में छोड़ दिया गया, जबकि तीन लोग अब भी हिरासत में बताए जा रहे हैं। 16 अप्रैल को संघर्षविराम लागू होने के बावजूद दक्षिणी लेबनान में इसराइल और हिजबुल्लाह के बीच तनाव लगातार बना हुआ है। (अनंत ज्ञान)

सेंसेक्स 118 अंक चढ़ा व निफ्टी में 41 अंक की तेजी

एजेंसी, मुंबई। सेंसेक्स बुधवार यानी 20 मई को 118 अंक चढ़कर 75,318 पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 41 अंकों की तेजी रही, ये 23,659 पर पहुंच गया। आज के कारोबार में ऑटो, रियल्टी और बैंकिंग शेयरों में सबसे ज्यादा तेजी रही। 19 मई को सेंसेक्स 114 अंक की गिरावट के साथ 75,201 पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 32 अंक की गिरावट रही, ये 23,618 पर बुद हुआ। आज के बैंकिंग, एफएमसीजी और मेटल शेयर्स में बिकवाली रही। वहीं आईटी, रियल्टी और मीडिया शेयर्स में ज्यादा खरीदारी रही। (अनंत ज्ञान)

कार्यालय कार्यकारी दण्डाधिकारी एवं तहसीलदार पधर जिला मंडी हिमाचल प्रदेश

श्रीमति सेती देवी पुत्री दिले राम उर्फ साधू राम गांव गवाहन डाकघर कुफरी तहसील पधर जिला मण्डी। ...प्रार्थी

बनाम आम जनता

...प्रत्यार्थी

विषय- दरखास्त जेर धारा 13 (3) जन्म व मृत्यु पंजीकरण अधिनियम 1969

आवेदक श्रीमति सेती देवी पुत्री दिले राम उर्फ साधू राम गांव गवाहन डाकघर कुफरी तहसील पधर जिला मण्डी हि. प्र. ने इस अदालत में प्रार्थना पत्र मय शपथ गुजारा है कि उसका नाम श्रीमति सेती देवी पुत्री दिले राम उर्फ साधू राम व जन्म दिनांक 01-01-1958 को हुआ है, जिसका इन्द्राज ग्राम पंचायत कुफरी, तहसील पधर, जिला मण्डी (हि.प्र.) में अज्ञानतावश दर्ज नहीं करवाया है।

अतः इस इश्तहार द्वारा आम व खास को सूचित किया जाता है कि यदि किसी को उक्त व्यक्ति की जन्म तिथि पंचायत रिकार्ड में दर्ज करने बारे कोई एतराज हो तो वह दिनांक 05-06-2026 को या इससे पूर्व अदालत में हाजिर होकर अपना एतराज पेश कर सकता है अन्यथा कोई एतराज प्राप्त ना होने की सूरत में सम्बन्धित सचिव, ग्राम पंचायत कुफरी, को उक्त प्रार्थी के जन्म तिथि दर्ज करने बारे आदेश जारी कर दिये जायेंगे।

आज दिनांक 19-05-2026 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी।

कार्यकारी दण्डाधिकारी एवं तहसीलदार पधर जिला मंडी हि.प्र.

व अदालत सहायक समाहर्ता प्रथम श्रेणी शाहपुर जिला कांगड़ा

मुकदमा- तक्सीम भूमि पेशी 16.06.2026

अदालती नोटिस

अतुल महाजन पुत्र श्री सोम प्रकाश महाजन पुत्र श्री संसार चंद निवासी महाल उपरला भन्यार मौजा भन्यार तहसील शाहपुर जिला कांगडा हि0प्र0। ...वादी

वनाम- विभुती कटयाल पुत्री ब्रहम प्रकाश, दीवान अंकुर पुत्र ब्रहम प्रकाश रोशनी देवी विध्वा दलो, रमेश कुमार, सुरेश कुमार, राकेश कुमार पुत्र श्री गरीब दास, श्रीमति सन्तोश कुमारी पुत्री गरीब दास, सुजाता रानी पुत्री गरीब दास महाल उपरला भन्यार मौजा भन्यार तहसील शाहपुर जिला कांगडा हि0प्र0। ...प्रतिवादीगण

विषय- ईशतहार के माध्यम से नोटिस वावत प्रार्थना पत्र वावत तक्सीम भूमि जेर धारा 123 हि0प्र0 राजस्व अधिनियम 1954 के तहत तक्सीम भूमि खाता न 117 खतोनी न0 166, 167 खसरा किता न0 3 रक्वा तदादी 0-66-97 है0 स्थित महाल उपरला भन्यार तहसील शाहपुर जिला कांगडा हि0प्र0 मताबिक जमाबंदी वर्ष 2015-16. उपरोक्त मुकदमा इस न्यायालय में विचाराधीन है जिसमें उपरोक्त में से कुछ प्रतिवादीगण को बार-बार समन जारी किए गए परन्तु उन प्रतिवादी को सामान्य तरीके से समन की तामीन नहीं हो पा रही है न ही उनका सही पता मालूम नहीं हो पा रहा है। अतः महाल उपरला भन्यार में ईशतहार के माध्यम से एक बार पुनः प्रतिवादीगण को सूचित किया जाता है कि इस वादग्रस्त भूमि की तक्सीम हेतु असालतन या वकालतन इस अदालत में दिनांक 16.06.2026 को दोपहार बाद 2 बजे इस न्यायालय में हाजिर आकर अपना एतराज दर्ज करवा सकते हैं। हाजिर न आने की स्थिति में एकतरफा कार्यवाही अमल में लाई जाकर आगामी आदेश पारित कर दिए जाएंगे ओर बाद में कोई भी उजर या एतराज जेरे समायत न होगा। आज दिनांक 08.05.26 को मेरी मोहर व हस्ताक्षर सहित जारी हुआ।

सहायक समाहर्ता प्रथम श्रेणी शाहपुर जिला कांगड़ा हि0प्र0।

मोदी ने मेलोनी को मेलोडी टॉफी की गिफ्ट, इटली में एक ही कार में घूमे

एजेंसी, रोम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इटली की पीएम जॉर्जिया मेलोनी को मेलोडी टॉफी गिफ्ट की। पीएम मेलोनी ने एक्स पर इस वीडियो को पोस्ट कर कहा- 'प्रधानमंत्री मोदी मेरे लिए गिफ्ट में बहुत-बहुत अच्छी टॉफी लेकर आए- मेलोडी। गिफ्ट के लिए थैंक्यू'।

पीएम मोदी अपने पांच देशों के दौरे के आखिरी चरण में इटली पहुंचे। वहां पीएम मेलोनी ने उनका स्वागत किया। दोनों रोम की सड़कों पर एक ही कार में घूमे और करीब 2000 साल पुराने ऐतिहासिक कोलोजियम का दौरा भी किया।

इससे पहले दोनों नेताओं ने साथ में डिनर भी किया और कई अहम मुद्दों पर अनौपचारिक बातचीत भी की। मेलोनी ने मोदी के साथ सेल्फी शेयर करते हुए लिखा, 'वेलकम माय फ्रेंड।' दोनों नेताओं की तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं।

पीएम मोदी ने एक्स पर मुलाकात की तस्वीर पोस्ट कर लिखा कि आज होने वाली औपचारिक बातचीत में भारत-इटली दोस्ती को और मजबूत करने पर चर्चा जारी रहेगी। दोनों नेताओं के बीच व्यापार, निवेश, एडवांस टेक्नोलॉजी और वैश्विक मुद्दों पर बातचीत होने की संभावना है। (अनंत ज्ञान)

स्कूल भवन समेत कई घर क्षतिग्रस्त, राहत-बचाव के लिए पुलिस टीम रवाना

नेपाल के हुम्ला में बाढ़-भूस्खलन से भारी तबाही

एजेंसी, काठमांडू

नेपाल के हिमाली जिला हुम्ला के चंखेली स्थित नेप्का गांव में आज सुबह अचानक बरसात के बाद आई बाढ़ और उसके बाद हुए भूस्खलन से चंखेली डांफे स्थित विद्यालय भवन सहित आसपास के कई घर क्षतिग्रस्त हो गए।

चंखेली के निवासी छक्क बहादुर तमांग के अनुसार, तेज बहाव ने विद्यालय भवन के साथ-साथ खेतीयोग्य जमीन और मवेशी भी बहा दिया। भूस्खलन में चंखेली के वडाध्यक्ष हर्कधन तमांग और धनसिंह तामाड के घर और मवेशी भी दब गए हैं। वहां मौजूद भेड़-बकरियों को भी नुकसान पहुंचा है।

जिला प्रहरी कार्यालय के प्रमुख डीएसपी शंकर खड्का ने बताया कि इस बाढ़ और भूस्खलन से हुई कुल क्षति का विस्तृत विवरण अभी प्राप्त नहीं हो सका है। उन्होंने जानकारी दी कि पुलिस टोली भूस्खलन प्रभावित क्षेत्र की ओर रवाना हो चुकी है।

हुम्ला सदरमुकाम सिमकोट के उत्तर-पूर्व में स्थित चंखेली गांवपालिका में तल्लो पाली, माथिल्लो पाली, पिप्लाड और नेप्का समेत चार गांव हैं। गांवपालिका के केंद्र पिप्लाड से काफी दूर स्थित नेप्का गांव तक पहुंचने के लिए करीब पांच घंटे पैदल यात्रा करनी पड़ती है। (अनंत ज्ञान)

अनंत Classifieds

नाम परिवर्तन

मैं, देविन्द्र कुमार (32 वर्ष) पुत्र श्री खौउद राम, निवासी गांव शिल्ह डा. खा. एवं उप-तहसील बागा चनोगी, जिला मंडी हि.प्र. घोषणा करता हूं मेरे पुत्र के आधार कार्ड में मेरे पुत्र का नाम खुबेंदर कुमार गलत दर्ज है। जबकि मेरे पुत्र का सही नाम खुबैन्द्र कुमार है। अतः आधार कार्ड में भी खुबेंदर कुमार के स्थान पर सही नाम खुबैन्द्र कुमार दर्ज किया जाए। सभी संबंधित नोट करें।

व अदालत सहायक समाहर्ता प्रथम श्रेणी शाहपुर जिला कांगड़ा

पेशी 16.06.2026 मुकदमा तक्सीम भूमि

अदालती नोटिस

अतुल महाजन पुत्र श्री सोम प्रकाश महाजन पुत्र श्री संसार चंद निवासी महाल उपरला भन्यार मौजा भन्यार तहसील शाहपुर जिला कांगडा हि0प्र0 स्थाई पता 1171 FF Sector 19 Panchkula ....वादी

वनाम- ओकांर चंद पुत्र श्री राम सरण, अनुज कुमार पुत्र श्री ओम प्रकाश, सोमा देवी पुत्री ओम प्रकाश, रपना देवी पुत्री ओम प्रकाश, सरोज कुमारी पत्नी श्री ओम प्रकाश, पवना कुमारी पत्नी श्री प्रताप चंद, रोहित कुमार पुत्र श्री प्रताप चंद, शिल्पा शर्मा पुत्री श्री प्रताप चंद, ताशत हजारी उर्फ हजारु बहितमान, विशन दास पुत्र श्री शिव लाल, विभुती कटयाल पुत्री ब्रहम प्रकाश, दीवान अंकुर पुत्र ब्रहम प्रकाश महाल नरघूणी मौजा मंझग्रा तहसील शाहपुर जिला कांगडा हि0प्र0। ...प्रतिवादीगण

विषय- ईशतहार के माध्यम से नोटिस वावत प्रार्थना पत्र वावत तक्सीम भूमि जेर धारा 123 हि0प्र0 राजस्व अधिनियम 1954 के तहत तक्सीम भूमि खाता न 65 मिन खतोनी न0 85, खसरा न0 248 रक्वा तदादी 0-19-38 है0 स्थित महाल नरघूणी मौजा मझंगा तहसील शाहपुर जिला कांगड़ा हि0प्र0 मताबिक जमाबंदी वर्ष 2017-18 उपरोक्त मुकदमा इस न्यायालय में विचाराधीन है जिसमें उपरोक्त में से कुछ प्रतिवादीगण को बार-बार समन जारी किए गए परन्तु उन प्रतिवादी को सामान्य तरीके से समन की तामीन नहीं हो पा रही है न ही उनका सही पता मालूम नहीं हो पा रहा है। अतः महाल नरघूणी में ईशतहार के माध्यम से एक बार पुनः प्रतिवादीगण को सूचित किया जाता है कि इस वादग्रस्त भूमि की तक्सीम हेतु असालतन या वकालतन इस अदालत में दिनांक 16.06. 2026 को दोपहार बाद 2 बजे इस न्यायालय में हाजिर आकर अपना एतराज दर्ज करवा सकते हैं। हाजिर न आने की स्थिति में एकतरफा कार्यवाही अमल में लाई जाकर आगामी आदेश पारित कर दिए जाएंगे ओर बाद में कोई भी उजर या एतराज जेरे समायत न होगा। आज दिनांक 08.05.26 को मेरी मोहर व हस्ताक्षर सहित जारी हुआ।

सहायक समाहर्ता प्रथम श्रेणी शाहपुर जिला कांगड़ा हि0प्र0।

व अदालत सहायक समाहर्ता प्रथम श्रेणी शाहपुर जिला कांगड़ा

मुकदमा तक्सीम भूमि पेशी 16.06.2026

अदालती नोटिस

नीरज महाजन पुत्र श्री सोम प्रकाश, अतुल महाजन पुत्र श्री सोम प्रकाश महाजन पुत्र श्री संसार चंद निवासी महाल नागन मौजा रिहलु तहसील शाहपुर जिला कांगड़ा हि0प्र0 स्थाई पता 1171 FF Sector 19 Panchkula (HR) ..वादी

वनाम- सुभाष चंद पुत्र श्री कांशी राम, श्रीमति नीशा देवी पुत्री कांशी राम, विभुती कटयाल पुत्री ब्रहम प्रकाश, दीवान अंकुर पुत्र ब्रहम प्रकाश महाल नागन मौजा रिहलु तहसील शाहपुर जिला कांगडा हि0प्र0। ...प्रतिवादीगण

विषय- ईशतहार के माध्यम से नोटिस वावत प्रार्थना पत्र वावत तक्सीम भूमि जेर धारा 123 हि0प्र0 राजस्व अधिनियम 1954 के तहत तक्सीम भूमि खाता न0 185 खतोनी न0 216, खसरा न0 518 रक्वा तदादी 00-44-98 है0 स्थित महाल नागन मौजा रिहलु तहसील शाहपुर जिला कांगडा हि0प्र0 मताबिक जमाबंदी वर्ष 2017-18 उपरोक्त मुकदमा इस न्यायालय में विचाराधीन है जिसमें उपरोक्त में से कुछ प्रतिवादीगण को बार-बार समन जारी किए गए परन्तु उन प्रतिवादी को सामान्य तरीके से समन की तामीन नहीं हो पा रही है न ही उनका सही पता मालूम नहीं हो पा रहा है। अतः महाल नागन में ईशतहार के माध्यम से एक बार पुनः प्रतिवादीगण को सूचित किया जाता है कि इस वादग्रस्त भूमि की तक्सीम हेतु असालतन या वकालतन इस अदालत में दिनांक 16.06. 2026 को दोपहार बाद 2 बजे इस न्यायालय में हाजिर आकर अपना एतराज दर्ज करवा सकते हैं। हाजिर न आने की स्थिति में एकतरफा कार्यवाही अमल में लाई जाकर आगामी आदेश पारित कर दिए जाएंगे ओर बाद में कोई भी उजर या एतराज जेरे समायत न होगा। आज दिनांक 08.05.26 को मेरी मोहर व हस्ताक्षर सहित जारी हुआ।

सहायक समाहर्ता प्रथम श्रेणी शाहपुर जिला कांगड़ा हि0प्र0।

व अदालत सहायक समाहर्ता प्रथम श्रेणी शाहपुर जिला कांगड़ा

मुकदमा तक्सीम भूमि पेशी 16.06.2026

अदालती नोटिस- नीरज महाजन पुत्र श्री सोम प्रकाश, अतुल महाजन पुत्र श्री सोम प्रकाश महाजन पुत्र श्री संसार चंद निवासी महाल नागन मौजा रिहलु तहसील शाहपुर जिला कांगडा हि0प्र0 स्थाई पता 1171 FF Sector 19 Panchkula (HR) ..वादी

वनाम- सुभाष चंद पुत्र श्री कांशी राम, श्रीमति नीशा देवी पुत्री कांशी राम, विभुती कटयाल पुत्री ब्रहम प्रकाश, दीवान अंकुर पुत्र ब्रहम प्रकाश महाल नागन मौजा रिहलु तहसील शाहपुर जिला कांगडा हि0प्र0। .. प्रतिवादीगण

विषय- ईशतहार के माध्यम से नोटिस वावत प्रार्थना पत्र वावत तक्सीम भूमि जेर धारा 123 हि0प्र0 राजस्व अधिनियम 1954 के तहत तक्सीम भूमि खाता न0 185 खतोनी न0 216, खसरा न0 518 रक्वा तदादी 00-44-98 है0 स्थित महाल नागन मौजा रिहलु तहसील शाहपुर जिला कांगडा हि0प्र0 मताबिक जमाबंदी वर्ष 2017-18 उपरोक्त मुकदमा इस न्यायालय में विचाराधीन है जिसमें उपरोक्त में से कुछ प्रतिवादीगण को बार-बार समन जारी किए गए परन्तु उन प्रतिवादी को सामान्य तरीके से समन की तामीन नहीं हो पा रही है न ही उनका सही पता मालूम नहीं हो पा रहा है। अतः महाल नागन में ईशतहार के माध्यम से एक बार पुनः प्रतिवादीगण को सूचित किया जाता है कि इस वादग्रस्त भूमि की तक्सीम हेतु असालतन या वकालतन इस अदालत में दिनांक 16.06. 2026 को दोपहार बाद 2 बजे इस न्यायालय में हाजिर आकर अपना एतराज दर्ज करवा सकते हैं। हाजिर न आने की स्थिति में एकतरफा कार्यवाही अमल में लाई जाकर आगामी आदेश पारित कर दिए जाएंगे ओर बाद में कोई भी उजर या एतराज जेरे समायत न होगा। आज दिनांक 08.05.26 को मेरी मोहर व हस्ताक्षर सहित जारी हुआ।

सहायक समाहर्ता प्रथम श्रेणी शाहपुर जिला कांगड़ा हि0प्र0।

रोहतांग के साथ अब 'शिंकुला दर्रा' बना सैलानियों की पहली पसंद

ठंडी वादियों में बर्फ के दीदार को भारी संख्या में उमड़ रहे पर्यटक, परमिट पड़े कम, बढ़ी भीड़

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, कुल्लू/केलांग। देशभर के मैदानी इलाकों में जहां सूरज आग उगल रहा है और लोग भीषण गर्मी की तपिश से बेहाल हैं। वहीं, कुल्लू-मनाली व लाहौल की ठंडी वादियां सैलानियों से गुलजार हो उठी हैं। मनाली और लाहौल-स्पीति में समर सीजन ने पूरी रफ्तार पकड़ ली है।

ताजा बर्फबारी के बाद बुधवार को जैसे ही धूप खिली, रोहतांग और शिंकुला दर्रे की वादियां चांदी की तरह चमक उठीं। मई के महीने में भी यहां बर्फ के फाहे गिर रहे हैं, जिससे मौसम बेहद सुहावना हो गया है। हमेशा से पर्यटकों की पहली पसंद रहने वाले रोहतांग दर्रे के साथ-साथ अब शिंकुला दर्रा भी सैलानियों की पहली पसंद बनने लगा है। इसके अलावा कुंजम व बारालाचा दर्रे में भी पर्यटक ताजा बर्फ की सफेद चादर में खूब अठखेलियां और मस्ती कर रहे हैं। दिन के समय पर्यटक अटल टनल, रोहतांग, सोलंगनाला, अंजनी महादेव, हिडिंबा माता मंदिर, मनु टेंपल के साथ-साथ लाहौल स्पीति जिले के कोकसर, शिंकुला और सिस्सू का रुख कर रहे हैं, जबकि शाम के समय मनाली के मॉल रोड पर पर्यटकों की भारी चहल-कदमी देखने को मिल रही है।

रोहतांग और शिंकुला दर्रे में बर्फ के बीच पर्यटक मस्ती करते हुए। अनंत ज्ञान

परमिट की बंदिशें, 1200 का आंकड़ा पड़ा छोटा

मनाली आने वाला हर पर्यटक रोहतांग दर्रे के दीदार किए बिना अपनी यात्रा को अधूरा समझ रहा है, लेकिन नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के निर्देशानुसार रोहतांग के लिए प्रतिदिन केवल 1200 वाहनों को ही परमिट दिया जा रहा है। पर्यटकों की भारी भीड़ के आगे अब यह संख्या बहुत कम पड़ने लगी है। परमिट की इस बंदिश के कारण कई पर्यटकों को निराश होना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों और पर्यटन व्यवसायियों का मानना है कि जिला प्रशासन को इस दिशा में पहल करते हुए समर सीजन के कुछ दिनों के लिए निर्धारित वाहनों की संख्या को बढ़ा देना चाहिए।

भारी ट्रैफिक जाम और खस्ताहाल सड़कें

एक तरफ जहां पर्यटन कारोबार चमकने से घाटी में रौनक है, वहीं दूसरी तरफ पर्यटकों और स्थानीय लोगों को गंभीर ट्रैफिक जाम की समस्या से जूझना पड़ रहा है। मनाली में सुबह और शाम के समय ट्रैफिक व्यवस्था पूरी तरह हांफ रही है। शाम के वक्त मनाली से लेकर नेहरूकुंड तक वाहनों की कई किलोमीटर लंबी लाइनें लग रही हैं। इस भारी जाम का मुख्य कारण मनाली के आसपास की सड़कों की खस्ता हालत है। सड़कों की मरम्मत न होने के कारण वाहनों की रफ्तार थम रही है, जिससे सैलानियों का कीमती समय जाम में बर्बाद हो रहा है। इस भारी भीड़ को नियंत्रित करने और चरमरा चुकी यातायात व्यवस्था को सुधारने की है।

चुनाव ड्यूटी में नियुक्त अधिकारी कर्मचारी आज कर सकेंगे मतदान

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, केलांग। पंचायतीराज समान्य निर्वाचन के सुचारु संचालन के लिए विकास खंड लाहौल के अंतर्गत चुनाव ड्यूटी में नियुक्त अधिकारियों/कर्मचारियों, जिनमें सेक्टर अधिकारी, सहायक निर्वाचन अधिकारी (एआरओ) पीठासीन अधिकारी, मतदान अधिकारी, पुलिस कर्मी तथा अन्य चुनाव ड्यूटी में नियुक्त कर्मचारी शामिल हैं, के लिए पोल ड्यूटी बैलेट पेपर के माध्यम से मतदान के लिए 21 मई को मतदान दिवस घोषित किया गया है। रिटर्निंग अधिकारी (पंचायत) एवं खण्ड विकास अधिकारी विकास खंड लाहौल विवेक गुलेरिया ने बताया कि यह मतदान केवल उन अधिकारियों/ कर्मचारियों के लिए मान्य है जो पंचायतीराज आम चुनाव, 2026 में चुनाव ड्यूटी पर तैनात होंगे तथा खंड लाहौल के मतदाता हैं, उनके लिए मतदान प्रक्रिया 21 मई को प्रातः 9 बजे से खंड विकास कार्यालय, केलांग के सम्मेलन कक्ष में आयोजित की जाएगी।

सभी संबंधित/कर्मचारी निर्धारित समय एवं स्थान पर अपने पहचान पत्र सहित उपस्थित होना सुनिश्चित करें और कहा कि मतदान प्रक्रिया निर्वाचन नियमों एवं राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार संपन्न की जाएगी। संबंधित अधिकारी मतदान प्रक्रिया का सुचारु संचालन सुनिश्चित करेंगे और सबंधित समस्त अभिलेखों का उचित संधारण करेंगे।

बंजार क्षेत्र के मशियार गांव में नशा माफिया पर स्पेशल टास्क फोर्स का बड़ा एक्शन

12 बीघा जमीन पर उगे 4.32 लाख अफीम के पौधे किए नष्ट

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, कुल्लू। हिमाचल प्रदेश में नशे के सौदागरों के खिलाफ स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने अपना अभियान जारी रखा है। इसी कड़ी में एसटीएफ कुल्लू ने एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम देते हुए बंजार क्षेत्र में लाखों रुपए की अवैध अफीम की खेती को पूरी तरह नेस्तनाबूद कर दिया। इसके साथ ही, बिलासपुर में नाकेबंदी के दौरान एक कार से चिट्टा भी बरामद किया गया है। जानकारी के अनुसार, एसटीएफ को गुप्त सूचना मिली थी कि बंजार क्षेत्र के बठाहड़ एरिया के मशियार गांव में बड़े पैमाने पर अफीम की अवैध खेती की जा रही है।

सूचना मिलते ही एसटीएफ कुल्लू की दो टीमों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए इलाके में दबिश दी। गहन तलाशी के दौरान करीब 12 बीघा निजी भूमि पर बने 30 सीढ़ीदार खेतों में अफीम की अवैध खेती पाई गई। टीम ने मौके पर से लगभग 4,32,522 अफीम के पौधे बरामद किए, जिन्हें नियमानुसार मौके पर ही नष्ट कर दिया गया। इस मामले में संलिप्त आरोपियों के खिलाफ थाना बंजार (कुल्लू) में एनडीपीएस (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है।

अब तक 10 लाख से ज्यादा पौधे किए जा चुके हैं नष्ट : एसटीएफ कुल्लू के उप पुलिस अधीक्षक हेमराज वर्मा ने बताया कि नशे के खिलाफ यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा। एसटीएफ की मुस्तैदी का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इस सीजन में अब तक करीब 37 बीघा निजी भूमि पर दबिश दी गई। कुल 10,58,985 अफीम के पौधे काटकर नष्ट किए जा चुके हैं। इस अवैध कारोबार में शामिल विभिन्न लोगों के खिलाफ अब तक 10 एफआईआर (अभियोग) दर्ज की जा चुकी हैं। डीएसपी हेमराज वर्मा ने लोगों से विशेषकर युवाओं से अपील की है कि वे चिट्टा या किसी भी प्रकार के नशे की तस्करी से जुड़ी जानकारी तुरंत हेल्पलाइन नंबर 112 या अपने नजदीकी पुलिस थाने में साझा करें। पुलिस ने साफ किया है कि सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान पूरी तरह से गोपनीय रखी जाएगी।

बंजार क्षेत्र में अवैध अफीम की खेती को नष्ट करने पहुंची टीम। अनंत ज्ञान

बिलासपुर में चिट्टे के साथ कुल्लू का युवक दबोचा

एसटीएफ की दूसरी टीम ने बीती रात करीब ढाई बजे बिलासपुर में एक और बड़ी सफलता हासिल की। नाकाबंदी के दौरान जब एक संदिग्ध कार (नंबर एचपी 01 एके 1352) को रोककर तलाशी ली गई, तो उसमें से 5.73 ग्राम चिट्टा बरामद हुआ। आरोपी की पहचान संदीप कुमार (35 वर्ष), पुत्र नंद लाल, निवासी गांव कलेहली डाकघर बजौरा, जिला कुल्लू के रूप में हुई है। आरोपी के खिलाफ पुलिस थाना बिलासपुर में मादक पदार्थ अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया है।

कुल्लू में जून माह में आयोजित होंगे दिव्यांग पुनर्वास मूल्यांकन शिविर : डॉ. जयबंती ठाकुर

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, कुल्लू। जिला दिव्यांगता पुनर्वास केंद्र कुल्लू द्वारा जून महीने में विभिन्न ग्राम पंचायतों में दिव्यांगजनों और वृद्धजनों के लिए 'दिव्यांगता पुनर्वास मूल्यांकन शिविरों' का आयोजन किया जाएगा। सहायक आयुक्त एवं नोडल अधिकारी डॉ. जयबंती ठाकुर ने बताया कि ये शिविर 10 जून को नरैश पंचायत घर में, 11 जून को पंचायत कलेहली के पंचायत घर में, 12 जून को सचानी पंचायत में और 13 जून को रोट पंचायत के अंतर्गत राजकीय प्राथमिक पाठशाला थरास में आयोजित किए जाएंगे।

ये सभी शिविर निर्धारित तिथियों को सुबह 10:00 बजे से शुरू होंगे। इन शिविरों में विशेषज्ञ डॉक्टरों और सहायकों की टीम मौजूद रहेगी, जिसमें सीनियर स्पीच थेरेपिस्ट, ऑडियोलॉजिस्ट, स्पेशल एजुकेटर, पीएंडओ तकनीशियन, एमआरडब्ल्यू और मोबिलिटी इंस्ट्रक्टर शामिल हैं। शिविरों के दौरान दिव्यांगजनों की पुनर्वास आवश्यकताओं का मूल्यांकन कर सरकारी योजनाओं के तहत उनके मामलों को आगे बढ़ाया जाएगा। जिन दिव्यांग व्यक्तियों के दिव्यांगता प्रमाण पत्र या यूडीडीआई कार्ड नहीं बने हैं, उन्हें चिन्हित कर कार्ड जारी करने की प्रक्रिया में सहायता दी जाएगी। शिविर में 6 वर्ष से कम उम्र के विकासात्मक देरी वाले बच्चों की पहचान की जाएगी और चलने-फिरने में सुनने में असमर्थ 60 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों की पहचान कर उन्हें सहायक उपकरण प्रदान किए जाएंगे। इसके अतिरिक्त, लोगों को दिव्यांगता से बचाव और शुरुआती पहचान के प्रति जागरूक भी किया जाएगा।

एनएचपीसी पार्वती परियोजना में दिलाई कर्मचारियों को स्वच्छता की शपथ

कार्यक्रम के दौरान मौजूद गणमान्य लोग। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, कुल्लू। एनएचपीसी पार्वती जलविद्युत परियोजना चरण-।। में 16 से 31 मई तक आयोजित किए जा रहे स्वच्छता पखवाड़ा 2026 के अंतर्गत नगवाईं कार्यालय परिसर में स्वच्छता शपथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर परियोजना प्रमुख रणजीत सिंह ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई। कार्यक्रम में परियोजना के वरिष्ठ अधिकारियों, कर्मचारियों तथा अन्य कार्मिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और स्वच्छता को जीवनशैली का हिस्सा बनाने का संकल्प लिया। स्वच्छता पखवाड़ा के दौरान परियोजना परिसर के साथ-साथ आसपास के विद्यालयों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इनमें स्वच्छता विषय पर सेमिनार, चित्रकला प्रतियोगिता, श्रमदान गतिविधियां, स्वच्छता रैली तथा नदी तटों की सफाई जैसे कार्यक्रम शामिल हैं। इसके अतिरिक्त 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अंतर्गत सामूहिक पौधरोपण कार्यक्रम भी आयोजित किया जाएगा, जिसके माध्यम से पर्यावरण संरक्षण और हरित विकास का संदेश दिया जाएगा। परियोजना प्रबंधन का उद्देश्य केवल कार्यालय परिसर तक स्वच्छता सीमित रखना नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग को इससे जोड़ना है। इस पखवाड़ा के माध्यम से लोगों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा जनभागीदारी को प्रोत्साहित करने का प्रयास किया जा रहा है। अधिकारियों ने कहा कि स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण के निर्माण में प्रत्येक नागरिक की महत्वपूर्ण भूमिका है तथा सामूहिक प्रयासों से ही स्वच्छ भारत के लक्ष्य को सफल बनाया जा सकता है।

कुल्लू के ब्रौ में आधी रात महिला के घर में घुसा अज्ञात युवक

गला दबाकर दी जान से मारने की धमकी, पुलिस जांच में जुटी

अनंत ज्ञान

निरमंड। कुल्लू जिले के ब्रौ क्षेत्र से एक बेहद सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां आधी रात को एक अज्ञात युवक ने घर में घुसकर अकेली महिला पर हमला कर दिया। आरोपी ने महिला का गला दबाकर उसे जान से मारने की धमकी भी दी।

इस खौफनाक घटना के बाद से पूरे इलाके में दहशत का माहौल बना हुआ है। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। पुलिस को दी गई शिकायत के अनुसार, शिमला जिले के कुमारसैन (गांव वडोगी) की रहने वाली कनिका शर्मा (पत्नी सिद्धांत भारद्वाज) बीते 18 मई को ब्रौ स्थित अपने मायके आई हुई थीं।

रात के समय वह अपने कमरे में अकेली सो रही थीं। तड़के करीब 12:00 से 12:30 बजे के बीच अचानक उनके कमरे की घंटी बजी। महिला ने जैसे ही दरवाजा खोला, सामने एक अज्ञात युवक खड़ा था। खतरे को भांपते हुए महिला ने तुरंत दरवाजा बंद करने की कोशिश की, लेकिन आरोपी ने जबरन धक्का देकर दरवाजा खोल दिया और कमरे के भीतर दाखिल हो गया।

शोर मचाने पर भागा आरोपी

कमरे में घुसते ही आरोपी ने महिला को दबोच लिया और उसका गला पकड़कर धमकी दी कि यदि उसने इस बारे में किसी को भी बताया तो वह उसे जान से मार डालेगा। इस बीच महिला ने हिम्मत दिखाते हुए शोर मचाना शुरू कर दिया। महिला की आवाज सुनकर जब तक परिजन और आसपास के लोग इकट्ठा होते, आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गया। घटना के तुरंत बाद परिजनों ने स्थानीय पुलिस को सूचित किया। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए भारतीय न्याय संहिता की धारा 332(सी) और 351(2) के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

क्या कहते हैं एसपी कुल्लू

पुलिस अधीक्षक कुल्लू, मदन लाल कौशल ने मामले की पुष्टि करते हुए कहा कि घटना बेहद गंभीर है और पुलिस इसकी गहनता से जांच कर रही है। आसपास के इलाकों में संदिग्धों से पूछताछ की जा रही है और आरोपी को दबोचने के लिए लगातार छापेमारी जारी है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

ऑनलाइन दवा बिक्री के विरोध में मेडिकल स्टोर रखे बंद

मेडिकल स्टोर बंद रहने से दवाइयों के लिए दर-दर भटके मरीज, कई जगहों पर हताश होकर लौटे

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, कुल्लू। ऑनलाइन दवा बिक्री के विरोध में बुधवार को पूरे देश के साथ-साथ जिला कुल्लू में भी दवाइयों की दुकानें पूरी तरह से बंद रहीं। यह देशव्यापी बंद 'अखिल भारतीय दवा विक्रेता संघ' के आह्वान पर किया गया। बंद के कारण आम जनता और मरीजों को बाजार में दवाइयां खरीदने के लिए भटकना पड़ा और कई जगहों पर लोग हताश होकर लौट गए।

हालांकि, राहत की बात यह रही कि क्षेत्रीय अस्पताल कुल्लू के भीतर स्थित दवाइयों की दुकानें खुली रहीं, जिससे आपातकालीन मरीजों को थोड़ी मदद मिल सकी।दवा विक्रेताओं का कहना है कि वे मजबूरी में इस कदम को उठा रहे हैं। स्थानीय दुकानदारों को दवा बेचने के लिए बेहद सख्त नियमों और प्रक्रियाओं का पालन करना पड़ता है, जबकि ऑनलाइन दवा बेचने वाली कंपनियों पर ऐसे नियम सख्ती से लागू नहीं हो रहे हैं। ऑनलाइन माध्यमों से बिना उचित जांच-पड़ताल और डॉक्टर की पर्ची के भी दवाइयां मंगवाई जा रही हैं, जो सीधे तौर पर आम जनता की सेहत से खिलवाड़ है। दवा विक्रेताओं के अनुसार ऑनलाइन खरीद-बिक्री में चालाकी से ऐसी दवाइयां भी आसानी से मंगवाई जा रही हैं, जिन पर सरकार ने रोक लगाई हुई है या जिन्हें बिना विशेष निगरानी के नहीं बेचा जा सकता। दवा विक्रेता संघ हिमाचल प्रदेश के महासचिव और जिला कुल्लू के अध्यक्ष ऋषभ कालिया ने इस बंद को लेकर स्थिति साफ की। उन्होंने कहा कि कोई भी दवा विक्रेता यह नहीं चाहता कि किसी मरीज या आम जनता को दुकानों के बंद होने से कोई परेशानी झेलनी पड़े। लेकिन अब यह कदम उठाना बेहद जरूरी हो गया था। हमारी मांग है कि जो नियम स्थानीय दवा विक्रेताओं पर लागू होते हैं, वही नियम ऑनलाइन दवा कंपनियों पर भी पूरी सख्ती से लागू किए जाएं। सभी दवा विक्रेताओं ने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से इस गंभीर विषय पर तुरंत ध्यान देने और मामले में हस्तक्षेप कर उचित नीति बनाने की मांग की है, ताकि देश के छोटे व्यापारियों के हितों की रक्षा हो सके और लोगों के स्वास्थ्य की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

दवा विक्रेताओं के विरोध में मेडिकल स्टोरों को बंद रखा। अनंत ज्ञान

सरकारी दवा स्टोर पर उमड़ी भीड़ दवाइयों की अनुपलब्धता से बढ़ी मुश्किलें

कुल्लू जिले में दवा विक्रेता संघ के आह्वान पर आयोजित राष्ट्रव्यापी बंद का व्यापक असर देखने को मिला, जहां सभी निजी मेडिकल स्टोर पूरी तरह से बंद रहे। इस कारण सबसे अधिक परेशानी आम मरीजों और उनके तीमारदारों को उठानी पड़ी, जो दिनभर आवश्यक दवाइयों के लिए इधर-उधर भटकते रहे। बंद का सबसे गंभीर प्रभाव जिला मुख्यालय ढालपुर स्थित क्षेत्रीय अस्पताल में देखने को मिला, जहां निजी दुकानों के बंद रहने से मरीजों की भीड़ सरकारी दवा स्टोर पर उमड़ पड़ी। हालांकि वहां भी कई जरूरी दवाइयों की अनुपलब्धता ने मरीजों की मुश्किलें और बढ़ा दीं। दूरदराज से आए मरीजों ने अपनी परेशानी खुलकर व्यक्त की। लाहौल घाटी से आए मरीज सोनम ने बताया कि डॉक्टर द्वारा लिखी गई कई दवाइयां अस्पताल के स्टोर में उपलब्ध नहीं थीं और बाहर के सभी मेडिकल स्टोर भी बंद मिले। मरीजों और तीमारदारों ने सरकार से नाराजगी जताते हुए मांग की कि अस्पतालों में सभी जीवनरक्षक और आवश्यक दवाइयों का पर्याप्त स्टॉक हमेशा सुनिश्चित किया जाए। साथ ही आपात स्थिति के लिए वैकल्पिक व्यवस्था तैयार रखने की आवश्यकता पर भी जोर दिया गया। दवा विक्रेता संघ ने यह बंद ऑनलाइन दवा बिक्री के विरोध में किया, उनका कहना है कि इससे स्थानीय व्यापार प्रभावित होगा और बिना नियंत्रण दवाइयों की बिक्री से स्वास्थ्य जोखिम बढ़ सकते हैं।

सियासत भाजपा-कांग्रेस के अलावा विकासशील मंच ने भी मैदान में उतारे हैं प्रत्याशी, तिकोणीय मुकाबला

लाहौल-स्पीति जिले में विकासशील मंच ने बिगाड़ा 'दिग्गजों' का खेल

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, केलांग। जनजातीय जिला लाहौल-स्पीति में इस बार जिला परिषद चुनाव बेहद दिलचस्प और रोमांचक मोड़ पर हैं। हमेशा ही भाजपा और कांग्रेस दो ही पार्टियों के बीच रहने वाला यह मुकाबला अब तरह से त्रिकोणीय हो गया है।

इस बार चुनावी बिसात पर क्षेत्रीय मुद्दों को लेकर उतरा 'लाहौल-स्पीति विकासशील मंच' दोनों ही बड़ी पार्टियों के समीकरणों को बिगाड़ता नजर आ रहा है। गांव-गांव और पंचायत स्तर पर मंच समर्थित प्रत्याशियों को मिल रहा भारी जनसमर्थन अब भाजपा-कांग्रेस के लिए बड़ी चुनौती बन चुका है। लिहाजा, अब देखना यह होगा कि लाहौल-स्पीति की जनता अब भाजपा-कांग्रेस के ही मतदाताओं को वोट देती है या विकासशील मंच पर भी विश्वास जताते हैं। जिला में विकासशील मंच के बढ़ते ग्राफ से यह साफ है कि इस बार का परिणाम चौंकाने वाला हो सकता है। फिलहाल, सभी प्रत्याशियों ने ठंड के बीच भी जनसंपर्क अभियान तेज कर दिया है। अब देखना यह होगा कि ऊंचे पहाड़ों की यह जनता सत्ता की चाबी किसे सौंपती है। सभी की नजरें अब मतदान और आने वाले परिणामों पर है।

◆ **लाहौल-स्पीति जिला परिषद चुनावः सभी 7 वार्डों में मुकाबला हुआ त्रिकोणीय**

स्थानीय मुद्दों पर पारंपरिक राजनीति को टक्कर

विकासशील मंच ने इस चुनाव में राष्ट्रीय या राज्य स्तरीय बहसों को पीछे छोड़ते हुए सीधे स्थानीय जनता से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाया है। मंच ने अपने अभियान में उन समस्याओं को केंद्र में रखा है, जो लंबे समय से क्षेत्र के लोगों को प्रभावित कर रही हैं। मुख्य मुद्दों में अटल टनल रोहतांग उद्घाटन के बाद क्षेत्र में बढ़े पर्यटन को व्यवस्थित करने की आवश्यकता, जनजातीय क्षेत्र के किसानों और बागवानों की समस्याओं का समाधान, स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसरों का सृजन, तथा दूरदराज के गांवों तक बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं और पक्की सड़कों का विस्तार शामिल है। मंच का कहना है कि यदि इन बुनियादी समस्याओं का समाधान प्राथमिकता से किया जाए तो क्षेत्र की तस्वीर तेजी से बदल सकती है और पलायन की समस्या भी काफी हद तक कम हो सकती है। इसी जन-केंद्रित एजेंडे के कारण घाटी के सभी वार्डों में प्रतिस्पर्धा और अधिक रोचक हो गई है। स्थानीय राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार भारतीय जनता पार्टी और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस

कहां किसके बीच है 'कांटे की टक्कर

लाहौल-स्पीति के सभी 7 वार्डों में चुनावी मुकाबला चरम पर है। भाजपा-कांग्रेस व विकासशील मंच द्वारा मैदान में उतरे मुख्य चेहरों में वार्ड-1 उदयपुर रूबदेई (रुपा), अभय भारती और मनी देवी तीनों उम्मीदवारों ने पूरी ताकत झोंक दी है। वार्ड-2 त्रिलोकनाथ रंजीत, बुद्धि चंद और भीम सेन धार्मिक और सांस्कृतिक रूप से महत्वपूर्ण इस वार्ड में चुनावी टक्कर दिलचस्प है। वार्ड-3 जाहलमा पूनम देवी, अनीता और संतोष तीनों महिला व अन्य प्रत्याशी जनता के बीच लगातार डोर-टू-डोर कैंपेन कर रहे हैं। वार्ड-4 वारपा आशीष शर्मा, रतन लाल, दिनेश और सुरेश कुमार सबसे हॉट सीट; चारों प्रत्याशियों के बीच यहां सबसे कड़ा और कांटे का मुकाबला माना जा रहा है। वार्ड-5 केलांग शशि किरण, पूनम पाल और सुनीता हैं। जिला मुख्यालय के इस वार्ड में महिला प्रत्याशियों के बीच मुकाबला काफी गर्माया हुआ है। वार्ड-6 सिस्सू संजीव कुमार, सोनम ठाकुर और मंगल चंद मनेपा। टनल के करीब स्थित इस वार्ड में पर्यटन और विकास को लेकर संघर्ष तेज है। वहीं, वार्ड-7 कोलंग छेरिंग संफेल (सेम बौद्ध), राम सिंह (कांग्रेस) और टशी सोनम दिग्गजों के मैदान में उतरने से यह सीट बेहद रोचक और प्रतिष्ठा की जंग बन चुकी है।

रमेश ठाकुर के गीतों पर झूमी जल्लूग्रां घाटी महिला मंडलों के फैशन शो ने मोहा मन

शशिपाल सिंह रहे मुख्यातिथि, प्रतिभागियों को किया सम्मानित

जल्लूग्रां मेले में महिलाओं ने अपनी प्रतिभा और सांस्कृतिक समृद्धि का शानदार प्रदर्शन किया। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, कुल्लू। दो दिवसीय जल्लूग्रां मेले में प्रसिद्ध लोक कलाकार रमेश ठाकुर ने अपनी शानदार प्रस्तुतियों से समां बांध दिया। उनके पहाड़ी, पंजाबी, हिंदी और लाहुली गीतों पर सैकड़ों दर्शक देर तक झूमते और नाचते नजर आए। करीब एक घंटे तक चले सांस्कृतिक कार्यक्रम में मेले का माहौल पूरी तरह संगीत और उत्साह से सराबोर रहा। मेले में विभिन्न महिला मंडलों द्वारा प्रस्तुत किए गए सांस्कृतिक कार्यक्रम आकर्षण का केंद्र बने रहे। महिलाओं की प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया और पारंपरिक संस्कृति की सुंदर झलक पेश की। विशेष रूप से महिला मंडलों द्वारा प्रस्तुत पारंपरिक फैशन शो ने खूब वाहवाही बटोरी। रंग-बिरंगे पारंपरिक परिधानों में महिलाओं ने अपनी संस्कृति और लोक परंपराओं को बेहद खूबसूरती से प्रस्तुत किया। यह आयोजन केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं रहा, बल्कि महिला सशक्तिकरण और आत्मविश्वास बढ़ाने का भी एक प्रभावशाली मंच बना। कार्यक्रमों के माध्यम से महिलाओं ने अपनी प्रतिभा, आत्मविश्वास और सांस्कृतिक समृद्धि का शानदार प्रदर्शन किया। पूजा महिला मंडल जल्लूग्रां और युवक मंडल जल्लूग्रां के अथक प्रयासों से मेले का सफल आयोजन संभव हो पाया। इस अवसर पर मुख्यातिथि शशिपाल सिंह ने विभिन्न प्रतियोगिताओं और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित किया तथा आयोजकों की सराहना की।

कार्रवाई : पाक सीमा के पास रहने वाला चिट्टा सप्लायर गिरफ्तार

सिरमौर पुलिस सतर्क : 294 ग्राम चिट्टा मामले में तरनतारन से पांचवीं गिरफ्तारी

अनंत ज्ञान

नाहन। सिरमौर पुलिस की अवैध नशे खासकर चिट्टे के खिलाफ कड़ी कार्रवाई जारी है। अप्रैल महीने में 294 ग्राम चिट्टा बरामदगी मामले में पुलिस ने पांचवीं गिरफ्तारी की है। पुलिस ने पंजाब के तरनतारन से सप्लायर को गिरफ्तार किया है। जांच में खुलासा हुआ है कि यह आरोपी पहले गिरफ्तार दो आरोपियों को चिट्टे की सप्लाई करता है। जांच में पहले गिरफ्तार किए गए आरोपियों से ट्रांजेक्शन भी मिली हैं।

बता दें कि कालाअंब पुलिस थाना में पंजाब निवासी आरोपियों से 10 अप्रैल को 294 ग्राम चिट्टे की बरामदगी के बाद मामला दर्ज किया गया था। इस मामले में पुलिस ने पंजाब के दो युवकों आकाशदीप सिंह (23) निवासी ग्राम मेहंदीपुर, तहसील पट्टी, तरनतारन (पंजाब) और रणजीत सिंह (23) निवासी मारी

अनंत ज्ञान फॉलोअप

- 10 अप्रैल को चिट्टे की बरामदगी के बाद दर्ज हुआ था मामला
- पुलिस ने पंजाब के दो युवकों को मौके से किया था गिरफ्तार

मेघा, तहसील पट्टी, तरनतारन (पंजाब) को मौके पर गिरफ्तार किया था। इसके बाद चालक गोवर्धन निवासी चंडीगढ़ को गिरफ्तार किया गया। कुछ ही दिनों बाद के मामले में पुलिस ने चौथे आरोपी शरणदीप सिंह निवासी तरनतारन पंजाब को गिरफ्तार किया था। इस मामले में पुलिस जांच कर रही थी कि यह आरोपी चिट्टे की इतनी बड़ी खेप कहां से लेकर आए थे। इसके बाद जांच में खुलासा हुआ कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों को वीरेंद्र पाल निवासी तरनतारन, पंजाब चिट्टे की सप्लाई करता था। आरोपी लगातार पुलिस की रडार पर था।

आखिरकार पुलिस ने उसे पंजाब से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार आरोपी का घर पंजाब में पाकिस्तान सीमा से मात्र 3 किलोमीटर है। बताया जा रहा है कि पुलिस इस मामले में अन्य बड़े तस्करों को गिरफ्तार कर सकती है। पुलिस की इस कार्रवाई से सिरमौर में बड़े स्तर पर होने वाली चिट्टा सप्लाई चेन टूटी है।

सुविधाओं के अभाव में पर्यटन मानचित्र पर मजबूत पहचान नहीं बना पाया सोलन

धार्मिक, ऐतिहासिक और प्राकृतिक स्थलों के बावजूद योजनाओं की धीमी रफ्तार बनी बाधा

अनंत ज्ञान

आर मोहन चौहान, सोलन। पर्यटन की अपार संभावनाएं होने के बावजूद जिला मुख्यालय सोलन आज तक प्रदेश के प्रमुख पर्यटन मानचित्र पर अपनी मजबूत पहचान नहीं बना पाया है। शहर और इसके आसपास के क्षेत्रों में धार्मिक, ऐतिहासिक और प्राकृतिक पर्यटन की भरपूर संभावनाएं मौजूद हैं, लेकिन बुनियादी सुविधाओं के अभाव में पर्यटक यहां ठहरने के बजाय सीधे शिमला, किन्नौर और कुल्लू-मनाली की ओर रवाना हो जाते हैं।

गर्मियों के मौसम में हजारों पर्यटक सोलन से होकर गुजरते हैं, लेकिन स्थानीय पर्यटन स्थलों तक पहुंचने के लिए बेहतर सुविधाएं और व्यवस्थाएं न होने से वे यहां रुकना पसंद नहीं करते। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि सोलन को योजनाबद्ध तरीके से पर्यटन की दृष्टि से विकसित किया जाए तो स्थानीय युवाओं को स्वरोजगार के बड़े अवसर मिल सकते हैं और जिले की अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी।

सोलन शहर का मां शूलिनी मंदिर, जटोली शिव मंदिर, माल रोड और विभिन्न पार्क पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। वहीं करोल पर्वत में स्थित पांडव गुफा, राधाकृष्ण मंदिर और घने जंगल प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर हैं। यदि यहां प्रस्तावित रोप-वे परियोजना साकार होती है, तो पर्यटन गतिविधियों को नई दिशा मिल सकती है।

अनंत ज्ञान स्पैशल

सोलन के धारों की धार का गोरखा साम्राज्य से समय बना किल्ला। अनंत ज्ञान

सोलन के करोल पर्वत की पांडव गुफा

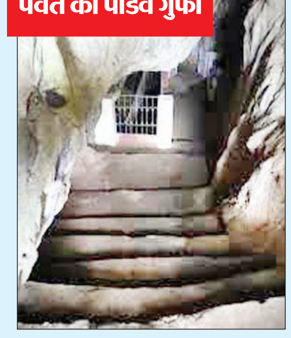

टूरिस्ट सर्किट योजना को नहीं मिल रही गति

सोलन, कंडाघाट, साधुपुल, चायल, गौड़ा, गिरिपुल और धारों की धार तक टूरिस्ट सर्किट विकसित करने की योजना वर्षों पहले बनाई गई थी। योजना के तहत इन क्षेत्रों में पर्यटन ढांचे को मजबूत करने और सुविधाएं बढ़ाने की बात कही गई थी, लेकिन अभी तक यह योजना गति नहीं पकड़ पाई है। चायल का काली टिब्बा मंदिर, अश्वनी खड्ड स्थित हेरिटेज पार्क और रमणीय वन क्षेत्र पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बन सकते हैं। वहीं गौड़ा, साधुपुल और अश्वनी खड्ड में वाटर स्पोर्ट्स की अपार संभावनाएं हैं। ट्रेकिंग के शौकीनों के लिए नौणी से धारों की धार स्थित प्राचीन किले तक का सफर रोमांचक अनुभव प्रदान कर सकता है। हालांकि इन स्थलों तक पहुंचने के लिए बेहतर सड़क, पार्किंग और मार्गदर्शन सुविधाओं का अभाव पर्यटन विकास में सबसे बड़ी बाधा बना हुआ है।

पार्किंग और मूलभूत सुविधाओं की कमी

प्रदेश के प्रवेशद्वार परवाणू से लेकर शिमला तक पर्यटकों को पर्याप्त पार्किंग सुविधा नहीं मिल पाती। सोलन शहर में भी पार्किंग की विकराल समस्या पर्यटन विकास को प्रभावित कर रही है। माल रोड, सपरून और पुराने बस स्टैंड में बहुमंजिला पार्किंग बनाने की योजनाएं वर्षों से लंबित हैं। यदि इन योजनाओं को धरातल पर उतारा जाए तो न केवल पर्यटकों को सुविधा मिलेगी बल्कि स्थानीय निकायों की आय भी बढ़ेगी। इससे होटल व्यवसाय, स्थानीय दुकानदारों और स्वरोजगार से जुड़े लोगों को भी लाभ पहुंचेगा।

नाहन में दो पक्षों में विवाद, दोनों ओर से मारपीट की शिकायत दर्ज

अनंत ज्ञान, नाहन। नाहन में आपसी विवाद के बाद दोनों पक्षों की शिकायत पर पुलिस ने क्रॉस मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना 17 मई शाम की बताई जा रही है।

पहला पक्ष

अमरपुर मोहल्ला निवासी संगीता पत्नी रोहित ने पुलिस थाना नाहन में शिकायत दी कि वह अपने पति के साथ मंदिर जा रही थीं। आरोप है कि रास्ते में मदन मोहन और उसके बेटे ने उन्हें रोककर गाली-गलौज की। बहस बढ़ने पर मदन मोहन ने रोहित को पीछे से पकड़ लिया, जबकि उसके बेटे ने ईंट उठा ली। इसी दौरान झगड़ा छुड़ाते समय मदन मोहन का पैर फिसल गया और वह मुंह के बल गिर पड़ा। आरोपी अकसर उनके घर के बाहर गाली-गलौज करते हैं व जान से मारने की धमकियां देते हैं।

दूसरा पक्ष

हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी निवासी मदन मोहन स्वामी, जो बिजली विभाग से सेवानिवृत्त कर्मचारी हैं, ने शिकायत दर्ज करवाई कि वह अपने बेटे अमित के साथ फोटो स्टेट दुकान गए थे। आरोप है कि रास्ते में रोहित और उसकी पत्नी संगीता ने उन्हें रोककर मारपीट की और ईंट से हमला किया। उन्होंने बताया कि बाद में 6-7 अन्य लोग भी मौके पर पहुंच गए और मारपीट की। घटना में मदन मोहन और उनके बेटे अमित को चोटें आई हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कांग्रेस सरकार ले रही अंतिम सांस, प्रदेश में आएगी भाजपा सरकार : डॉ. बिंदल

नगर निकाय चुनाव में भाजपा को मिली सफलता पर बोले भाजपा प्रदेशाध्यक्ष

अनंत ज्ञान

नाहन। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने कहा कि प्रदेश की कांग्रेस सरकार अब जाने वाली है और प्रदेश में भाजपा सरकार आने वाली है। उन्होंने कहा कि नगर निकाय चुनाव में भाजपा को मिली ऐतिहासिक सफलता से स्पष्ट हो गया है कि व्यवस्था पतन की कांग्रेस सरकार की विदाई तय है। डॉ. राजीव बिंदल ने जिला परिषद के त्रिलोकपुर वार्ड. न. 12 (काला आम) से भाजपा समर्थित प्रत्याशी प्रोमिला शर्मा के समर्थन में चुनाव प्रचार हेतु आयोजित विभिन्न बैठकों और जन संपर्क के दौरान यह बात कही।

बिंदल ने मोगीनन्द, नागल सुकेती, मैनथापल, त्रिलोकपुर,

पालियों, कौलावाला भूड़, जंगला भूड, बर्मा पापडी और सलानी कटोला में आयोजित चुनाव जन संपर्क अभियान में भाग लिया।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस को जिला परिषद सहित पंचायती राज संस्थानों के चुनाव में वोट मांगने का अधिकार नहीं हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने साढ़े तीन साल में एक भी विकास का कार्य नहीं किया और भाजपा सरकार के समय खोले गए जनहित के दर्जनों संस्थानों को ताले जड़ दिए। उन्होंने कहा कि स्कूल, स्वास्थ्य संस्थान, पटवार सर्कल, तहसील, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, पशु चिकित्सा जैसे 15 से अधिक जन हितैषी सस्थानों पर ताला जड़ने वाली कांग्रेस सरकार को इन चुनावा में जनता अच्छा सबक सिखएगी। डॉ. राजीव बिंदल ने त्रिलोकपुर जिला परिषद वार्ड से भाजपा समर्थित प्रत्याशी प्रोमिला देवी को अपना आशीर्वाद देने के लिए जनता से अपील की।

सोलन की नौणी मझगांव नेरी कलां, सुल्तानपुर और शमरोड में 26 को वोटिंग

अनंत ज्ञान, सोलन विकास खंड सोलन की ग्राम पंचायत भोजनगर, डांगरी, दयोठी, हरिपुर, जाडली, जौणाजी, क्ककड़हट्टी, नौणी मझगांव, नेरी कलां, शमरोड, सुल्तानपुर, धार बखुना तथा मनसार में 26 मई को मतदान होगा। मनमोहन शर्मा ने कहा कि विकास खंड सोलन की ग्राम पंचायत अन्हेच, बडोग, धरोट, जाबल झमरोट, काबा कलां, कोठों, मशीवर, ओच्छघाट, पट्टा बरावरी, रणो, सलोगड़ा, सपरुन व तोप की बेड़ में 28 मई को मतदान होगा। विकास खंड सोलन की पंचायत आंजी, बसाल, भारती, बोहली, चामत भड़ेच, चेवा, कोरों, पराग, सन्होल, सेर बनेड़ा, सेरी, शडियाणा तथा शामती में 30 मई, 2026 को मतदान होगा। ग्राम पंचायत के वार्ड सदस्यों, उपप्रधान तथा प्रधान के पदों के लिए मतगणना संबंधित तिथि को मतदान के तुरंत उपरांत ग्राम पंचायत मुख्यालय पर की जाएगी।

सोलन में पेयजल पाइप लाइन लीकेज से हजारों लीटर पानी बर्बाद, लोगों में रोष

अनंत ज्ञान

सोलन। शहर में पेयजल पाइप लाइन में लीकेज के कारण हजारों लीटर पानी व्यर्थ बह रहा है। सोलन एक ओर जहां गर्मी के मौसम में कई क्षेत्रों में लोगों को पानी की किल्लत का सामना करना पड़ रहा है, वहीं दूसरी ओर पाइप लाइन से लगातार बहते पानी ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पिछले कई दिनों से पाइप लाइन से पानी रिस रहा है, लेकिन संबंधित विभाग की ओर से अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। लोगों ने आरोप लगाया कि पानी की बर्बादी रोकने के लिए समय रहते मरम्मत कार्य नहीं किया जा रहा, जिससे रोजाना बड़ी मात्रा में पेयजल सड़कों और नालियों में बह रहा है। क्षेत्रवासियों ने कहा कि गर्मियों में पानी की हर बूंद कीमती है और ऐसे समय में इस तरह की लापरवाही समझ से परे है। उन्होंने जल शक्ति विभाग से जल्द लीकेज ठीक करने और पानी की बर्बादी रोकने की मांग उठाई है। लोगों ने प्रशासन से नियमित निरीक्षण कर पुरानी पाइप लाइनों की मरम्मत कराने की भी अपील की है।

ऑनलाइन दवा बिक्री के विरोध में सोलन में दवा विक्रेताओं की हड़ताल

डीसी के माध्यम से केंद्र सरकार को भेजा ज्ञापन

अनंत ज्ञान

सोलन। ऑनलाइन दवा बिक्री के विरोध में बुधवार को सोलन में दवा विक्रेताओं ने हड़ताल कर अपना विरोध दर्ज करवाया। इस दौरान जिलेभर के मेडिकल स्टोर संचालकों ने एकजुट होकर ऑनलाइन दवा बिक्री पर रोक लगाने की मांग उठाई। जिला सोलन केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष वीरेंद्र सूद ने कहा कि बिना उचित निगरानी के ऑनलाइन दवाओं की बिक्री मरीजों के स्वास्थ्य के लिए खतरा बन सकती है। उनका आरोप है कि कई ऑनलाइन प्लेटफॉर्म बिना वैध चिकित्सकीय परामर्श और नियमों की पूरी पालना किए दवाइयां उपलब्ध करवा रहे हैं, जिससे दवाओं के गलत इस्तेमाल की संभावना बढ़ रही है। हड़ताल के दौरान दवा विक्रेताओं ने जिला प्रशासन के माध्यम से केंद्र सरकार को ज्ञापन भेजा। ज्ञापन डीसी सोलन मनमोहन शर्मा के माध्यम से सौंपा गया, जिसमें ऑनलाइन दवा बिक्री पर सख्त नियम लागू करने और पारंपरिक मेडिकल स्टोरों के हितों की रक्षा करने की मांग की गई। दवा विक्रेताओं का कहना है कि ऑनलाइन दवा कारोबार से स्थानीय मेडिकल स्टोर प्रभावित हो रहे हैं और हजारों लोगों के रोजगार पर भी असर पड़ रहा है। उन्होंने सरकार से मांग की कि दवाओं की बिक्री केवल अधिकृत लाइसेंसधारी दुकानों के माध्यम से ही सुनिश्चित की जाए। हड़ताल के चलते कई स्थानों पर लोगों को दवाइयां लेने में परेशानी का सामना भी करना पड़ा। हालांकि आपातकालीन सेवाओं को ध्यान में रखते हुए कुछ जरूरी दवाओं की उपलब्धता बनाए रखने का प्रयास किया गया।

सिरमौर में भीषण गर्मी का कहर : पारा 42 डिग्री के पार, जनजीवन प्रभावित

पानी की कमी से बढ़ी परेशानी, खेती-मजदूर वर्ग अधिक प्रभावित

अनंत ज्ञान

एसपी जैरथ, नाहन। जिला सिरमौर में मई महीने ने इस बार लोगों के पसीने छुड़ा दिए हैं। मैदानी क्षेत्रों में गर्मी का असर लगातार बढ़ रहा है और अब हालात ऐसे बनने लगे हैं कि सुबह के समय ही लू जैसे थपेड़े लोगों को घरों में कैद करने लगे हैं। जिला के औद्योगिक क्षेत्रों से लेकर शहरों तक लोग भीषण गर्मी से परेशान हैं, जबकि लगातार बढ़ता तापमान अब पेयजल और खेती पर भी असर डालने लगा है। मौसम के बदले मिजाज के बीच जिला के निचले क्षेत्रों में तापमान लगातार ऊपर चढ़ रहा है। पांवटा साहिब और कालाअंब क्षेत्र सबसे अधिक गर्मी की मार झेल रहे हैं। पांवटा साहिब में अधिकतम तापमान लगभग 42 से 43 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की स्थिति में है, जबकि न्यूनतम तापमान 24 से 25 डिग्री के आसपास बना हुआ है। नाहन क्षेत्र में अधिकतम तापमान 37 से 39 डिग्री और न्यूनतम तापमान 22 से 24 डिग्री के बीच दर्ज किया जा रहा है। कालाअंब क्षेत्र में भी दिन के समय तापमान 42 डिग्री के आसपास पहुंचने से लोगों की परेशानी बढ़ गई है।

राज्य के मैदानी हिस्सों में लगातार तापमान बढ़ने की स्थिति बनी हुई है। गर्म हवा के थपेड़ों के कारण दोपहर में बाजारों की रौनक कम होने लगी है। शहरों में दोपहर के समय सड़कें अपेक्षाकृत खाली दिखाई देने लगी हैं। औद्योगिक क्षेत्र कालाअंब और पांवटा साहिब में फैक्ट्रियों में काम करने वाले श्रमिकों की परेशानी भी बढ़ गई है।

खुले स्थानों पर काम करने वाले मजदूरों को तेज धूप और गर्म हवाओं के बीच काम करना पड़ रहा है। कई स्थानों पर श्रमिक सिर ढककर और पानी की बोतल साथ लेकर काम करते दिखाई दे रहे हैं। गर्मी का असर अब खेती और जल स्रोतों पर भी दिखाई देने लगा है। सब्जियों सहित नकदी फसलों में नमी की कमी महसूस की जा रही है और किसानों को सिंचाई की आवृत्ति बढ़ानी पड़ रही है। दूसरी तरफ ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल की मांग भी बढ़ने लगी है।

पंचायत चुनाव को लेकर प्रशासन सख्त मतदान व मतगणना के दिन रहेगा 'ड्राई डे'

धर्मपुर विकास खंड में तीन चरणों में पंचायत चुनाव

अनंत ज्ञान

सोलन। सोलन जिला में 26, 28 व 30 मई, 2026 को आयोजित होने वाले पंचायती राज संस्थाओं के निर्वाचन एवं मतगणना के दृष्टिगत ज़िला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) एवं उपायुक्त मनमोहन शर्मा द्वारा नियमानुसार निर्धारित अवधि के लिए 'ड्राई डे' घोषित करने के सम्बन्ध में आदेश जारी किए गए हैं। इन आदेशों के अनुसार 26, 28 तथा 30 मई, 2026 को पंचायती राज संस्थाओं के निर्वाचन एवं मतगणना के दृष्टिगत संबंधित क्षेत्रों में मतदान एवं मतगणना तिथि को 'ड्राई डे' घोषित किया गया है। उन्होंने कहा कि पंचायत समितियों और जिला परिषद सदस्यों की मतगणना 31 मई, 2026 को होने के दृष्टिगत भी 'ड्राई डे' रहेगा। उन्होंने कहा कि सभी निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान समाप्त होने के लिए निर्धारित समय से 48 घंटे पूर्व एवं मतगणना दिवस पर किसी होटल, खान-पान के स्थान, मदिरालय, दुकान अथवा किसी सार्वजनिक या निजी स्थान पर किसी भी प्रकार के मादक द्रव्यों तथा मदिरा एवं अन्य नशीले पदार्थों का वितरण एवं विक्रय नहीं किया जा सकेगा।

मनमोहन शर्मा ने कहा कि विकास खंड धर्मपुर की ग्राम पंचायत आंजी मातला, बनसार, धर्मपुर, कोट बेजा, कोटी नाम्ब, नाहरी, नारायणी, निचली गांगुड़ी तथा टकसाल में 26 मई, 2026 को मतदान होगा। उन्होंने कहा कि विकास खंड धर्मपुर की ग्राम पंचायत चामियां, चम्मों, गनोल, हुडंग, जंगेशु, कसौली गड़खल, प्राथा, सनवारा तथा अम्बोटा में 28 मई, 2026 को मतदान होगा। जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि विकास खंड धर्मपर की ग्राम पंचायत गड़खल सनावर, गुलहारी, जाबली, कोट, कोटला, मेहलों, रौरी तथा कामली में 30 मई, 2026 को मतदान होगा।

उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायत के वार्ड सदस्यों, उपप्रधान तथा प्रधान के पदों के लिए मतगणना संबंधित तिथि को मतदान के तुरंत उपरांत ग्राम पंचायत मुख्यालय पर की जाएगी।

अवैध खनन पर वन विभाग का एक्शन, हाईवे पर ट्रॉले छोड़ भागे चालक

नाहन वन मंडल की रेड से मचा हड़कंप; 5 ट्राले जब्त, 1 कंपाउंड

अनंत ज्ञान

एसपी जैरथ, नाहन। हिमाचल प्रदेश के जिला सिरमौर के वन मंडल नाहन के तहत आने वाली तीन रेंजों में बुधवार तड़के अवैध खनन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई से हड़कंप मच गया। डीएफओ नाहन के निर्देश पर नाहन, कोलर और त्रिलोकपुर रेंज की टीमें एक साथ अलग-अलग इलाकों में सुबह सवेरे सड़कों पर उतरीं।इस दौरान टीमों ने कटासन, दोसड़का, सैनवाला और कालाअंब क्षेत्रों में नाके लगाए। कार्रवाई इतनी अचानक हुई कि कई ट्राला संचालक खनन सामग्री नेशनल हाईवे पर ही फेंककर मौके से फरार हो गए।

वन मंडलाधिकारी नाहन अवनी भूषण राय खुद भी टीम के साथ मौके पर मौजूद रहे। विभाग

की टीमें तड़के करीब 3 बजे से ही सक्रिय हो गई थीं और सुबह 7 बजे तक कार्रवाई जारी रही। कार्रवाई की भनक लगते ही अवैध खनन से जुड़े लोगों में अफरा-तफरी मच गई। इस दौरान विभाग की टीमों ने 5 ट्राले कब्जे में लिए हैं, वहीं एक ट्राला कंपाउंड किया है। जो वाहन मौके से भागे, उनकी पड़ताल जारी है। विभाग को सैनवाला, आमवाला और मोगीनंद क्षेत्रों में कई जगहों पर रेत, बजरी और पत्थरों के ढेर नेशनल हाईवे किनारे पड़े मिले। मामले की सूचना संबंधित पुलिस थानों को भी दे दी गई है।

> **विभाग** इस कार्रवाई संबंधी अन्य औपचारिकताओं में जुटा है। तड़के हुई इस कार्रवाई की रिपोर्ट तैयार की जा रही है। विभाग ने आधा दर्जन वाहनों को कब्जे में लिया है और एक वाहन कंपाउंड किया है। कुछ वाहन जो मौके से भागे, उनकी तलाश की जा रही है।
>
> **अवनी भूषण राय**
> **डीएफओ, नाहन**

कालाअंब के मोगीनंद पुल से गिरकर ट्रांसपोर्टर की दर्दनाक मौत

अनंत ज्ञान, नाहन। औद्योगिक क्षेत्र कालाअंब के मोगीनंद क्षेत्र में एक ट्रांसपोर्टर की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत होने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान धनवीर ठाकुर (48) पुत्र धर्म सिंह निवासी गांव हाब्बी, डाकघर जामुन की सेर, तहसील पच्छाद, जिला सिरमौर के रूप में हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार घटना मंगलवार देर रात करीब 12 बजे के आसपास की बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि धनवीर ठाकुर नजदीक स्थित एक ढाबे से खाना खाने के बाद अपने ट्रक में सोने के लिए जा रहे थे। उनका ट्रक मोगीनंद पुल के समीप खड़ा था। इसी दौरान जैसे ही उन्होंने ट्रक का दरवाजा खोलने का प्रयास किया, अचानक उनका संतुलन बिगड़ गया और वह सीधे पुल से नीचे खड्ड में जा गिरे। बताया जा रहा है कि नीचे गिरने के दौरान उनका सिर एक पत्थर से टकरा गया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

कुदरत

बनवास के दौरान राम, सीता व लक्ष्मण भी ग्रहण करते थे काफल का प्रसाद

ग्रामीण क्षेत्रों में लोग लगा रहे काफल फल के चटकारे

अनंत ज्ञान

बीआर चौहान, राजगढ़। काफल पाके, हामे न चाखे, तुम्हे के राखे का संदेश लेकर एक विशेष पक्षी इन दिनों हर घर के आंगन में सुनाई देता है। राजगढ़ के चुरूवाधार, बथाऊधार, हाब्बन, नेरी कोटली इत्यादि अनेक क्षेत्रों में इन दिनों जंगली फल काफल पक कर तैयार हो गया है। ग्रामीण परिवेश के लोग जंगलों में काफल को चुनने में पूरा दिन लगे रहते हैं। काफल के पेड़ काफी ऊंचे होते हैं। गांव के लोग अपनी जान को जोखिम में डालकर काफल का एक एक दाना बड़े चाव से चुनकर बेग में भर कर घर लाते हैं। लोग काफल को चुनकर बाजार में बेचने लाते हैं जिसके उन्हें अच्छे दाम मिलते हैं। काफल फल ग्रामीण लोगों के लिए आय का साधन भी बन चुका है। बता दें कि काफल एक जंगली फल है, जोकि स्वाद व गुणवत्ता के साथ-साथ सभी औषधीय गुणों और खनिज तत्वों से भरपूर है।

कई औषधीय गुणों से भरपूर काफल

यह फल हिमाचल प्रदेश सहित हिमालय के अन्य क्षेत्रों में जंगली तौर पर पाए जाने वाला एक सदाबहार पेड़ है, जोकि कई औषधीय गुणों से भरपूर होने के कारण शरीर की प्रतिशोधक क्षमता को बढ़ाने में बहुत सहायक होता है। काफल के पेड़ 1000 से 2000 मीटर की ऊंचाई में पाए जाते हैं। यह फल रस से भरपूर होता है तथा इसका स्वाद खट्टा-मिठा होताहै। जनश्रुति के अनुसार भगवान राम व सीता वनवास के दौरान काफल फल का प्रसाद बड़े शौक से ग्रहण करते थे ।

> **काफल** में विटामिन्स, आयरन व एंटी ऑक्सीडेंटस प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। इसके अतिरिक्त काफल में कई प्रकार के प्राकृतिक तत्व जैसे माईरिकेटिन और ग्लाकोसाइडस भी विद्यमान हैं। काफल की पत्तियों में लावेन 4, हाईड्रोक्सी 3 पाया जाता है। काफल के पेड़ की छाल, फल तथा पत्तियां भी औषधीय गुणों से भरपूर मानी जाती है।
>
> **डॉ. विश्वबंधु जोशी,**
> **आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी**

नेशनल मेडिसिनल प्लांट बोर्ड के क्षेत्रीय निदेशक, क्षेत्रीय एवं सुगमता केंद्र उत्तर भारत स्थित जोगिंद्रनगर का कहना है कि काफल जंगल में पाए जाने वाला एक विशेष मौसमी फल है। औषधीय गुणों से भरपूर यह फल शरीर में प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने का काम करता है । इस फल के सेवन से जहां कई तरह की बीमारियों से बचाव होता है।

गगरेट में पंचायत चुनाव प्रक्रिया ने पकड़ी रफ्तार

बीडीओ ऑफिस में तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटे कर्मचारी

अनंत ज्ञान

मतपत्रों और चुनावी सामग्री को अंतिम रूप देने में जुटे कर्मचारी। अनंत ज्ञान

गगरेट। तीन चरणों में होने वाले पंचायत चुनावों ने गगरेट में प्रशासनिक गतिविधियों को पूरी तरह रफ्तार दे दी है। 26, 28 और 30 मई को होने वाले मतदान को लेकर खंड विकास अधिकारी कार्यालय इन दिनों चुनावी तैयारियों का सबसे बड़ा केंद्र बना हुआ है जहां हर ओर कर्मचारियों की भागदौड़ और चुनावी व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने की कवायद नजर आ रही है।

कार्यालय परिसर में करीब 300 कर्मचारी लगातार चुनावी कार्यों में जुटे हुए हैं। पंचायत सचिवों, बीडीओ कार्यालय स्टाफ और विभिन्न स्कूलों के शिक्षकों की टीमें बैलट पेपर तैयार करने, मतदान सामग्री को व्यवस्थित करने और चुनावी दस्तावेजों की जांच में व्यस्त हैं। सुबह से लेकर देर शाम तक चल रही गतिविधियों के चलते पूरा कार्यालय परिसर पूरी तरह चुनावी माहौल में डूबा नजर आ रहा है।

मतदान प्रक्रिया को सुचारू रूप से संपन्न करवाने के लिए अलग-अलग टीमों को विशेष जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। कोई मतपत्रों को अंतिम रूप देने में जुटा है तो कोई मतदान पेटियों और अन्य जरूरी सामग्री को व्यवस्थित करने में लगा हुआ है। चुनावी कार्यों में तेजी लाने के लिए कर्मचारियों द्वारा लगातार अतिरिक्त समय तक भी काम किया जा रहा है।

खंड विकास अधिकारी सुरिंद्र जेटली ने बताया कि पंचायत चुनावों को निष्पक्ष, शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न करवाने के लिए प्रशासन पूरी तरह सतर्क और सक्रिय है। उन्होंने कहा कि चुनाव प्रक्रिया से जुड़े प्रत्येक कार्य की लगातार निगरानी की जा रही है ताकि तीनों चरणों के मतदान बिना किसी बाधा के सफलतापूर्वक संपन्न हो सकें। गगरेट में बढ़ती चुनावी गतिविधियों ने गांव-गांव तक पंचायत चुनावों की सरगर्मी को और तेज कर दिया है तथा प्रशासनिक अमला पूरी तैयारी के साथ चुनाव प्रक्रिया को सफल बनाने में जुटा हुआ है।

नगर पंचायत गगरेट में अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पद को लेकर सरगर्मियां तेज

अनंत ज्ञान, गगरेट। नगर पंचायत गगरेट के चुनाव संपन्न होने के बाद अब स्थानीय राजनीति पूरी तरह बोर्ड गठन के इर्द-गिर्द घूमती नजर आ रही है। अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पद को लेकर अंदरखाते समीकरण तेजी से बदल रहे हैं और पार्षदों की भूमिका अचानक बेहद अहम बन गई है। जीत के जश्न के बीच अब सत्ता संतुलन की राजनीति ने जोर पकड़ लिया है। सात वार्डों वाली नगर पंचायत में भाजपा समर्थित प्रत्याशियों ने चार सीटों पर जीत हासिल कर बढ़त बनाई है, जबकि तीन वार्डों में आजाद प्रत्याशियों की जीत ने राजनीतिक गणित को पूरी तरह रोचक बना दिया है। कांग्रेस समर्थित प्रत्याशी एक भी सीट हासिल नहीं कर पाए, जिससे पार्टी इस बार नगर पंचायत की मुख्य दौड़ से बाहर नजर आई। अध्यक्ष पद महिला वर्ग के लिए आरक्षित होने के कारण महिला पार्षदों के नाम चर्चा में बने हुए हैं, लेकिन सबसे ज्यादा सरगर्मी उपाध्यक्ष पद को लेकर देखी जा रही है। कई पार्षद और उनके समर्थक अंदरखाते सक्रिय हो चुके हैं और अपने पक्ष में माहौल तैयार करने में जुटे हैं। राजनीतिक गलियारों में पूरे दिन बैठकों और संपर्कों का दौर चलता रहा। दोनों प्रमुख राजनीतिक दलों के नेता भी पूरी सक्रियता के साथ मैदान में उतर आए हैं। पार्षदों को अपने पक्ष में करने के लिए लगातार रणनीति बनाई जा रही है। कहीं समर्थन के समीकरण तैयार हो रहे हैं तो कहीं संभावित बोर्ड गठन को लेकर चर्चाएं चल रही हैं। सूत्रों की मानें तो इस बार कुछ आजाद पार्षद सत्ता की चाबी अपने हाथ में रखते नजर आ रहे हैं। यही वजह है कि हर राजनीतिक पक्ष उन्हें अपने साथ जोड़ने के प्रयास में लगा हुआ है। वहीं ढाई-ढाई साल के फार्मूले और मनोनीत पार्षदों को लेकर भी चर्चाओं का बाजार गर्म बना हुआ है। नगर पंचायत गगरेट में अब असली मुकाबला चुनावी मैदान से निकलकर बोर्ड गठन तक पहुंच चुका है और आने वाले दिनों में कई नए राजनीतिक समीकरण सामने आने की संभावना जताई जा रही है।

कड़ी धूप में बाहर न निकलें

ऊना जिले में बढ़ते तापमान को लेकर एडवाइजरी जारी

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, ऊना। जिला ऊना में बढ़ते तापमान को देखते हुए आगामी दिनों में गर्म हवाएं एवं लू चलने के आसार दिख रहे हैं, ऐसे में स्थानीय निवासियों को अपनी सेहत के प्रति सावधानियां बरतनी चाहिए। मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) ऊना डॉ संजीव वर्मा ने इस संदर्भ में एडवाइजरी जारी की है। उन्होंने कहा कि लोग अपनी सेहत के प्रति सतर्क रहें।

गर्म हवाएं एवं लू खतरनाक साबित हो सकती है। सीएमओ ने बताया कि जहां तक संभव हो कड़ी धूप में बाहर न निकलें। जितनी बार हो सके पानी पीयें, प्यास न भी लगे तो भी पानी पीयें। सफर में अपने साथ पीने का पानी हमेशा रखें। जब भी बाहर धूप में जायें हल्कें रंग के और ढीले-ढाले सूती कपड़े पहनें, धूप के चश्मे का इस्तेमाल करें, गमछे या टोपी से अपने सिर को ढकें और हमेश्या जूते या चप्पल पहनें। अधिक तापमान में कठिन काम ना करें। जहां तक संभव हो

कड़ी धूप में बाहर के काम से बचें।

अगर आपका काम बाहर का है तो टोपी, गमछा या छाते का इस्तेमाल जरूर करें और गीले कपड़े को अपने चेहरे, सिर व गर्दन पर रखें। हल्का भोजन करें, अधिक पानी की मात्रा वाले फल जैसे तरबूज, खीरा, नींबू, संतरा आदि का सेवन करें तथा ज्यादा प्रोटीन वाले भोजन का सेवन ना करें जैसे - मांस व मेवे जो षारीरिक ताप को बढ़ाते हैं। घर में बना पेय जल जैसे कि लस्सी, नमक चीनी का घोल, छाछ, नींबू-पानी, आम का पन्ना इत्यादि का नियमित सेवन करें। बच्चों और पालतू जानवरों को पार्क किए हुए वाहनों में अकेला ना छोडें। जानवरों को छांव में रखें और उन्हें खूब पानी पीने को दें। अपने घर को ठंडा रखें, पर्दे, शटर आदि का इस्तेमाल करें। रात में खिड़कियां खुली रखें।

स्थानीय मौसम के पूर्वानुमान और आगामी तापमान में परिवर्तन के बारे में सतर्क रहें। अगर आपकी तबीयत ठीक ना लगे या चक्कर आए तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

लू लगने पर क्या करें?

डॉ. वर्मा ने बताया कि अगर किसी को लू लग जाए तो तुरंत व्यक्ति को छांव में लिटा दें। अगर तंग कपड़े हों तो ढीला कर दें अथवा हटा दें। ठंडे गीले कपड़े से शरीर पोछें या ठंडे पानी से नहलायें। व्यक्ति को ओआरएस, नींबू पानी, नमक-चीनी का घोल पीने को दें, जो कि शरीर में जल की मात्रा को बढ़ा सके। यदि व्यक्ति पानी की उल्टियां करे या बेहोश हो, तो उसे कुछ भी खाने व पीने को न दें। लू लगे व्यक्ति की हालत में एक घंटे तक सुधार ना हो तो उसे तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में ले जाएं और चिकित्सक की सलाह लें।

महिला आरक्षण विधेयक का गिरना लोकतंत्र के लिए दुर्भाग्यपूर्ण : सुमीत

अनंत ज्ञान

ऊना। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार द्वारा महिला आरक्षण और परिसीमन से जुड़े 131वें संविधान संशोधन विधेयक-2026 के मुद्दे पर सियासत तेज हो गई है। इसी कड़ी में भाजपा हिमाचल प्रदेश के सचिव एवं हमीरपुर संसदीय क्षेत्र प्रभारी कुमार सुमीत शर्मा ने कांग्रेस और इंडिया गठबंधन पर तीखा हमला बोला है। ऊना में जारी बयान में कुमार सुमीत शर्मा ने कहा कि लोकसभा में महिला आरक्षण एवं परिसीमन से संबंधित संविधान संशोधन विधेयक का गिरना लोकतंत्र के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने आरोप लगाया कि जो दल वर्षों से महिला सशक्तिकरण की बातें करते रहे, वहीं आज महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने के रास्ते में बाधा बन गए हैं।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 को प्रभावी ढंग से लागू करने के उद्देश्य से यह विधेयक लाया था, ताकि संसद और विधानसभाओं में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित की जा सके। भाजपा नेता के अनुसार सरकार चाहती थी कि परिसीमन प्रक्रिया के साथ इसे जोड़कर 2029 के चुनावों तक महिलाओं को आरक्षण का लाभ दिया जाए, लेकिन विपक्ष ने राजनीतिक कारणों से इसका विरोध किया।

◆ **महिलाओं के हितैषी बनने वाले दल ही आज उनके रास्ते में बने बाधा**

कुमार सुमीत शर्मा ने कांग्रेस और इंडी गठबंधन पर निशाना साधते हुए कहा कि परिसीमन का मुद्दा उठाकर महिलाओं के अधिकारों के साथ अन्याय किया गया है। उन्होंने कहा कि महिला सम्मान विपक्ष के लिए केवल चुनावी नारा बनकर रह गया है, जबकि भाजपा महिलाओं के अधिकारों और सम्मान के लिए लगातार काम कर रही है। उन्होंने यह भी कहा कि देश की महिलाएं सब देख रही हैं और आने वाले समय में इसका जवाब देंगी। भाजपा महिलाओं के सशक्तिकरण और राजनीतिक भागीदारी को बढ़ाने के लिए अपना संघर्ष जारी रखेगी।

निरोग जीवन जीने के लिए करें योग

लोगों से 'योग 365 अभियान' के फ्री लाइव सत्रों में जुड़ने की अपील

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, ऊना। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस-2026 के उपलक्ष्य में आयुष मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा देशभर में स्वास्थ्य जागरूकता एवं नियमित योग अभ्यास को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में योग 365 अभियान के अंतर्गत 100 दिनों का निशुल्क लाइव योगा सेशन कार्यक्रम प्रारंभ किया गया है।

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान ने हैबिल्ड टेक प्राइवेट लिमिटेड के साथ समझौता कर देशभर में 100 दिनों तक निशुल्क लाइव योग सत्र आयोजित करने की पहल की है। इस विशेष अभियान का उद्देश्य आमजन को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने तथा दैनिक दिनचर्या में योग को शामिल करने के लिए प्रेरित करना है।

उन्होंने बताया कि यह अभियान अंतरराष्ट्रीय योग दिवस-2026 से पूर्व बड़े स्तर पर आयोजित किए जाने वाले ऑनलाइन योग कार्यक्रम के साथ संपन्न होगा, जिसमें विश्व रिकॉर्ड बनाने का भी प्रयास किया जाएगा। यह कार्यक्रम 27 मई को आयोजित किया जाना निर्धारित है। उन्होंने सभी विभागीय कर्मचारियों, उनके परिवारजनों तथा आम नागरिकों से इस जनहितकारी पहल में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आग्रह किया है। इच्छुक व्यक्ति ऑनलाइन पंजीकरण कर अथवा टोल फ्री नंबर 18003157008 पर संपर्क कर निशुल्क लाइव योग सत्रों से जुड़ सकते हैं। उन्होंने कहा कि योग न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाता है, बल्कि मानसिक संतुलन एवं सकारात्मक जीवनशैली को भी बढ़ावा देता है। ऐसे में अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता इस अभियान को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

12 साल पुराने सड़क दुर्घटना मामले में अदालत ने आरोपी को किया बरी

अनंत ज्ञान, ऊना। तेज गति और लापरवाही से मोटरसाइकिल चलाने से जुड़े 12 साल पुराने मामले में अदालत ने आरोपी को सभी दंडनीय अपराधों से बरी कर दिया है। यह फैसला न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी शाबिक घई की अदालत ने सुनाया। मामला थाना हरोली में दर्ज किया गया था, जिसमें भारतीय दंड संहिता की धारा 279, 337, 338 तथा मोटर वाहन अधिनियम 1988 की धारा 185 के तहत आरोप लगाए गए थे। साक्ष्यों और तथ्यों के गहन परीक्षण के बाद अदालत ने आरोपी को सभी आरोपों से बरी कर दिया।

सकारात्मक पत्रकारिता की आवश्यकता पर दिया जोर

अनंत ज्ञान

अंब। ब्रह्माकुमारी केंद्र कुठेड़ा खैरला (सोनालिका फैक्ट्री के समीप) में आयोजित विशेष मीडिया संवाद कार्यक्रम में अंब, गगरेट एवं दौलतपुर क्षेत्र के पत्रकार बंधुओं का आत्मीय स्वागत किया गया। कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारीज़ ऊना जिला इंचार्ज आशा दीदी एवं अंब सेंटर की इंचार्ज ऋतु दीदी ने सभी मीडिया प्रतिनिधियों का अभिनंदन किया।

धारवाड़, कर्नाटक से पधारे जोनल मीडिया कोऑर्डिनेटर विश्वास भाई ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए समाज में सकारात्मक पत्रकारिता की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि मीडिया केवल समाचार देने का माध्यम नहीं, बल्कि समाज को सही दिशा देने का सशक्त मंच है। स्वयं 400 से अधिक कॉलम लिख चुके विश्वास भाई ने पत्रकारों से सकारात्मक खबरों को अधिक से अधिक प्रोत्साहित करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारीज़ के नेशनल मीडिया कोऑर्डिनेटर शांतनु भाई ने अध्यात्म एवं राजयोग मेडिटेशन के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने लोकतंत्र के चौथे स्तंभ मीडिया की जिम्मेदारियों पर चर्चा करते हुए कहा कि यदि पत्रकारिता आध्यात्मिक मूल्यों से जुड़ जाए तो समाज में शांति, सद्भाव और जागरूकता को नई दिशा मिल सकती है। इस दौरान 9 से 13 सितंबर 2026 तक माउंट आबू में आयोजित होने वाली नेशनल मीडिया कॉन्फ्रेंस के लिए भी पत्रकारों को सादर आमंत्रित किया गया। कार्यक्रम के अंत में मीडिया बंधुओं के साथ संवाद, सौगात वितरण एवं स्नेह भोज का आयोजन भी किया गया।

बिलासपुर जिला परिषद चुनाव में कांटे की टक्कर

अनंत ज्ञान

◆ **निर्दलीय उम्मीदवारों ने बढ़ाई भाजपा और कांग्रेस की धड़कनें**

ब्यूरो, बिलासपुर। बिलासपुर जिला परिषद चुनाव इस बार बेहद रोचक मोड़ पर पहुंच गया है। भाजपा और कांग्रेस के बीच सीधी राजनीतिक लड़ाई के बीच कई निर्दलीय उम्मीदवारों ने मैदान में मजबूत उपस्थिति दर्ज करवा कर चुनावी समीकरण पूरी तरह बदल दिए हैं। गांव-गांव में चल रहे जनसंपर्क अभियानों और स्थानीय मुद्दों को लेकर जनता के बीच सक्रियता के कारण कई निर्दलीय प्रत्याशी अब बड़े दलों के लिए चुनौती बनते नजर आ रहे हैं।

जांगला वार्ड से देवांश चंदेल लगातार युवाओं और ग्रामीण मतदाताओं के बीच अपनी मजबूत पकड़ बनाने में जुटे हुए हैं। वहीं बरठी वार्ड से बाबूराम अपने लंबे सामाजिक संपर्क और क्षेत्रीय पहुंच के चलते चुनाव को दिलचस्प बना रहे हैं। बरमाना वार्ड से रोहित ठाकुर भी लगातार घर-घर जाकर लोगों से संवाद कर रहे हैं, जिसके कारण क्षेत्र में उनका प्रभाव बढ़ता दिखाई दे रहा है।

इसके अलावा जुखाला वार्ड से पवन ठाकुर तथा नम्होल वार्ड से सुरभि ठाकुर भी अपने प्रचार अभियान में काफी आगे निकलते नजर आ रहे हैं। दोनों उम्मीदवार स्थानीय समस्याओं को प्रमुखता से उठा रहे हैं और लोगों से सीधे संवाद के जरिए समर्थन जुटाने में लगे हुए हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में इन उम्मीदवारों को मिल रहे समर्थन ने भाजपा और कांग्रेस दोनों दलों के रणनीतिकारों की चिंता बढ़ा दी है।

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि इस बार जिला परिषद चुनाव में स्थानीय मुद्दे, व्यक्तिगत छवि और जनसंपर्क बड़ी भूमिका निभा रहे हैं। कई जगहों पर मतदाता पारंपरिक राजनीतिक दलों से हटकर ऐसे उम्मीदवारों को समर्थन देने के मूड में दिखाई दे रहे हैं जो सीधे तौर पर क्षेत्र की समस्याओं से जुड़े रहे हैं।

चुनाव प्रचार के अंतिम चरण में पहुंचते-पहुंचते मुकाबला और अधिक दिलचस्प हो गया है। गांवों और पंचायतों में लगातार बैठकों, नुक्कड़ सभाओं और डोर-टू-डोर प्रचार का दौर जारी है। अब देखना होगा कि निर्दलीय उम्मीदवारों की यह बढ़ती लोकप्रियता चुनाव परिणामों में कितना असर डालती है और क्या वे भाजपा तथा कांग्रेस के समीकरण बिगाड़ने में सफल हो पाते हैं।

गोबिंदसागर-कोलडैम में अवैध मछली शिकार पर कसा शिकंजा

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर। मत्स्य विभाग ने गोबिंदसागर और कोलडैम जलाशयों में अवैध मत्स्य गतिविधियों के खिलाफ विशेष अभियान चलाकर कई मामलों में कार्रवाई की है। विभागीय टीमों ने विभिन्न क्षेत्रों में गश्त के दौरान अंडर साइज जाल जब्त किए और जुर्माना व मुआवजा राशि वसूली। गोबिंदसागर के बडडू, लुरहाड़ और दाड़ीभाड़ी क्षेत्रों से करीब 21 किलो अवैध जाल बरामद किए गए। वहीं, कोलडैम क्षेत्र में रात्रि गश्त के दौरान अवैध मछली परिवहन के तीन मामले पकड़े गए, जिनमें 10 हजार रुपए मुआवजा राशि वसूली गई। करीब 20 किलो खराब मछली भी नष्ट की गई। सहायक निदेशक मत्स्य पंकज ठाकुर ने बताया कि 16 जून से 15 अगस्त तक प्रजनन अवधि के दौरान मत्स्य आखेट पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। विभाग ने भविष्य में भी सख्त कार्रवाई जारी रखने की बात कही है।

◆ **मत्स्य विभाग ने छापेमारी कर जब्त किए जाल**

बिलासपुर में केमिस्ट एसोसिएशन की हड़ताल से शहरभर में दवा दुकानें रही बंद

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, बिलासपुर। बिलासपुर में केमिस्ट एसोसिएशन की हड़ताल का व्यापक असर देखने को मिला। हड़ताल के चलते शहर सहित आसपास के क्षेत्रों में अधिकांश मेडिकल स्टोर पूरी तरह बंद रहे, जिससे लोगों को दवाइयों की खरीद को लेकर काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। सुबह से ही बाजारों में दवा दुकानों के बंद शटर दिखाई दिए और आवश्यक दवाइयों के लिए मरीज तथा उनके परिजन इधर-उधर भटकते नजर आए।

◆ **क्षेत्रीय अस्पताल परिसर की दुकान खुली रहने से मरीजों को मिली राहत**

हालांकि, राहत की बात यह रही कि क्षेत्रीय अस्पताल बिलासपुर परिसर में स्थित मेडिकल स्टोर को खुला रखा गया, ताकि अस्पताल में उपचार के लिए आने वाले मरीजों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। अस्पताल प्रशासन और संबंधित दवा विक्रेताओं द्वारा यह व्यवस्था विशेष रूप से मरीजों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए की गई थी।

हड़ताल के कारण कई लोगों को नियमित दवाइयां लेने में दिक्कत हुई, विशेषकर बुजुर्ग मरीजों और गंभीर बीमारियों से जूझ रहे लोगों को परेशानी उठानी पड़ी। वहीं, अस्पताल परिसर में दुकान खुली होने से आपातकालीन मरीजों को काफी राहत मिली और जरूरी दवाइयां उपलब्ध होती रहीं।

जानकारी के अनुसार यह हड़ताल देशभर में विभिन्न मांगों को लेकर केमिस्ट एसोसिएशनों द्वारा की गई थी, जिसका असर बिलासपुर में भी साफ तौर पर दिखाई दिया। शहर के मुख्य बाजारों, बस स्टैंड क्षेत्र, अस्पताल रोड तथा अन्य स्थानों पर अधिकांश मेडिकल स्टोर बंद रहे।

लोगों का कहना था कि स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े मामलों में पूरी तरह बंद का असर आम जनता पर सीधे पड़ता है, इसलिए अस्पतालों के आसपास दवा उपलब्ध रहना बेहद जरूरी है। कई लोगों ने क्षेत्रीय अस्पताल परिसर की दुकान खुली रखने के निर्णय की सराहना भी की।

दिनभर शहर में हड़ताल को लेकर चर्चाएं होती रहीं और लोगों की नजरें इस बात पर टिकी रहीं कि दवा दुकानें दोबारा कब सामान्य रूप से खुलेंगी।

शालू शर्मा ने असिस्टेंट स्टाफ नर्स पद की परीक्षा की पास

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर। श्री नयना देवी क्षेत्र के अजनोल गांव की बेटी शालू शर्मा ने असिस्टेंट स्टाफ नर्स पद कोड 26004 की परीक्षा सफलतापूर्वक उत्तीर्ण कर ली है। इस उपलब्धि से पूरे क्षेत्र में हर्ष का माहौल है। शालू शर्मा वर्तमान में गुरुकुल भारती कॉलेज ऑफ नर्सिंग, चांदपुर में पिछले डेढ़ साल से नर्सिंग ट्यूटर के पद पर कार्यरत हैं। अपनी मेहनत, लगन और समर्पण से उन्होंने यह मुकाम हासिल किया है।

रौड़ा सेक्टर-3 में भजन संध्या का भव्य आयोजन 24 मई को

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर। रौड़ा सेक्टर में होने वाली भजन संध्या को लेकर बाल राम नाटक समिति रौड़ा सेक्टर-3 बिलासपुर की बैठक समिति के प्रधान सुमित शर्मा की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में भजन संध्या के आयोजन को लेकर समितियों का गठन किया गया तथा जिम्मेदारियां सौंपी गईं। जानकारी देते हुए पदाधिकारी ताहिर खान ने बताया कि आगामी 24 मई रविवार को शाम सात बजे से लेकर मध्य रात्रि 12 बजे तक भजन संध्या का आयोजन होगा। जिसमें भजन गायक विशाल पठानिया, सौरभ धीमान और शुभम मां भगवती जी का गुणगान करेंगे। अमन त्रिवेदी द्वारा सुंदर झांकियों के साथ मां का सुंदर भवन आकर्षण का केंद्र होंगे। उन्होंने सभी मां के भक्तों से आग्रह किया है कि इस भजन संध्या को सफल बनाने के लिए अपनी उपस्थिति जरूर दर्ज करवाएं।

शिवम बरठी ने जीती टंगार गांव की कुश्ती, अजय बने उपविजेता

विजेता पहलवान को पुरस्कृत करते मुख्यातिथि। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, बिलासपुर। सोलग जुरासी पंचायत के अंतर्गत गांव टंगार में लखदाता पीर कमेटी द्वारा भव्य कुश्ती दंगल का आयोजन किया गया। दंगल में क्षेत्र के कई नामी पहलवानों ने भाग लेकर अपने दमखम और कौशल का शानदार प्रदर्शन किया। इस रोमांचक मुकाबले में शिवम बरठी ने बेहतरीन खेल दिखाते हुए विजेता का खिताब अपने नाम किया जबकि अजय घागस उपविजेता रहे।

मुख्यातिथि द्वारा विजेता शिवम बरठी को गुर्ज के साथ 9100 रुपए तथा उपविजेता अजय घागस को 8100 रुपए की नकद राशि देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्यातिथि प्रमुख समाजसेवी एवं व्यवसायी राजेश कुमार रहे। उन्होंने कहा कि इस तरह के पारंपरिक खेल आयोजनों से हमारी सांस्कृतिक विरासत को मजबूती मिलती है और युवा पीढ़ी को अपनी जड़ों से जुड़ने का अवसर मिलता है। साथ ही ऐसे आयोजन युवाओं को नशे जैसी बुराइयों से भी दूर रखते हैं।

कार्यक्रम का संचालन पुलिस विभाग से सेवानिवृत्त एएसआई चंपत राय ने किया। उन्होंने जानकारी दी कि समाजसेवी राजेश कुमार पिछले 15 वर्षों से क्षेत्र में कुश्ती दंगल और अन्य खेलकूद प्रतियोगिताओं के साथ-साथ सामाजिक कार्यों को बढ़ावा देने में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। अब तक उन्होंने आसपास की पंचायतों में करीब 54 लाख रुपए का योगदान कर चुके हैं।

चेलियां कोटधार में 24 मई को मनाया जाएगा आदि धर्म स्थापना दिवस

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर। संत शिरोमणी गुरु रविदास गुरुघर प्रबंधक कमेटी कोटधार (भटेड़ फालां) की बैठक प्रधान लच्छू राम की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में 24 मई को आदि धर्म स्थान चेलियां में आयोजित होने वाले आदि, निशान एवं स्वरूप स्थापना दिवस की तैयारियों पर चर्चा की गई।

प्रधान लच्छू राम ने बताया कि कार्यक्रम में ऑल इंडिया आदि धर्म मिशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं गुरु रविदास जन्म स्थान काशी के महंत बाल ब्रह्मचारी आचार्य भारत भूषण जी और संत बलवीर दास जी संगत को प्रवचनों से निहाल करेंगे। 23 मई की शाम संतों का भव्य स्वागत किया जाएगा, जबकि 24 मई को झंडा रस्म, शब्द-कीर्तन, सत्संग, आरती-अरदास और लंगर का आयोजन होगा। कमेटी ने सभी धर्म प्रेमियों से कार्यक्रम में भाग लेने की अपील की है। बैठक में सचिव मदन लाल, कोषाध्यक्ष रूप लाल, राम लाल, कुलदीप चंद, विजय कुमार, पवन कुमार, भाग सिंह, सुखदेव, देवराज, पुरुषोतम दत्त आदि मौजूद रहे।

बिलासपुर नगर परिषद में अध्यक्ष पद को लेकर हलचल तेज

अनंत ज्ञान

अरुण डोगरा रीतू, बिलासपुर। बिलासपुर नगर परिषद चुनाव में भारतीय जनता पार्टी द्वारा 9 पार्षदों की जीत दर्ज करने के बाद अब नगर परिषद अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पद को लेकर राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। पार्टी के भीतर बैठकों और वार्ताओं का दौर शुरू हो चुका है तथा अध्यक्ष पद के लिए वार्ड नंबर एक से दूसरी बार विजयी हुई नरेश कुमारी का नाम सबसे आगे माना जा रहा है। नगर परिषद अध्यक्ष पद इस बार महिला अनुसूचित वर्ग के लिए आरक्षित है, जिसके चलते नरेश कुमारी की दावेदारी काफी मजबूत मानी जा रही है। राजनीतिक सूत्रों के अनुसार भाजपा संगठन और निर्वाचित पार्षदों के बीच इस विषय को लेकर पहले दौर की चर्चा भी हो चुकी है। हालांकि, अंतिम निर्णय सरकार द्वारा नोटिफिकेशन जारी होने के बाद ही औपचारिक रूप से सामने आएगा।

◆ **नरेश कुमारी सबसे प्रबल दावेदार, भाजपा में वार्ताओं का दौर शुरू**

जानकारी के अनुसार जैसे ही सरकार नगर परिषद अध्यक्ष और उपाध्यक्ष चुनाव को लेकर अधिसूचना जारी करेगी, उसके बाद चुनाव प्रक्रिया शुरू होगी। भाजपा फिलहाल अपने बहुमत के आधार पर अध्यक्ष पद पर अपना उम्मीदवार निर्वाचित करवाने की स्थिति में दिखाई दे रही है।

नरेश कुमारी पहले भी नगर परिषद में सक्रिय भूमिका निभा चुकी हैं और क्षेत्र में उनकी मजबूत पकड़ मानी जाती है। लगातार दूसरी बार जीत दर्ज करने के बाद उनका राजनीतिक अनुभव और जनसंपर्क उनकी सबसे बड़ी ताकत माने जा रहे हैं। पार्टी के कई नेता भी मानते हैं कि प्रशासनिक समझ और संगठनात्मक अनुभव के चलते वह परिषद का संचालन प्रभावी तरीके से कर सकती हैं।

सूत्रों का कहना है कि भाजपा इस बार भी सामाजिक संतुलन और सभी वर्गों को साथ लेकर चलने की रणनीति पर काम कर रही है। पार्टी इससे पहले भी आरक्षित वर्ग से उपाध्यक्ष पद पर प्रतिनिधित्व दे चुकी है और इस बार भी उसी सोच के तहत निर्णय लिए जाने की संभावना जताई जा रही है।

नगर परिषद चुनाव परिणाम आने के बाद अब राजनीतिक गतिविधियां और तेज हो गई हैं। शहर में अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पद को लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म है तथा विभिन्न गुटों के बीच लगातार संपर्क साधा जा रहा है। हालांकि, पार्टी की ओर से अभी तक आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है, लेकिन राजनीतिक गलियारों में नरेश कुमारी का नाम सबसे मजबूत दावेदार के रूप में लिया जा रहा है। आने वाले दिनों में सरकार की अधिसूचना जारी होते ही नगर परिषद की राजनीति और अधिक दिलचस्प होने की संभावना है।

खिलाड़ी स्टूडेंट्स की पुनः हुई विशेष परीक्षा पर सरकार का जताया आभार

अनंत ज्ञान

◆ **बिलासपुर कॉलेज प्राचार्य बोले- फैसले से खिलाड़ियों का बढ़ेगा उत्साह**

ब्यूरो, बिलासपुर। राजकीय महाविद्यालय बिलासपुर के प्राचार्य डॉ. पीएस कटवाल ने खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेने के कारण अंतिम परीक्षाओं से वंचित रहे विद्यार्थियों के लिए पुनः परीक्षा आयोजित करने पर हिमाचल प्रदेश सरकार का आभार व्यक्त किया है।

प्राचार्य डॉ. कटवाल ने बताया कि महाविद्यालय के विद्यार्थियों का चयन कोचिंग कैंप एवं ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी कायकिंग (पुरुष/ महिला) चैंपियनशिप 2025-26 के लिए हुआ था। विद्यार्थियों को रीजनल वाटर स्पोर्ट्स सेंटर, पोंग डैम, कांगड़ा में आयोजित कोचिंग कैम्प के लिए चयनित किया गया था। यह कैंप 26 मार्च 2026 से 2 अप्रैल 2026 तक आयोजित किया गया था।

उन्होंने बताया कि इस कैंप में महाविद्यालय की बीए तृतीय वर्ष की छात्रा निकिता तथा बीए प्रथम वर्ष की छात्रा अंजलि शर्मा ने भाग लिया। इसके पश्चात इन विद्यार्थियों ने ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी कायकिंग प्रतियोगिता में भी हिस्सा लिया, जिसका आयोजन वसंतदादा पाटिल स्मारक रॉयल कृष्णा बोट क्लब, कृष्णा रिवर, सांगली (महाराष्ट्र) में 5 अप्रैल से 8 अप्रैल 2026 तक किया गया। इसके अतिरिक्त ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी हैंडबॉल प्रतियोगिता का आयोजन राजस्थान में किया गया, जिसमें बीए प्रथम वर्ष के छात्र सुबहान और आर्यन ठाकुर ने महाविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया।

प्राचार्य ने कहा कि इन राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में भाग लेने के कारण कुछ विद्यार्थी अंतिम परीक्षाओं में सम्मिलित नहीं हो पाए थे। ऐसे विद्यार्थियों के हित को ध्यान में रखते हुए प्रदेश सरकार द्वारा 18 और 19 मई को विशेष परीक्षाओं का आयोजन किया गया। इसके लिए महाविद्यालय प्रशासन एवं प्राचार्य ने प्रदेश सरकार का धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया।

ऑनलाइन दवा बिक्री का विरोध; भरमौर में बंद रहे मेडिकल स्टोर, लोग हुए परेशान

भरमौर में एकजुट हुए दवा व्यापारी, सरकार से नियम कड़े करने की उठाई मांग

अनंत ज्ञान

भरमौर। भरमौर में बुधवार को ऑल इंडिया ऑर्गेनाइजेशन ऑफ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स के आह्वान पर मेडिकल केमिस्ट एसोसिएशन ने ऑनलाइन दवा बिक्री और ई-फार्मेसी प्लेटफॉर्म के विरोध में पूर्ण बंद रखा। इस दौरान भरमौर बाजार के सभी मेडिकल स्टोर, कई निजी क्लीनिक और दवा विक्रेताओं ने अपने प्रतिष्ठान बंद रखकर विरोध दर्ज कराया। मेडिकल केमिस्ट एसोसिएशन भरमौर के अध्यक्ष विनय सनियाल, महासचिव राजीव कुमार और कोषाध्यक्ष संजु कुमार ने कहा कि बिना उचित नियंत्रण के ऑनलाइन दवा बिक्री मरीजों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बन सकती है।

ई-फार्मेसी के विरोध में नाराजगी जताते मेडिकल स्टोर संचालक। अनंत ज्ञान

उन्होंने फर्जी प्रिस्क्रिप्शन, एंटीबायोटिक दवाओं के दुरुपयोग और नकली दवाओं की आशंका जताते हुए सरकार से सख्त नियम लागू करने की मांग की। एसोसिएशन पदाधिकारियों का कहना है कि स्थानीय मेडिकल स्टोर मरीजों को आवश्यक परामर्श और सही जानकारी उपलब्ध कराते हैं, जबकि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर यह सीधा संवाद समाप्त हो जाता है। इससे मरीजों के स्वास्थ्य पर जोखिम बढ़ सकता है। साथ ही बड़ी ई-फार्मेसी कंपनियों के विस्तार से छोटे व्यापारियों की आजीविका प्रभावित होने की भी चिंता जताई गई। इस मौके पर चौरासी व्यापार मंडल भरमौर के वरिष्ठ उपाध्यक्ष आजाद जरियाल, प्रधान महिंद्र पटियाल और महासचिव सुमित ठाकुर भी मौजूद रहे। उन्होंने सरकार से मांग की कि ऑनलाइन दवा बिक्री पर कड़े नियंत्रण लागू किए जाएं और छोटे व्यापारियों के हित सुरक्षित रखे जाएं।

21 व 23 को बिजली आपूर्ति रहेगी बाधित

अनंत ज्ञान, देशराज कश्यप, धरवाला। हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड द्वारा बिजली प्रणाली को सुदृढ़ बनाने और आवश्यक मेंटेनेंस कार्य के चलते विद्युत उपमंडल धरवाला के अंतर्गत बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। यह शटडाउन 21 मई (वीरवार) और 23 मई (शनिवार) को निर्धारित किया गया है।

सहायक अभियंता मनोज कुमार ने बताया कि 11 केवी लिल्ह फीडर पर तकनीकी कार्य, पेड़ों की शाखाओं की कटाई-छंटाई और अन्य आवश्यक रखरखाव किया जाएगा। इस कारण सुबह 9:00 बजे से शाम 6:00 बजे तक बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। इस दौरान किलोड़, कुनेड, कलमला, गांण और प्रीणा सहित आसपास के क्षेत्रों में भी आपूर्ति प्रभावित रहेगी। विभाग ने उपभोक्ताओं से सहयोग की अपील की है और कहा है कि मौसम या परिस्थितियों के अनुसार कार्यक्रम में बदलाव संभव है।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष के नेतृत्व में बदलता हुआ नजर आने लगा चंबा कांग्रेस का सियासी माहौल

अनंत ज्ञान

राहुल सहगल, चंबा। चंबा की राजनीति में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का बदलता हुआ रुख अब धीरे-धीरे स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। लंबे समय से संगठन के भीतर जिस ठहराव और कमजोर होते मनोबल की चर्चा चल रही थी, वह अब नगर निकाय चुनावों में मिली जीत के बाद नई ऊर्जा और आत्मविश्वास में बदलती नजर आ रही है। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि जब से सुरजीत शर्मा भरमौरी ने जिला कांग्रेस अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभाली है, तब से संगठन की कार्यशैली और सक्रियता में बदलाव देखने को मिला है।

◆ **नगर निकाय जीत से कार्यकर्ताओं में लौटी उम्मीद**

उन्होंने पदभार संभालते ही स्पष्ट किया था कि राजनीति अब बंद कमरों तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि कार्यकर्ता सीधे जनता के बीच जाकर संगठन को मजबूत करेंगे। नगर परिषद और नगर निकाय चुनावों में मिली सफलता ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं में नया उत्साह भर दिया है। पार्टी के भीतर यह माहौल बन रहा है कि आगामी पंचायती राज चुनावों में भी इसका सकारात्मक असर देखने को मिलेगा। इस बदलाव में जिला महासचिव जितेंद्र सूर्य, जिला सचिव रजनी शर्मा और जिला महासचिव सुरेंद्र सिंह की सक्रिय भूमिका भी बताई जा रही है। चुराह में आयोजित प्रेसवार्ता में सुरजीत शर्मा भरमौरी ने कहा कि जनता ने कांग्रेस की विकासपरक नीतियों पर भरोसा जताया है और यह विश्वास आगे भी मजबूत होगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर चुनावी मैदान में उतरने और गांव स्तर तक जनता की समस्याएं उठाने का आह्वान किया। फिलहाल चंबा की राजनीति में कांग्रेस का वातावरण पहले की तुलना में अधिक सक्रिय और संगठित नजर आ रहा है, हालांकि इसका वास्तविक प्रभाव आने वाले चुनावी नतीजों में ही स्पष्ट होगा।

जेएसडब्ल्यू परियोजना के खिलाफ युवाओं ने दी आंदोलन की चेतावनी

अनंत ज्ञान

भरमौर। भरमौर विधानसभा क्षेत्र में जेएसडब्ल्यू कुठेड़ 240 मेगावॉट हाइड्रो परियोजना को लेकर स्थानीय युवाओं और प्रभावित पंचायतों में असंतोष लगातार बढ़ता जा रहा है। इसी मुद्दे पर यूथ इंटक यूनियन ने भरमौर में अपनी नई ब्लॉक कार्यकारिणी का गठन करते हुए कंपनी प्रबंधन को स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि स्थानीय लोगों के अधिकारों, रोजगार और मुआवजे की अनदेखी जारी रही तो क्षेत्र में बड़े जनआंदोलन की शुरुआत की जाएगी। कार्यक्रम में युवाओं की भारी भागीदारी देखने को मिली, जहां संगठन की नई ब्लॉक टीम का गठन किया गया।

हेमराज कालरा को ब्लॉक अध्यक्ष, तेज सिंह राणा और दीना नाथ को उपाध्यक्ष, बिक्कू राम को महासचिव, कनिश शर्मा को सचिव तथा अनिल चौहान (काका) को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया। इसके अलावा अजय कुमार को मीडिया प्रभारी तथा कमलेश कुमार, रिंकू राम, हरनाम सिंह सहित अन्य सदस्यों को सलाहकार और सदस्य की जिम्मेदारी सौंपी गई। विरेंद्र पुजारी ने कहा कि होली से खड़ामुख तक फैली परियोजना प्रभावित पंचायतों में गहरा रोष है। उन्होंने आरोप लगाया कि परियोजना में स्थानीय संसाधनों का उपयोग तो किया गया, लेकिन रोजगार के अवसरों में स्थानीय युवाओं को प्राथमिकता देने के बजाय बाहरी लोगों को शामिल किया जा रहा है। 21 मई को यूनियन प्रभावित पंचायतों के साथ मिलकर परियोजना प्रमुख और महाप्रबंधक को ज्ञापन सौंपेगी, जिसमें स्थानीय युवाओं को प्राथमिकता देने की मांग की जाएगी। साथ ही कर्मचारियों की सूची, रोजगार रिकॉर्ड, एलएडीएफ और सीएसआर फंड का पूरा लेखा-जोखा सार्वजनिक करने की मांग भी रखी जाएगी। यूनियन ने टनल ब्लास्टिंग से हुए नुकसान, लंबित मुआवजे और रॉयल्टी में हिस्सेदारी जैसे मुद्दों को भी उठाया है। साथ ही चेतावनी दी है कि यदि सात दिनों के भीतर मांगों पर कार्रवाई नहीं हुई तो धरना-प्रदर्शन, चरणबद्ध आंदोलन और कानूनी कार्रवाई शुरू की जाएगी।

◆ **यूथ इंटक यूनियन की दो टूक आज प्रबंधन को घेरा जाएगा**

◆ **स्थानीय युवाओं को रोजगार नहीं तो परियोजना भी नहीं**

जिला निर्वाचन अधिकारी मुकेश ने किया विकास खंड मैहला का दौरा

अनंत ज्ञान

◆ **बैलेट पेपर लिखने संबंधी कार्य, स्ट्रांग रूम तथा काउंटिंग हॉल का किया निरीक्षण**

ब्यूरो, चंबा। उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी मुकेश रेपसवाल ने बुधवार को विकास खंड मैहला का दौरा कर पंचायत चुनावों से संबंधित तैयारियों का जायजा लिया तथा पंचायत चुनावों से जुड़े अधिकारियों व कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों को बैलेट पेपर लिखने संबंधी कार्य को निर्धारित समय अवधि के भीतर पूरा करने के निर्देश दिए। डीसी में कहा कि बैलेट पेपर लिखने के कार्य को तीव्रता के साथ पूर्ण करते हुए कार्य की गुणवत्ता तथा शुद्धता का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने खंड विकास अधिकारी कार्यालय मैहला, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मैहला तथा राजकीय प्राथमिक पाठशाला मैहला में जाकर बैलेट पेपर लिखने संबंधी कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने मैहला में बनाए गए स्ट्रांग रूम तथा काउंटिंग हॉल का भी विस्तृत जायजा लिया। इस अवसर पर खंड विकास अधिकारी मैहला डॉक्टर बशीर ने जिला निर्वाचन अधिकारी को अवगत करवाया कि विकास खंड मैहला में बेल्ट पेपर लिखने का कार्य 19 मई से आरंभ किया गया है तथा इसे 22 मई तक पूर्ण कर लिया जाएगा। वहीं, विकास खंड भरमौर का दौरा कर पंचायत चुनावों से संबंधित तैयारियों का विस्तृत निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। दौरे के दौरान उपायुक्त ने बैलेट पेपर लिखने के कार्य की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी कार्य निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरे किए जाएं।

चंबा के नौनिहालों ने विकसित भारत बिल्डाथॉन में लहराया परचम

देशभर के टॉप-100 विद्यालयों में शामिल हुआ पीएम श्री जीएमजीएसएसएस चंबा

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, चंबा। चंबा के विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय स्तर पर एक बड़ी उपलब्धि हासिल कर जिले का नाम रोशन किया है। विकसित भारत बिल्डाथॉन में जिले के होनहार विद्यार्थियों ने नवाचार, विज्ञान और रचनात्मक सोच का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय मंच पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। पीएम श्री जीएमएसएसएस चंबा ने देशभर के शीर्ष 100 प्रदर्शन करने वाले विद्यालयों में स्थान प्राप्त कर एक ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज की है।

विद्यार्थियों की ओर से तैयार किए अभिनव प्रोटोटाइप को खूब सराहा।

विद्यार्थियों द्वारा तैयार किए गए अभिनव प्रोटोटाइप को राष्ट्रीय स्तर पर विशेष सराहना मिली, जिसके लिए चयनित टीम को 25 हजार रुपए की पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी। प्रतियोगिता में 'ग्रीन रिवोल्यूशन: कचरे को इको-इनोवेशन में बदलना' विषय पर प्रस्तुत मॉडल ने निर्णायकों को काफी प्रभावित किया। वहीं जीएसएसएस खरगट ने 'इको हेक्सा' नामक नवाचार के साथ जिला स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस उपलब्धि को उच्च शिक्षा उपनिदेशक विकास महाजन ने चंबा जिले के लिए ऐतिहासिक क्षण बताया और कहा कि सीमित संसाधनों के बावजूद विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा से राष्ट्रीय पहचान बनाई है। उन्होंने इसे आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणादायक बताया। जिला समन्वयक सपना महाजन ने चयन प्रक्रिया में शामिल ज्यूरी सदस्यों का आभार व्यक्त किया और शिक्षकों के मार्गदर्शन की सराहना की।

प्रधानाचार्या श्रीकला विज, प्रधानाचार्य सतीश कुमार, अध्यापक सुनील धीमान और शिवम पुरी के योगदान को भी विशेष रूप से उल्लेखनीय बताया गया।

अल्फा स्कूल के 'कोडस्टोन-2026' हैकाथॉन में देशभर के छात्रों ने दिखाई प्रतिभा

अनंत ज्ञान

गुरनाम सागर, मोहाली। रयात बाहरा यूनिवर्सिटी के अल्फा स्कूल द्वारा हैकाथॉन 2026 का आयोजन किया गया, जो 24 घंटे तक चलने वाला राष्ट्रीय स्तर का कोडिंग कार्यक्रम था। इसमें देशभर के प्रतिभाशाली युवाओं ने हिस्सा लेकर अपनी तकनीकी दक्षता और नवाचार क्षमता का प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण 'कोडस्टोन 2026' रहा, जिसमें सात राज्यों की 52 टीमों ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने वास्तविक समय की चुनौतियों पर काम करते हुए रचनात्मक समाधान प्रस्तुत किए। इस आयोजन में एमिटी यूनिवर्सिटी, पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज और महाराजा अग्रसेन यूनिवर्सिटी सहित कई प्रतिष्ठित संस्थानों के छात्रों ने भाग लिया।

कार्यक्रम में प्रो-वाइस चांसलर प्रो. (डॉ.) सतीश कुमार मुख्य अतिथि रहे, जबकि जजिंग पैनल में डॉ. वी. एन. शिवलिंग, डॉ. प्रसेंजीत दास और ओम कनौजिया शामिल रहे। जजों ने प्रतिभागियों की टीम वर्क और नवाचार की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों को उद्योग-उन्मुख शिक्षा और तकनीकी क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं।

जींद: बिना रूट परमिट चल रही परिवहन समिति की 3 बसें जब्त

अनंत ज्ञान, जींद। सीएम फ्लाइंग तथा आरटीए विभाग की संयुक्त टीम ने बुधवार को नरवाना में बिना परमिट के चल रही परिवहन समिति की तीन बसों को इम्पाउंड किया है। बसों में प्रेशर होर्न लगे हुए थे और बसों के चालक व परिचालक भी बिना वर्दी के मिले। जिस पर आरटीए विभाग ने तीनों परिवहन समिति बसों को साढ़े 58 हजार रुपए जुर्माना लगाया है।

सीएम फ्लाइंग को सूचना मिली थी कि नरवाना में कुछ रूटों पर बिना परमिट के परिवन समिति बसें चल रही हैं। जिससे सरकार को राजस्व का नुकसान हो रहा है। जिसके आधार पर सीएम फ्लाइंग के इंसपेक्टर रोहताश, सब इंसपेक्टर बिजेंद्र, पवन तथा चरण सिंह व आरटीए विभाग के इंसपेक्टर बलजीत सिंह ने संयुक्त रूप में कार्रवाई करते हुए नरवाना के आउटर पर आने जाने वाली परिवहन समिति बसों पर नजर रखनी शुरू कर दी। टीम ने किठाना से नरवाना आ रही परिवहन समिति बस को रूकवा कर रूट परमिट मांगा तो वह नही मिला। फिर टीम ने नरवाना-सुरबूरा रूट पर चल रही परिवहन समिति बस को रूकवा कर जांच की तो उसके पास भी रूट परमिट नही मिला। फिर टीम ने नरवाना से किठाना जा रही परिवहन समिति बस को रूकवा कर जांच की तो उसके पास भी रूट परमिट नही मिला। तीनों बसों में प्रेशर हार्न लगे पाए गए। तीनों बसों के चालक तथा परिचालकों ने वर्दी नही पहनी हुई थी।

यमुनानगर में नीट पेपर लीक व महंगाई के विरोध में कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

अनंत ज्ञान

यमुनानगर। नीट परीक्षा पेपर लीक प्रकरण और पेट्रोल-डीजल की लगातार बढ़ती कीमतों के विरोध में बुधवार को जिला यमुनानगर कांग्रेस कमेटी ने केंद्र सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। कांग्रेस कार्यकर्ता और पदाधिकारी जगाधरी अनाज मंडी गेट पर एकत्रित हुए, जहां धरना देकर केंद्र सरकार के विरुद्ध नारेबाजी की गई। इसके बाद कार्यकर्ताओं ने शहर में मार्च निकालते हुए लघु सचिवालय पहुंचकर जिला उपायुक्त के माध्यम से राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में नीट परीक्षा में कथित अनियमितताओं की निष्पक्ष एवं उच्च स्तरीय जांच कराने, दोषियों पर कठोर कार्रवाई करने तथा बढ़ती महंगाई पर तत्काल प्रभाव से नियंत्रण लगाने की मांग की गई। कांग्रेस शहरी जिलाध्यक्ष देवेंद्र सिंह ने कहा कि देश की प्रमुख प्रतियोगी परीक्षाओं में शामिल नीट परीक्षा का पेपर लीक होना शिक्षा व्यवस्था की विश्वसनीयता पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है। उन्होंने कहा कि लगातार सामने आ रहे पेपर लीक मामलों से विद्यार्थियों और अभिभावकों में निराशा बढ़ रही है तथा युवाओं का भरोसा कमजोर हो रहा है।

ग्रामीण जिलाध्यक्ष नरपाल सिंह ने कहा कि पेट्रोल और डीजल की कीमतों में लगातार वृद्धि से आम नागरिकों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ा है। उन्होंने कहा कि ईंधन महंगा होने से परिवहन, कृषि, उद्योग और दैनिक उपयोग की वस्तुओं की लागत बढ़ रही है, जिसका सीधा असर मध्यम वर्ग, किसानों और मजदूरों पर पड़ रहा है। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि बढ़ती लागत के कारण किसानों की खेती प्रभावित हो रही है, क्योंकि कृषि कार्यों में डीजल आधारित संसाधनों पर निर्भरता अधिक है। उन्होंने केंद्र सरकार से राहतकारी कदम उठाने की मांग की।

'आम आदमी पार्टी' ने पंजाब सोशल मीडिया विंग के लिए नए पदाधिकारी किए घोषित

अनंत ज्ञान, गुरनाम सागर, चंडीगढ़। आम आदमी पार्टी (आप) पंजाब ने राज्य भर में अपनी डिजिटल पहुंच और जमीनी स्तर पर संचार नेटवर्क को और मजबूत करने की अपने प्रयासों के हिस्से के रूप में अपने सोशल मीडिया विंग के लिए नए पदाधिकारियों की नियुक्ति की घोषणा की है। सभी नए नियुक्त सदस्यों को बधाई देते हुए, पार्टी लीडरशिप ने भरोसा जताया कि टीम पार्टी की नीतियों, उपलब्धियों और लोगों के हित में उठाए गए कदमों को लोगों तक प्रभावशाली तरीके से पहुंचाने के लिए पूरी लगन से काम करेगी।

पार्टी ने बलजीत सिंह बब्बू और कुलदीप सोही को सोशल मीडिया विंग का स्टेट ज्वॉइंट सचिव नियुक्त किया है। जिला स्तर पर, गुरविंदर पुन्नावाल को संगरूर का जिला इंचार्ज, रासदीप सिंह दलुआना को मानसा का जिला इंचार्ज, पलविंदर सिंह को कपूरथला का जिला सचिव और हरविंदर ऋषि सतोज को संगरूर का जिला सचिव नियुक्त किया गया है। इसके अलावा, पार्टी ने सोशल मीडिया विंग के संगठनात्मक ढांचे का और विस्तर करने तथा मजबूत करने के लिए 27 हलका को-ऑर्डिनेटर, 41 हलका वाइस कोऑर्डिनेटर और 450 से ज्यादा ब्लॉक कोऑर्डिनेटर भी नियुक्त किए हैं। पार्टी ने सभी नए नियुक्त पदाधिकारियों को अपनी शुभकामनाएं दी हैं और उम्मीद जताई है कि वे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए पंजाब के लोगों के साथ पार्टी के रिश्ते को मजबूत करने के लिए पूरी लगन और कमिटमेंट के साथ काम करेंगे।

फरीदाबाद में बिजली आपूर्ति गड़बड़ाई तो विरोध में सड़क पर उतरे लोग

अनंत ज्ञान

फरीदाबाद। फरीदाबाद के पल्ला थाना क्षेत्र में बिजली कटौती से परेशान लोगों का गुस्सा सडक़ों पर फूट पड़ा। मंगलवार देर रात बसंतपुर-सेहतपुर रोड पर सैकड़ों लोगों ने जाम लगा दिया। लोगों का आरोप है कि पिछले चार दिनों से उनके घरों में बिजली नहीं पहुंच रही है, जिससे उनका जन-जीवन पूरी तरह प्रभावित हो गया है।

स्थानीय निवासी सुशांत ने बताया कि कालोनियों में हर रात करीब 10 बजे बिजली काट दी जाती है और सुबह 6 बजे थोड़ी देर के लिए ही सप्लाई आती है। लगातार हो रही कटौती के कारण लोग रात में सो तक नहीं पा रहे हैं। वहीं, पानी की समस्या भी गंभीर हो गई है और लोगों को बाहर से पानी खरीदकर पीना पड़ रहा है। प्रदर्शन कर रहे लोगों ने आरोप लगाया कि कालोनियों की बिजली काटकर सेक्टरों को सप्लाई दी जा रही है, जबकि वे भी नियमित रूप से बिजली बिल का भुगतान करते हैं। बावजूद इसके उनकी समस्याओं की अनदेखी की जा रही है। आक्रोशित लोगों ने अपने दोपहिया वाहन सडक़ पर खड़े कर बसंतपुर-सेहतपुर रोड को कई घंटे तक जाम रखा, जिससे दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। जाम की सूचना मिलते ही पल्ला थाना पुलिस मौके पर पहुंची। थाना प्रभारी सत्य प्रकाश ने बताया कि बिजली समस्या को लेकर लोगों ने जाम लगाया था, जिन्हें समझाकर जाम खुलवा दिया गया है। साथ ही बिजली विभाग के अधिकारियों को भी मामले की सूचना दे दी गई है।

रेवाड़ी में सेना के जवान ने फंदा लगाकर दी जान

अनंत ज्ञान, रेवाड़ी। हरियाणा के रेवाड़ी जिले में भारतीय सेना के एक जवान ने घर में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना जिले के गांव नेहरूगढ़ की है, जहां 28 वर्षीय योगेश का शव बुधवार सुबह उनके कमरे में पंखे से लटका मिला। सूचना के बाद इलाके में शोक की लहर फैल गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। मृतक योगेश भारतीय सेना में कार्यरत थे और उनकी पोस्टिंग बाड़मेर स्थित ऑर्डिनेंस डिपो में थी। परिवार के अनुसार वे करीब 25 दिन पहले छुट्टी लेकर गांव आए थे।

बुधवार सुबह काफी देर तक कमरे से बाहर नहीं आने पर परिजनों को शक हुआ। जब कमरे का दरवाजा खोला गया तो योगेश फंदे से लटके मिले। परिजन तुरंत उन्हें कोसली सिविल अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन चिकित्सकों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही नाहड़ चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। परिवार का कहना है कि योगेश पिछले कई दिनों से मानसिक तनाव और डिप्रेशन में थे। हालांकि उन्होंने किसी प्रकार की पारिवारिक परेशानी की जानकारी नहीं दी थी।

केंद्र सरकार की लापरवाही का खमियाजा हर वर्ग को भुगतना पड़ रहा : कुमारी सैलजा

अनंत ज्ञान

फतेहाबाद। सिरसा लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि देश में बढ़ती महंगाई और अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि मिडल ईस्ट में लंबे समय से ईरान, इजरायल और अमेरिका के बीच तनाव की स्थिति बनी हुई थी, लेकिन केंद्र सरकार ने संभावित प्रभावों को लेकर पहले से कोई ठोस तैयारी नहीं की। आज पेट्रोल-डीजल की कीमतों में लगातार वृद्धि हो रही है, जिससे हर वस्तु महंगी होती जा रही है और आम आदमी पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है। केंद्र सरकार को समय रहते ऐसे प्रबंध करने चाहिए थे जिससे देशवासियों को राहत मिलती, लेकिन सरकार की लापरवाही का खामियाजा अब समाज के हर वर्ग को भुगतना पड़ रहा है।

सांसद बुधवार को रतिया स्थित रेस्ट हाउस में पत्रकारों से बातचीत कर रही थी। इस अवसर पर सांसद कुमारी सैलजा ने जनसुनवाई कर क्षेत्र के लोगों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान रतिया के एसडीएम सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। सांसद कुमारी सैलजा ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि जनसुनवाई में पहुंचे लोगों की मूलभूत समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर तुरंत समाधान सुनिश्चित किया जाए। जनता को अपने कार्यों के लिए बार-बार सरकारी कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें, इसके लिए प्रशासन संवेदनशीलता के साथ कार्य करे।

पत्रकारों से बातचीत करते हुए कुमारी सैलजा ने हरियाणा की कानून व्यवस्था और प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि प्रदेश में सरकार का सिस्टम पूरी तरह जाम हो चुका है। लोगों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए सडक़ों पर उतरकर आंदोलन और जाम लगाने को मजबूर होना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में लगातार अपराध, हत्या और हमलों की घटनाएं बढ़ रही हैं, जिससे आम नागरिक खुद को असुरक्षित महसूस कर रहा है। इस मौके पर पांच बार नगर पार्षद रहे अजमेर सिंह ने सैलजा के नेतृत्व में कांग्रेस में शामिल होने की घोषणा की।

यमुनानगर में ई-फार्मेसी के विरोध में मेडिकल स्टोर रहे बंद

अनंत ज्ञान

यमुनानगर। हरियाणा स्टेट केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन के आह्वान पर बुधवार को यमुनानगर जिले में मेडिकल स्टोर संचालकों ने एक दिवसीय बंद रखकर अपनी मांगों के समर्थन में प्रदर्शन किया। जिलेभर में करीब दो हजार दवा विक्रेताओं ने कारोबार बंद रखते हुए सरकार के प्रति नाराजगी जताई। दवा विक्रेता सुबह जगाधरी स्थित सिविल अस्पताल परिसर में एकत्रित हुए, जहां से उन्होंने विरोध मार्च निकाला। बाद में प्रतिनिधिमंडल ने विधायक घनश्याम अरोड़ा के माध्यम से सरकार को ज्ञापन सौंपा।

प्रदर्शन का नेतृत्व एसोसिएशन के जिला प्रधान मनजीत शर्मा ने किया। मनजीत शर्मा ने कहा कि देशभर के दवा विक्रेता लंबे समय से अपनी समस्याओं को लेकर सरकार का ध्यान आकर्षित कर रहे हैं, लेकिन अब तक कोई प्रभावी समाधान सामने नहीं आया। उन्होंने बताया कि ऑल इंडिया ऑर्गेनाइजेशन ऑफ केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट्स के आह्वान पर यह राष्ट्रव्यापी बंद आयोजित किया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि अवैध ई-फार्मेसी संचालन के कारण बिना चिकित्सकीय परामर्श के दवाओं की उपलब्धता बढ़ रही है, जिससे जनस्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। विशेष रूप से एंटीबायोटिक और नशे की प्रवृत्ति बढ़ाने वाली दवाओं के दुरुपयोग को लेकर चिंता व्यक्त की गई।

प्रदर्शनकारियों ने कहा कि कई ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर अप्रमाणित पर्चियों के आधार पर दवाओं की आपूर्ति की जा रही है। इससे पारंपरिक दवा वितरण प्रणाली प्रभावित हो रही है तथा मरीज और फार्मासिस्ट के बीच आवश्यक संवाद कमजोर पड़ रहा है। उन्होंने नकली अथवा अनुचित तरीके से संग्रहीत दवाओं के बाजार में पहुंचने की आशंका भी जताई। एसोसिएशन ने बड़ी कॉरपोरेट कंपनियों पर भारी छूट और आक्रामक मूल्य नीति के जरिए छोटे व्यापारियों को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया। पदाधिकारियों ने कहा कि यदि मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा।

रोहड़ू में प्रचार थमा, ड्राई-डे लागू

अगले 48 घंटे तक बंद रहेंगे ठेके, बीयर बार और क्लब

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। जिला शिमला के रोहड़ू नगर परिषद क्षेत्र में चुनाव प्रचार का शोर बुधवार दोपहर तीन बजे के बाद पूरी तरह थम गया। रिटर्निंग ऑफिसर एवं एसडीएम रोहड़ू द्वारा जारी आदेशों के तहत क्षेत्र में अगले 48 घंटों के लिए ड्राई-डे घोषित कर दिया गया है। इस दौरान शराब के सभी ठेके, बीयर बार, क्लब तथा शराब परोसने वाले होटल बंद रहेंगे। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि आदेशों की अवहेलना करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

नगर परिषद रोहड़ू में 22 मई को सुबह सात बजे से दोपहर तीन बजे तक मतदान प्रक्रिया संपन्न करवाई जाएगी। मतदान समाप्त होने के बाद उसी दिन मतों की गणना कर परिणाम घोषित किए जाएंगे।

चुनाव को शांतिपूर्ण, पारदर्शी और निष्पक्ष ढंग से संपन्न करवाने के लिए प्रशासन ने सुरक्षा तथा व्यवस्थाओं को लेकर व्यापक तैयारियां पूरी कर ली हैं।

सभी मतदान केंद्रों पर आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करवाने के निर्देश जारी किए गए हैं। प्रशासन के ओर से बताया गया है कि वीरवार सुबह पोलिंग पार्टियों को ईवीएम मशीनें और अन्य चुनाव सामग्री सौंप दी जाएगी।

- 22 मई को सुबह सात बजे से शुरू होगा मतदान
- प्रशासन ने शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष मतदान के लिए पूरी कीं तैयारियां

जानकारी के अनुसार इसके बाद मतदान दल अपने-अपने केंद्रों पर पहुंचकर व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देंगे, ताकि शुक्रवार सुबह तय समय पर मतदान प्रक्रिया सुचारु रूप से शुरू हो सके। अधिकारियों ने लोगों से लोकतंत्र के इस पर्व में बढ़-चढ़कर भाग लेने और शांतिपूर्ण माहौल बनाए रखने की अपील की है।

पंचायतीराज चुनावों को लेकर रामपुर बुशहर में बढ़ी सरगर्मी

अनंत ज्ञान

रामपुर बुशहर। रामपुर बुशहर विकास खंड की 37 पंचायतों में पंचायत चुनावों को लेकर माहौल पूरी तरह गर्मा गया है। चुनाव प्रचार अब चरम पर पहुंच चुका है और प्रत्याशी गांव-गांव जाकर जनसंपर्क अभियान चलाने में जुटे हैं। विकास खंड में 26, 28 और 30 मई को तीन चरणों में मतदान करवाया जाएगा। इस बीच कूट और बधाल ग्राम पंचायतों का निर्विरोध चुना जाना पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। प्रत्याशी सड़क, पानी, बिजली, स्वास्थ्य, शिक्षा और रोजगार जैसे मुद्दों को लेकर मतदाताओं से समर्थन मांग रहे हैं, जबकि ग्रामीण भी इस बार जागरूक होकर गांव के विकास के लिए सही प्रतिनिधि चुनने की बात कर रहे हैं। उधर, ऑल इंडिया क्राइम एंड ग्रीवेंस के सदस्य एवं शिक्षाविद् डॉ. मुकेश शर्मा ने कहा कि पंचायत चुनाव गांव की सरकार चुनने की सबसे सुंदर प्रक्रिया है, लेकिन आज यह रिश्तेदारी और रंजिश की राजनीति में उलझती जा रही है। उन्होंने मतदाताओं से अपील करते हुए कहा कि अब समय आ गया है कि लोग व्यक्तिगत संबंधों से ऊपर उठकर गांव के विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता और रोजगार जैसे असली मुद्दों पर मतदान करें। उन्होंने कहा कि मतदान केवल अधिकार नहीं बल्कि गांव के भविष्य को तय करने का माध्यम है और सही उम्मीदवार का चयन ही पंचायतों के सर्वांगीण विकास की नींव रख सकता है।

- 26, 28 और 30 मई को 3 चरणों में होगी वोटिंग

नगर निकाय चुनावों में कांग्रेस की जीत पर जताई खुशी

विकास व जनकल्याण की राजनीति पर जनता ने लगाई मुहर : प्रतिभा सिंह

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। हिमाचल प्रदेश में संपन्न नगर निकाय चुनावों में कांग्रेस के शानदार प्रदर्शन पर पूर्व सांसद प्रतिभा सिंह ने प्रदेश की जनता का आभार व्यक्त करते हुए इसे विकास, जनविश्वास और जनकल्याण की राजनीति की जीत बताया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस हमेशा विकास और लोगों की मूलभूत समस्याओं को केंद्र में रखकर चुनाव लड़ती है, जबकि भाजपा भावनात्मक मुद्दों, क्षेत्रवाद और धर्म की राजनीति के सहारे लोगों को गुमराह करने का प्रयास करती रही है। उन्होंने कहा कि चुनाव परिणामों ने स्पष्ट संकेत दे दिया है कि प्रदेश की जनता कांग्रेस सरकार की नीतियों और कार्यशैली के साथ मजबूती से खड़ी है।

- पूर्व सांसद ने भाजपा पर साधा निशाना, लोगों को गुमराह करने का आरोप

प्रतिभा सिंह ने कहा कि कांग्रेस सबको साथ लेकर चलने वाली पार्टी है और ग्रामीण विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है। उन्होंने पार्टी नेताओं, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से पंचायत चुनावों में भी पूरी एकजुटता और मजबूती के साथ मैदान में उतरने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस समर्थित प्रत्याशियों की जीत सुनिश्चित करने के लिए गांव-गांव तक सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यों को पहुंचाना होगा, ताकि ग्रामीण संस्था और अधिक सशक्त बन सके। उन्होंने चारों नगर निगम चुनावों में भी कांग्रेस की जीत का भरोसा जताते हुए इस सफलता के लिए प्रदेशवासियों तथा पार्टी कार्यकर्ताओं को बधाई दी।

टिक्कर कलां में प्रधान-उपप्रधान पद के लिए त्रिकोणीय मुकाबला

अनंत ज्ञान

प्रकाश धीमान, बैहना। बल्ह उपमंडल के अंतर्गत नवगठित ग्राम पंचायत टिक्कर कलां में प्रधान और उपप्रधान पद के चुनाव को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। दोनों पदों के लिए संभावित उम्मीदवारों के बीच आपसी सहमति नहीं बनने के चलते अब चुनावी मुकाबला पूरी तरह त्रिकोणीय होता जा रहा है। पंचायत के गठन के बाद पहली बार होने जा रहे इस चुनाव को लेकर क्षेत्र में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है और गांव-गांव में चुनावी चर्चाओं का माहौल गर्म हो चुका है। प्रधान और उपप्रधान पद के दावेदार लगातार लोगों के बीच पहुंचकर अपने पक्ष में समर्थन जुटाने में लगे हुए हैं।

- नवगठित पंचायत में चुनावी सरगर्मियां तेज
- मतदाताओं को लुभाने में जुटे तमाम दावेदार

प्रत्याशी घर-घर जाकर मतदाताओं से संपर्क साध रहे हैं तथा पंचायत के विकास, सड़क, पेयजल, स्वच्छता, युवाओं के लिए सुविधाएं और अन्य जनसमस्याओं के समाधान को लेकर बड़े-बड़े वादे किए जा रहे हैं। चुनाव प्रचार के दौरान पंचायत में विकास और पारदर्शिता को मुख्य मुद्दा बनाया जा रहा है। नई पंचायत होने के कारण इस बार चुनाव को लेकर मतदाताओं में भी काफी उत्सुकता है। ग्रामीणों का कहना है कि वे ऐसे नेतृत्व का चयन करना चाहते हैं जो पंचायत के समग्र विकास के लिए ईमानदारी और सक्रियता के साथ कार्य करे। वहीं राजनीतिक जानकारों की मानें तो त्रिकोणीय मुकाबले के चलते इस बार चुनाव काफी रोचक और कांटे का रहने वाला है। अब सभी की निगाहें आगामी 30 मई को होने वाले मतदान पर टिकी हैं, जहां टिक्कर कलां पंचायत के मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर पंचायत की नई नेतृत्व टीम का फैसला करेंगे।

प्रदेश के 25 शहरी निकायों में महिलाओं का होगा नेतृत्व

20 निकाय सामान्य वर्ग की महिलाओं और पांच एससी वर्ग के लिए आरक्षित

अनंत ज्ञान

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला। हिमाचल प्रदेश में होने वाले नगर निकाय चुनावों से पहले जारी आरक्षण रोस्टर ने प्रदेश की शहरी राजनीति का पूरा गणित बदल दिया है। शहरी विकास विभाग द्वारा जारी नए रोस्टर के अनुसार प्रदेश के 47 नगर निकायों में से 25 निकायों की कमान इस बार महिलाओं के हाथों में होगी। इनमें 20 पद सामान्य वर्ग की महिलाओं जबकि पांच पद अनुसूचित जाति महिला वर्ग के लिए आरक्षित किए गए हैं। रोस्टर सामने आते ही विभिन्न नगर परिषदों और नगर पंचायतों में चुनावी हलचल तेज हो गई है और संभावित दावेदारों ने अपने-अपने स्तर पर राजनीतिक सक्रियता बढ़ानी शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार महिलाओं के लिए आरक्षित किए गए निकायों में

कुल्लू की निरमंड नगर पंचायत, अर्की, कंडाघाट, ज्वालामुखी, संतोषगढ़, अंब, गगरेट, कुल्लू नगर परिषद, नूरपुर, ठियोग, टाहलीवाल, नाहन, पांवटा साहिब, सरकाघाट, सुजानपुर टीहरा, सुन्नी, डल्हौजी, चौपाल, जुब्बल और नारकंडा जैसे प्रमुख शहरी निकाय शामिल हैं। इन क्षेत्रों में अब महिला नेतृत्व को आगे बढ़ाने की कवायद तेज हो गई है। राजनीतिक दलों के साथ-साथ स्थानीय स्तर पर भी नए चेहरे सामने आने लगे हैं, जिससे चुनावी मुकाबला और रोचक होने की संभावना बन गई है।

- आरक्षण रोस्टर से बदले सियासी समीकरण

अनुसूचित जाति महिला वर्ग के लिए ऊना की दौलतपुर नगर पंचायत, चंबा नगर परिषद, बंजार नगर पंचायत, बिलासपुर नगर परिषद और सुंदरनगर नगर परिषद आरक्षित की गई हैं। वहीं मैहतपुर, नगरोटा बगवां, घुमारवीं, रोहड़ू और चिड़गांव को अनुसूचित जाति वर्ग के लिए आरक्षित रखा गया है। इसके अलावा शाहपुर नगर परिषद प्रदेश की एकमात्र सीट है जिसे अनुसूचित जनजाति वर्ग के लिए आरक्षित किया गया है।

आरक्षण रोस्टर के बाद कई मौजूदा नेताओं के चुनावी समीकरण प्रभावित हुए हैं और अब परिवार की महिला सदस्यों को चुनाव मैदान में उतारने की चर्चाएं भी तेज हो गई हैं।

18 निकाय अनारक्षित

प्रदेश के 18 नगर निकायों को अनारक्षित श्रेणी में रखा गया है। इनमें नयना देवी, कांगड़ा, देहरा, मनाली, रामपुर, नालागढ़, परवाणू, नेरवा, कोटखाई और करसोग जैसे प्रमुख क्षेत्र शामिल हैं। इन सीटों पर राजनीतिक दलों के बीच सीधा मुकाबला देखने को मिल सकता है। उधर जिला परिषद अध्यक्ष पदों के लिए जारी रोस्टर में भी महिलाओं की भागीदारी मजबूत हुई है। 12 जिलों में से छह जिलों में महिला अध्यक्ष चुनी जाएंगी। कांगड़ा में ओबीसी महिला, हमीरपुर और चंबा में सामान्य महिला, जबकि सिरमौर और सोलन में एससी महिला वर्ग के लिए पद आरक्षित किए गए हैं।

पंचायत चुनाव : जोगिंद्रनगर में प्रचार में जुटे उम्मीदवार

अनंत ज्ञान

जोगिंद्रनगर। पंचायत चुनाव की तारीख नजदीक आते ही जोगिंद्रनगर क्षेत्र में चुनावी माहौल पूरी तरह गर्मा गया है। विभिन्न पंचायतों के प्रत्याशी मतदाताओं को अपने पक्ष में करने के लिए जोर-शोर से प्रचार प्रसार में जुट गए हैं। गांव-गांव और

- घर-घर जाकर लोगों से समर्थन मांग रहे प्रत्याशी

घर-घर जाकर प्रत्याशी लोगों से समर्थन मांग रहे हैं तथा अपने चुनावी वादों और योजनाओं को जनता के सामने रख रहे हैं।

सुबह से लेकर देर शाम तक पंचायत क्षेत्रों में चुनावी गतिविधियां देखने को मिल रही हैं। कहीं नुक्कड़ सभाएं आयोजित की जा रही हैं तो कहीं युवा और महिला समूहों के साथ बैठकें कर विकास के मुद्दों पर चर्चा की जा रही है। प्रत्याशी सड़क, पानी, बिजली, स्वच्छता, स्वास्थ्य तथा रोजगार जैसे मुद्दों को प्रमुखता से उठाकर लोगों को अपनी ओर आकर्षित करने का प्रयास कर रहे हैं। चुनाव प्रचार के दौरान समर्थकों में भी खासा उत्साह देखने को मिल रहा है।

प्रत्याशियों के समर्थन में निकाली जा रहीं रैलियां

कई स्थानों पर प्रत्याशियों के समर्थन में रैलियां और जनसंपर्क अभियान चलाए जा रहे हैं। सोशल मीडिया का भी चुनाव प्रचार में खूब इस्तेमाल हो रहा है, जहां प्रत्याशी अपने संदेश और योजनाएं साझा कर रहे हैं। वहीं प्रशासन द्वारा भी चुनाव प्रक्रिया को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष तरीके से संपन्न करवाने के लिए तैयारियां तेज कर दी गई हैं। आचार संहिता का पालन सुनिश्चित करने के लिए संबंधित अधिकारियों द्वारा लगातार निगरानी रखी जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पंचायत चुनाव गांवों के विकास से सीधे जुड़े होते हैं, इसलिए इस बार मतदाता भी सोच-समझकर अपने प्रतिनिधि का चयन करने की बात कर रहे हैं। आने वाले दिनों में चुनाव प्रचार और अधिक तेज होने की संभावना जताई जा रही है।

मतदान दलों को दिया दूसरा प्रशिक्षण

प्रशिक्षण में 94 पोलिंग पार्टियों व 13 सेक्टर अधिकारियों ने लिया भाग

अनंत ज्ञान

रामपुर बुशहर। पंचायतीराज संस्थाओं के सामान्य निर्वाचन के सफल, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण संचालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आज रामपुर बुशहर में सेक्टर अधिकारियों, प्रेजाइडिंग अधिकारियों, सहायक प्रेजाइडिंग अधिकारियों तथा मतदान अधिकारियों का दूसरा प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह प्रशिक्षण राजकीय महाविद्यालय रामपुर के सभागार में संपन्न हुआ। प्रशिक्षण कार्यक्रम की अध्यक्षता रिटर्निंग अधिकारी (पंचायत) एवं उपमंडलाधिकारी नागरिक रामपुर हर्ष अमरेंद्र सिंह ने की। प्रशिक्षण में कुल 94 पोलिंग पार्टियों तथा 13 सेक्टर अधिकारियों ने भाग लिया।

रिटर्निंग अधिकारी एवं उपमंडलाधिकारी नागरिक रामपुर हर्ष अमरेंद्र सिंह ने बताया कि विकास खण्ड रामपुर में 39 पंचायतें, तीन जिला परिषद तथा 19 पंचायत समिति सदस्यों के चुनाव तीन चरणों में 26, 28 एवं 30 मई, 2026 को संपन्न करवाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि प्रत्येक चरण में 13-13 पंचायतों को शामिल किया गया है।

उन्होंने बताया कि विकास खंड रामपुर में पंचायती राज चुनाव में तैनात सभी अधिकारी एवं कर्मचारी 22 मई, 2026 को खंड विकास अधिकारी कार्यालय रामपुर में अपने मत का प्रयोग करेंगे।

हिमाचल में 10,854 पंचायत प्रतिनिधि निर्विरोध निर्वाचित

कई गांवों में बनी सहमति की मिसाल, बिना मतदान किए चुने गए 176 प्रधान और 286 उपप्रधान

अनंत ज्ञान

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला। हिमाचल प्रदेश में पंचायतीराज चुनावों से पहले लोकतंत्र का एक अनूठा और सकारात्मक स्वरूप देखने को मिला है। प्रदेश की 3754 पंचायतों में से 10,854 प्रतिनिधि निर्विरोध निर्वाचित घोषित हुए हैं। इनमें 176 प्रधान, 286 उपप्रधान, 85 पंचायत समिति सदस्य और सबसे अधिक 10,307 वार्ड सदस्य शामिल हैं। खास बात यह रही कि 131 पंचायतों ने बिना किसी मुकाबले के अपने प्रतिनिधि चुनकर प्रदेशभर में नई मिसाल पेश की है। सरकार ने ऐसी पंचायतों को 25-25 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा भी की है, जिससे गांवों में विकास कार्यों को नई गति मिलने की उम्मीद है। जानकारी के अनुसार प्रदेश के कई जिलों में निर्विरोध चुनावों को लेकर उत्साह का माहौल बना हुआ है। शिमला जिला इस मामले में सबसे आगे रहा, जहां 1687 पंचायत सदस्य, 21 पंचायत समिति सदस्य, 51 प्रधान और 87 उपप्रधान निर्विरोध चुने गए। जिले की 42 पंचायतों ने आपसी सहमति से चुनाव संपन्न कर प्रदेश में सबसे अधिक निर्विरोध पंचायतों का रिकॉर्ड बनाया।

राजनीतिक जानकार इसे गांवों में बढ़ती सामाजिक एकजुटता और चुनावी सौहार्द का संकेत मान रहे हैं। किन्नौर, लाहौल-स्पीति और

- शिमला जिले में सबसे ज्यादा 42 पंचायतें चुनीं

कुल्लू जैसे जनजातीय एवं दुर्गम जिलों में भी लोगों ने सहमति आधारित लोकतंत्र को प्राथमिकता दी। किन्नौर में 18 पंचायतें, लाहौल-स्पीति में पांच और कुल्लू में पांच पंचायतें निर्विरोध चुनी गईं। वहीं कांगड़ा में 1657 वार्ड सदस्य और सिरमौर में 1166 पंचायत सदस्य बिना मतदान विजयी बने। सिरमौर में 32 प्रधान और 71 उपप्रधानों का निर्विरोध चुना जाना भी चर्चा का विषय बना हुआ है। मंडी, सोलन और ऊना जिलों में भी पंचायत चुनावों को लेकर शांतिपूर्ण माहौल देखने को मिला। मंडी में 17 पंचायतें निर्विरोध चुनी गईं, जबकि सोलन में 13 पंचायतों ने सर्वसम्मति से अपने प्रतिनिधि चुने। चुनाव आयोग के अनुसार जिन पंचायतों में चुनाव शेष हैं, वहां 26, 28 और 30 मई को मतदान कराया जाएगा।

प्रशासन ने निष्पक्ष और शांतिपूर्ण मतदान के लिए तैयारियां तेज कर दी हैं।

निर्विरोध चुनी पंचायतों को मिलेगी प्रोत्साहन राशि

निर्विरोध पंचायतों की बढ़ती संख्या को प्रदेश सरकार ग्रामीण सौहार्द और विकास की दिशा में बड़ा संकेत मान रही है। सरकार का मानना है कि आपसी सहमति से चुनी गई पंचायतें विकास योजनाओं को अधिक प्रभावी ढंग से लागू कर सकती हैं। यही वजह है कि ऐसी पंचायतों को विशेष प्रोत्साहन राशि देने का प्रावधान किया गया है। ऐसे में पंचायत चुनावों में इस बार जिस तरह गांवों ने टकराव के बजाय सहमति का रास्ता चुना है।

छोटाभंगाल और चौहार घाटी में खूब गूंज रहा चुनावी शोर

अनंत ज्ञान

रूपी ठाकुर, बरोट। प्रदेश में पंचायत चुनावों के चलते छोटाभंगाल और चौहार घाटी में चुनावी माहौल पूरी तरह गर्म हो गया है। नामांकन वापसी की प्रक्रिया पूरी होने के बाद अब विभिन्न पदों के लिए मैदान में उतरे उम्मीदवारों को चुनाव चिन्ह भी आवंटित कर दिए गए हैं, जिसके बाद गांव-गांव चुनाव प्रचार ने तेजी पकड़ ली है। वार्ड सदस्य से लेकर प्रधान, उपप्रधान, बीडीसी और जिला परिषद तक के प्रत्याशी अपने-अपने समर्थकों के साथ लगातार जनसंपर्क अभियान में जुटे हुए हैं। घाटियों के बाजारों, चौपालों, चाय की दुकानों और सार्वजनिक स्थलों पर इन दिनों चुनावी चर्चाओं का दौर जारी है। उम्मीदवार लोगों से संपर्क साधकर अपने पक्ष में मतदान करने की अपील कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर भी पोस्टर, संदेश और प्रचार सामग्री साझा कर समर्थन जुटाने का प्रयास किया जा रहा है। कई उम्मीदवार घर-घर जाकर लोगों से मिल रहे हैं और अपने विकास कार्यों तथा भविष्य की योजनाओं को सामने रख रहे हैं। दिलचस्प बात यह है कि जो चेहरे पहले आम लोगों से कम संपर्क में रहते थे, वे भी अब गांवों में सक्रिय नजर आ रहे हैं और लोगों से हाथ जोड़कर समर्थन मांग रहे हैं। वहीं ग्रामीणों के बीच पुराने और नए चेहरों को लेकर अलग-अलग राय देखने को मिल रही है।

- उम्मीदवार घर-घर जाकर मांग रहे लोगों से समर्थन

कुछ लोग अनुभवी उम्मीदवारों के विकास कार्यों को आधार बना रहे हैं तो कई मतदाता बदलाव के पक्ष में दिखाई दे रहे हैं। चुनावी सरगर्मियों के बीच समर्थकों की बैठकों और रणनीतियों का दौर भी जारी है। अब सभी की निगाहें मतदान दिवस पर टिकी हैं, जब मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर पंचायतों की नई तस्वीर तय करेंगे।

समस्या : चोलथरा स्कूल का रास्ता टूटा, मार्ग बंद होने से दो पंचायतों के दर्जनों मतदाता हो सकते हैं प्रभावित

बुजुर्ग और दिव्यांग वोटर्स के मतदान करने पर मंडराया संकट

अनंत ज्ञान

रितेश चौहान, सरकाघाट। पंचायत चुनाव लोकतंत्र की जड़ों को मजबूत करने वाला सबसे महत्वपूर्ण पर्व माना जाता है, जहां हर मतदाता की भागीदारी लोकतांत्रिक व्यवस्था को सशक्त बनाती है। लेकिन सरकाघाट उपमंडल की चोलथरा पंचायत में मतदान केंद्र तक पहुंचने की समस्या अब एक गंभीर चुनावी मुद्दा बन गई है। शहीद कैप्टन दीपक गुलेरिया राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला चोलथरा में बनाए गए पोलिंग बूथ तक पहुंचने में बुजुर्ग, दिव्यांग एवं बीमार मतदाताओं को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। यदि समय रहते समाधान नहीं निकाला गया तो कई मतदाता मतदान से वंचित भी रह सकते हैं।

जानकारी के अनुसार चोलथरा और सरौन पंचायतों का मतदान इसी स्कूल परिसर में होना है। पहले स्कूल के गेट नंबर-2 तक वाहन आसानी से पहुंच सकते थे, जिससे बुजुर्ग और अस्वस्थ मतदाताओं को काफी सुविधा रहती थी। लेकिन वर्तमान में एनएच-03 निर्माण कार्य के चलते यह मार्ग पूरी तरह क्षतिग्रस्त और बंद पड़ा है। स्थानीय लोगों ने कई बार संबंधित विभाग और निर्माण कंपनी से मार्ग बहाल करने की मांग की, लेकिन अब तक स्थिति जस की तस बनी हुई है। अब स्कूल परिसर तक पहुंचने के लिए केवल गेट नंबर-1 का ही सहारा है, जो चोलथरा बाजार की ओर स्थित है। इस रास्ते से मतदान केंद्र तक पहुंचने के लिए लगभग 20 से 25 ऊंची सीढ़ियां चढ़नी पड़ती हैं। ऐसे में बुजुर्ग, दिव्यांग, गर्भवती महिलाओं और बीमार मतदाताओं के लिए मतदान केंद्र तक पहुंचना बेहद मुश्किल हो सकता है। ग्रामीणों का कहना है कि कई मतदाता ऐसे हैं जो बिना वाहन

इस साइड से गाड़ी आती थी, पर एनएच वालों ने इसे डिस्कनेक्ट कर दिया है।

सुविधा या समतल रास्ते के मतदान केंद्र तक नहीं पहुंच पाएंगे। इससे मतदान प्रतिशत पर भी असर पड़ सकता है।

स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि चुनाव आयोग लगातार 'शत-प्रतिशत मतदान' का संदेश देता है, लेकिन यदि मतदान केंद्र तक पहुंचने की मूलभूत सुविधाएं ही उपलब्ध न हों तो यह लक्ष्य अधूरा रह सकता है। लोगों का मानना है कि प्रशासन को इस संवेदनशील विषय को केवल एक सामान्य समस्या न मानकर लोकतांत्रिक अधिकारों से जुड़ा मुद्दा समझना चाहिए।

गांव कोठी बासी के समाज सेवी पंकज ठाकुर ने इस समस्या को प्रमुखता से उठाते हुए प्रशासन और निर्वाचन विभाग से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में हर वोट की बराबर अहमियत होती है और किसी भी नागरिक को केवल पहुंच संबंधी कठिनाइयों के कारण मतदान से वंचित नहीं होना चाहिए। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि मतदान से पहले वैकल्पिक मार्ग तैयार किया जाए या फिर अस्थायी तौर पर सड़क को दुरुस्त कर वाहन सुविधा बहाल की जाए। इसके अलावा मतदान केंद्र तक व्हीलचेयर, सहायकों और विशेष वाहन सुविधा की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जानी चाहिए ताकि दिव्यांग और बुजुर्ग मतदाता सम्मानपूर्वक अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें। ग्रामीणों का यह

- एनएच निर्माण कार्य के कारण बंद हुआ मार्ग

भी कहना है कि यदि निर्माण कंपनी द्वारा समय रहते टूटा हुआ रास्ता ठीक नहीं किया गया तो चुनाव वाले दिन अव्यवस्था की स्थिति पैदा हो सकती है। लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि मतदान केंद्र तक सुगम पहुंच सुनिश्चित नहीं हुई तो यह प्रशासनिक लापरवाही मानी जाएगी।

उधर, एसडीएम एवं निर्वाचन अधिकारी धर्मपुर जोगेंद्र पटियाल ने मामले का संज्ञान लेते हुए कहा कि संबंधित निर्माण कंपनी को टूटे हुए रास्ते और सड़क को दुरुस्त करने के लिए एक दिन की समय सीमा दी गई है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि 'हर एक मतदाता महत्वपूर्ण है और हर हाल में यह सुनिश्चित किया जाएगा कि कोई भी मतदाता मतदान से वंचित न रहे।' प्रशासन मतदान केंद्र तक पहुंच के लिए आवश्यक सभी सुविधाएं उपलब्ध करवाएगा।